रंगोली

शिक्षक दिग्दर्शिका

कक्षा 1-8

₹ 100.00

Notes

2 : 'आ' की मात्रा (ा) का प्रयोग

- चित्र देखकर सही शब्द पर (✓) लगाइए :

  नाव (✓), छाता (✓), गमला (✓), कार (✓), बादल (✓), टमाटर (✓)

- 'आ' की मात्रा (ा) लगाकर सही शब्द बनाइए :

  घास, राज, सरकार, आम, खान, पकवान, कार, राम, कागज

- कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

  (क) खाना **(ख)** पाठ **(ग)** हरा **(घ)** दाल **(ङ)** खाना

3 : 'इ' (ि) और 'ई' (ी) की मात्रा

- चित्र का नाम लिखकर वाक्य पूरा करो :

  चिड़िया, तकिया, टमाटर, पपीता, बकरी, सेब

- उदाहरण देखकर शब्द बनाओ :

  खिल–खील, मिल–मील, दिन–दीन, बिन–बीन, दिया–दीया, किला–कीला

4 : 'उ' (ु) और 'ऊ' (ू) की मात्रा

- चित्र का नाम लिखकर वाक्य पूरा करो :

  चिड़िया, मोर, पुल, कबूतर, तरबूज, कछुआ

- सही वर्ण के नीचे उ (ु) या ऊ (ू) की मात्रा लगाकर शब्द बनाओ :

  धुन, घूरना, भूख, आलू, धूल, पुजारी, पूड़ी, गुलाल, चूरा, काजू, गुड़, जूता

5 : 'ऋ' की मात्रा (ृ)

- रेखा खींचकर सही मिलान करो :

को पानी दो। तेज दौड़ता है

खेत पर जाता है। में हम रहते हैं।

- ऋ (ृ) की मात्रा लगाकर पूरे शब्द लिखो :

  भृगु, दृढ़, मृग, कृत, वृक्ष, मातृ, गृह, पितृ, कृपाण, घृत

6 : 'ए' (े) और 'ऐ' (ै) की मात्रा

- चित्र का नाम लिखकर वाक्य पूरे करो :

  सेब, भेड़, शेर, थैले, रेल, अखरोट, थैला, आँख

- उदाहरण देखकर शब्द बनाओ :

  बेर–बैर, देव–दैव, मेल–मैल, सेर–सैर

- दिए गए शब्दों में सही जगह पर ए (े) अथवा ऐ (ै) की मात्रा लगाकर पूरे शब्द लिखो :

  खेल, मैदान, पेड़, थैला, पैसा, कैलाश

7 : 'ओ' (ो) और 'औ' (ौ) की मात्रा

- चित्र का नाम लिखकर वाक्य पूरे करो :

  कचौड़ी, मोर, हथौड़ी, कौआ, समोसा, अखरोट, तोता, घोड़ा

- दिए गए शब्दों में सही जगह पर (ो) अथवा (ौ) की मात्रा लगाकर पूरे शब्द लिखो :

  नोट, कौआ, कोट, नौका, जोकर, पौधा, सोना, चौका, गोल, नौकर

- दिए गए शब्दों में (ो) की जगह (ौ) की मात्रा लगाकर नए शब्द लिखो :

  फौजी, खौल, कौन, शौक, मौरी, और, चौकी, सौरभ

8 : अनुस्वार अं (ं), अनुनासिक अँ (ँ) और विसर्ग अः (:)

- चित्र का नाम लिखकर वाक्य पूरे करो :

  छः, बंदर, पतंग, बत्तख, आँख, ऊँट, प्रातः, चाँद

- सही स्थान पर अनुस्वार (ं) अथवा चंद्रबिंदु (ँ) लगाकर शब्द लिखो :

  साँप, अँगूठी, दाँत, चाँद, बंदर, अंगूर, पंखा, पतंग

- सही जगह पर चंद्रबिंदु (ँ) लगाओ :

  ऊँट, घुँघरू, मूँछ, सूँघना, वहाँ, माँ, जहाँ, बूँद

11 : चाह

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (✓), **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓)

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  1. पिता; सदा **2.** इच्छा; भारत

- सुमेलित कीजिए–

  1. (iii), **2.** (iv), **3.** (ii), **4.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. बच्चे खेल-खिलौने और धन-सम्मान नहीं चाहते हैं। **2.** बच्चों के मन में भारत की ऊँची शान की चाह है। **3.** बच्चे सच्चाई को कभी नहीं छोड़ना चाहते हैं। **4.** बच्चे भारत की ऊँची शान चाहते हैं।

- वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए–

  1. भारत **2.** सच्चाई **3.** गुरू **4.** सम्मान **5.** इच्छा

शेष प्रश्न विद्यार्थी स्वयं करें।

12 : पिंकी की गुड़िया

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (×), **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (×), **5.** (✓)

- खाली स्थान भरिए–

  1. पिंकी, **2.** शरारती, **3.** जोर, **4.** टाँग, **5.** एक

- सुमेलित कीजिए–

  1. (iii), **2.** (v), **3.** (iv), **4.** (ii), **5.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. पिंकी अपनी गुड़िया और अपने भाई चिंटू को प्यार करती है। **2.** चिंटू गुड़िया से बोला–गुड़िया रानी गेंद उछालो। **3.** जब गुड़िया ने गेंद नहीं उछाली तो चिंटू नाराज हो गया। **4.** नाराज होकर चिंटू ने गुड़िया को जोर से नीचे फेंक दिया। **5.** पिंकी की गुड़िया का पैर टूटने पर वह रोने लगी। **6.** जब पिता जी ने कहा कि डॉक्टर को बुलाकर गुड़िया की टाँग ठीक करा देंगे, तब पिंकी चुप हो गई।

- हैं, है, था, थी से खाली स्थान भरिए–

  1. है, **2.** हैं, **3.** थी, **4.** है **5.** थी।

- दिए गए तीनों खानों की सहायता से वाक्य बनाइए–

  1. चिंटू गेंद से खेल रहा था। **2.** गुड़िया का एक पैर टूट गया। **3.** पिंकी इसे बहुत प्यार करती है। **4.** गुड़िया ने गेंद नहीं उछाली।

- निम्नलिखित को आप क्या कहेंगे?

  नानी, बुआ, दादा जी, मौसी, चाचा या ताऊ, दादी जी

13 : टिक··· टिक···

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (×), **2.** (✓), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓)

- खाली स्थान भरिए–

  1. आलस्य, **2.** बड़ी, **3.** स्कूल **4.** स्कूल

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. टिक् टिक् की आवाज घड़ी की थी। **2.** जॉर्ज को जब घड़ी समय के बारे में समझाने लगी तो जॉर्ज नाराज़ हो गया। **3.** घड़ी टिक् टिक् की आवाज़ करके समय बताती है। **4.** घड़ी ने जॉर्ज को बातों ही बातों में याद दिलाया कि उसके स्कूल का समय हो गया है। इसलिए उसने घड़ी को धन्यवाद दिया।

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  2. खुश, **3.** जल्दी, **4.** परिश्रम, **5.** जागती, **6.** रोना

- दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

  1. हमें समय से स्कूल जाना चाहिए। **2.** हम स्कूल में पढ़ने जाते हैं। **3.** छोटे बच्चे बहुत नटखट होते हैं। **4.** हमें कभी किसी कार्य में आलस्य नहीं करना चाहिए। **5.** हमें कार्य करके आराम करना चाहिए।

14 : बाल दिवस

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (✓), **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (✓), **5.** (✓), **6.** (×)

- खाली स्थान भरिए–

1. बड़े **2.** बाल **3.** पहले **4.** प्यार **5.** चाचा **6.** स्वरूप

- सुमेलित कीजिए–

1. (iv), **2.** (iii), **3.** (ii), **4.** (v), **5.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर को हुआ था। **2.** नेहरू जी के पिता का नाम श्री मोतीलाल नेहरू था। **3.** नेहरू जी की माता का नाम श्रीमती स्वरूप रानी था। **4.** नेहरू जी ने भारत को आज़ाद कराया था। **5.** बच्चे नेहरू जी को चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। **6.** नेहरू जी की बेटी का नाम इंदिरा गांधी था।

- समझिए और लिखिए–

2. कल 14 नवंबर है। **3.** वे हमारे पहले प्रधानमंत्री हैं। **4.** कल स्कूल में छुट्टी है।

- निम्नलिखित शब्दों को उनके विलोम शब्दों से मिलाइए–

1. (iv), **2.** (iii), **3.** (v), **4.** (ii), **5.** (i)

- दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

1. 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। **2.** चाचा नेहरू का जन्म 14 नवंबर को हुआ था। **3.** हमारा देश महान है। **4.** हमारे देश का इतिहास अनेक काल से चला आ रहा है। **5.** हमारे देश में अनेक नेता हैं।

15 : गुब्बारे

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

1. (✓), **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓)

- खाली स्थान भरिए–

1. गुब्बारे, **2.** अच्छे **3.** गुब्बारे **4.** खेलूँ

- सुमेलित कीजिए–

1. (ii), **2.** (i), **3.** (iv), **4.** (iii)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. बच्चा माँ से पैसे गुब्बारों के लिए माँगता है। **2.** गुब्बारे वाला लाल, हरे, नीले, नारंगी सब रंग के गुब्बारे लाया है। **3.** बच्चे को सभी रंगों के गुब्बारे अच्छे लगते हैं। **4.** बच्चा ढेरों गुब्बारे लेना चाहता है।

- चित्र के आधार पर खाली स्थान भरिए–

गुब्बारे वाला, पैसे, नारंगी, गुब्बारे, माँ, गुब्बारे, रंग

16 : कबड्डी का खेल

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

1. (×), **2.** (✓), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓), **6.** (×)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. खेल प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल के समाप्त होने पर किया गया। **2.** खेल कक्षा तीन और चार के बीच खेला गया। **3.** आधे समय तक कक्षा चार के दल के अंक अधिक थे। **4.** प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अध्यापक ने निभाई। **5.** प्रतियोगिता का यह परिणाम निकला कि दोनों दलों के पाँच-पाँच अंक थे।

- सामने दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप से रिक्त स्थान भरिए–

1. एकत्र **2.** पाला **3.** खेल **4.** शरीर

- दिए गए शब्दों को एकवचन में बदलकर लिखिए–

1. सीटी **2.** छात्र **3.** खिलाड़ी **4.** कक्षा **5.** स्कूल **6.** शिक्षक

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. खेल से हमारे शरीर को शक्ति मिलती है। **2.** हमें सड़क पर सजग होकर चलना चाहिए। **3.** खेल देखने में आनंद आता है। **4.** हमें सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए। **5.** हमें हमेशा एकत्र होकर खेलना चाहिए।

17 : शेर और चूहा

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

1. (×), **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (×), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. शेर **2.** जंगल **3.** बिल **4.** जाल **5.** तेज़

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. शेर जंगल में रहता था। **2.** शेर के ऊपर चूहे के कूदने से शेर की नींद टूट गई। **3.** शेर ने गुस्से में चूहे को मारने के लिए कहा। **4.** चूहे ने शेर से गिड़गिड़ाते हुए कहा– महाराज! आप जंगल के राजा हैं। हम आपकी प्रजा हैं। मुझे माफ कर दो। **5.** चूहे ने अपने तेज दाँतों से जाल को काटकर शेर को मुक्त कराया।

- समझिए और लिखिए–

2. रात **3.** धीरे **4.** सोना **5.** दुःख **6.** नीचे **7.** दण्ड **8.** वन

- दी गई वर्ग पहेली में से जंतुओं के नाम छाँटकर लिखिए–

1. हिरन **2.** हाथी **3.** शेर **4.** बकरी **5.** जिराफ **6.** रीछ

18 : मेरा घर

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

1. (×), **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. चित्र **2.** माता **3.** पौधे **4.** फूलों **5.** घास

- सुमेलित कीजिए–

1. (v), **2.** (iii), **3.** (iv), **4.** (ii), **5.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. यह घर पक्का बना हुआ है। **2.** इस घर में तीन कमरे हैं। **3.** माता जी घर में सफाई का बड़ा ध्यान रखती हैं। **4.** तितलियाँ फूलों पर मँडराती हैं। **5.** इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें स्वच्छ रहना चाहिए और अपना घर भी स्वच्छ रखना चाहिए।

- निम्नलिखित को एकवचन में लिखिए–

1. कॉपी **2.** मक्खी **3.** तितली **4.** छड़ी **5.** कुर्सी **6.** घड़ी

हिंदी कक्षा— 2

1 : सवेरा

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

1. (✓), **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (✓), **5.** (×)

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. सवेरा; चिड़िया **2.** कलियों; मुस्काने

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सवेरे पेड़ों पर चिड़ियाँ चींची बोलने लगी। **2.** सवेरे सूरज का रंग लाल-लाल है। **3.** लाल-लाल सूरज उगने पर मंद (धीमी) हवा डोलने लगी। **4.** सवेरे फूल मुस्काने लगे। **5.** कविता में चुन्नू, मुन्नू, रीमा और रानी को जगाया जा रहा है।

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

2. चाँद **3.** जागना **4.** पौधे **5.** तीव्र **6.** गोरा

2 : बचत का महत्त्व

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

1. (✓) **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓)

- खाली स्थान भरिए–

1. कल **2.** गुल्लक **3.** गुल्लक **4.** नल **5.** बूँद

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. देवांश को उसके पिता ने जन्मदिन पर एक सुन्दर गुल्लक उपहार में दी थी। **2.** देवांश उपहार पाकर प्रसन्न इसलिए नहीं था क्योंकि उसे गुल्लक नहीं बैट चहिए था। **3.** देवांश उपहार के रूप में बैट पाने की सोच रहा था। **4.** देवांश को मम्मी की इस बात पर हँसी आई कि मम्मी कुछ बूँद पानी के लिए परेशान हो रही हैं। **5.** भरी हुई बाल्टी को देखकर देवांश को यह ज्ञान हुआ कि छोटी बूँद का क्या महत्व है और अब उसका सपना साकार हो सकता है।

- बताइए, इन शब्दों में किन स्वरों का प्रयोग हुआ है–

2. ई – ी **3.** ऐ – ै **4.** ए – े **5.** आ – ा **6.** उ – ु

- वर्तनी सुधारकर लिखिए–

1. गुल्लक **2.** एकत्रित **3.** जन्मदिन **4.** खुशी **5.** रौनक **6.** पानी

3 : मैं कौन हूँ?

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (×) **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓)

- खाली स्थान भरिए–

  1. मेंढक **2.** घोड़ा **3.** भौं-भौं **4.** हिनहिनाना **5.** सवारी

- सुमेलित कीजिए–

  1. (ii), **2.** (iv), **3.** (v), **4.** (iii), **5.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. टर्र···टर्र मेढ़क बोलता है। **2.** भौं-भौं शोर कुत्ता मचाता है। **3.** ट्प-ट्प-ट्प घोड़े के पैरों की आवाज़ है। **4.** घोड़े की बोली को हिनहिनाना कहते हैं। **5.** कुत्ता पूँछ मालिक को प्रसन्न करने के लिए हिलाता है।

- निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति 'है', 'हो', 'हूँ' 'हैं' से कीजिए–

  1. हैं **2.** हो **3.** हूँ **4.** है

- चित्र के आधार पर वाक्यों की पूर्ति कीजिए–

  पैर, कान, पूँछ, गर्दन

4 : सुबह की सैर

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (✓) **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓), **5.** (×)

- खाली स्थान भरिए–

  1. छुट्टी **2.** थोड़ी **3.** आनंद **4.** अच्छा **5.** प्रसन्न

- निम्न कथन किसने कहे–

  1. दादा जी **2.** सोनू **3.** सोनू **4.** दादा जी

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. सवेरे प्रतिदिन पार्क में सोनू के दादा जी टहलने जाते हैं। **2.** दादा जी के साथ सोनू घूमने गया। **3.** पार्क में बच्चे दौड़ रहे थे, धीरे-धीरे चल रहे थे और कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। **4.** सोनू के दादा जी ने पार्क के दो चक्कर लगाए। **5.** प्रातःकाल घूमने से अनेक लाभ हैं; जैसे– हम स्वस्थ और नीरोगी रहते है और शरीर में फुर्ती और मन प्रसन्न रहता है।

- समझिए और लिखिए–

  2. वह मैदान में शांत बैठा है। **3.** वह यहाँ खेल रही है। **4.** कोई धीरे-धीरे चल रहा है। **5.** वहाँ बूढ़े भी हैं।

- दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

  1. हमें हर कार्य समय से करना चाहिए। **2.** मैदान में बच्चे खेलते हैं। **3.** दादा जी ने सोनू के साथ पार्क का चक्कर लगाया। **4.** हमें सुबह जल्दी उठना चाहिए। **5.** व्यायाम करने से हमारे शरीर को लाभ होता है।

5 : अच्छे बालक

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (×) **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓), **5.** (×)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. अच्छे बालक सवेरे उठकर नहाते हैं, दाँतों को मंजन करते हैं, नाखून साफ करते हैं और साफ कपड़े पहनते हैं। **2.** गंदे बालक रोगी बन जाते हैं। **3.** सब लोग गंदे बालक को दूर भगाते हैं। **4.** गंदे बालक दूसरों से शर्माते हैं। **5.** इस कविता से यह शिक्षा मिलती है कि हमें हमेशा साफ-स्वच्छ रहना चाहिए।

- निम्नलिखित शब्दों को एकवचन में बदलिए–

  2. गंदा **3.** अच्छा **4.** बच्चा **5.** कपड़ा **6.** सवेरा

6 : कंजूस रामदास

- सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

  1. (क) **2.** (ग)

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (×) **2.** (✓), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓)

- खाली स्थान भरिए–

  1. कंजूस **2.** बेईमान **3.** एक **4.** दर्जी **5.** दस

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. रामदास ने एक टोपी का कपड़ा खरीदा। **2.** रामदास दर्जी के पास टोपी सिलवाने के लिए गया। **3.** रामदास ने दर्जी से कहा भैया इसमें दो टोपियाँ बना देना फिर कहा इसमें चार टोपियाँ बना देना। उसके बाद कहा दस टोपियाँ बनाने के लिए कहा। **4.** दर्जी ने रामदास से झल्लाकर कहा– ''चार नहीं इसमें तो आठ-दस टोपियाँ भी बना सकता हूँ।'' **5.** दर्जी ने बहुत छोटी टोपियाँ रामदास के कंजूस स्वभाव के कारण बनाई। **6.** दर्जी के पास खड़े लोग छोटी टोपियों को देखकर हँसने लगे।

- निम्नलिखित शब्दों को एकवचन में बदलकर लिखिए–

  2. धोती **3.** बिजली **4.** लकड़ी **5.** टोपी **6.** छड़ी

- ये कौन हैं? बताइए–

  मोची, अध्यापक, दूधिया, किसान, डाकिया, धोबी

- दी गई टोपियों के नाम लिखिए–

  नेहरू टोपी, राजस्थानी पगड़ी, कुल्लू टोपी

8 : विनती

- सही वचन के सामने (✓) तथा गलत वचन के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (✓) **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓), **5.** (×)

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  जिह्वा, याद, आठों, चरणों

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. सच्चा सुख केवल भगवान के चरणों में मिलता है। **2.** विनती में वैरी संसार को बताया गया है। **3.** बच्चों ने चित्त डगमग न करने के लिए कहा है। **4.** बच्चों ने पल-पल, क्षण-क्षण ईश्वर का ध्यान रखने के लिए कहा है। **5.** विनती में आए आठों याम यानि आठ पहर हैं।

- दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

  1. हार **2.** काम **3.** मेरा **4.** नाम **5.** मलना **6.** दुःख

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. संसार में अनेक वैरी लोग रहते हैं। **2.** हम सदैव स्वस्थ रहे ईश्वर से यही विनती है। **3.** सभी के चित्त में सदैव ईश्वर रहते हैं। **4.** हमें अपनी जिह्वा से सदैव अच्छा बोलना चाहिए।

9 : चंदूलाल

- सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (✓) **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. करोड़पति **2.** छिपकर **3.** चंदूलाल **4.** निर्मला

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. सेठ जी हर समय करोड़पति बनने के सपने देखा करते थे। **2.** सेठ की पत्नी का नाम निर्मला देवी था और उनका स्वभाव धर्मपरायण और दयालु स्त्री का था। **3.** सेठ जी का व्यवहार गरीबों और साधु-संतों के लिए अपमानजनक और कटु था। **4.** सेठ जी को बीज देकर साधु ने कहा– इन्हें ज़मीन में बो देना, इससे उगे पौधों में फल लगेंगे और तुम्हारी इच्छाएँ पूर्ण होंगी। **5.** अंत में सेठ जी ने अनुभव किया कि हमें कभी लालच व किसी का अपमान नहीं करना चाहिए। बल्कि सभी की सहायता करनी चाहिए।

- स्त्रीलिंग रूप लिखिए–

  1. पत्नी **2.** स्त्री **3.** सेठानी **4.** दादी **5.** औरत **6.** चाची

- वर्तनी शुद्ध कीजिए–

  1. कटु **2.** पुड़िया **3.** कंजूस **4.** तपस्वी **5.** गहराई **6.** साधु

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. किसी व्यक्ति को सताना पाप का काम होता है। **2.** हमें हमेशा पुण्य के काम करने चाहिए। **3.** ईश्वर हमें हमेशा उन्नति की राह दिखाते हैं। **4.** आचार्य आश्रम में रहते हैं। **5.** किसी के साथ हमें गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

10 : सुभाष चंद्र बोस

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (×) **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓), **5.** (×)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. कक्षा **2.** घृणा **3.** फारवर्ड **4.** घोषणा **5.** आज़ाद

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. नेताजी का पूरा नाम डॉ. सुभाष चन्द्र बोस था। **2.** उन्होंने देश गुलाम रहने तक शादी न करने की प्रतिज्ञा की थी। **3.** नेताजी ने देशवासियों से कहा– "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूगा।" **4.** आंदोलन को ढंग से चलाने के लिए नेताजी ने फारवर्ड ब्लाक दल की स्थापना की। **5.** आज़ाद हिंद फौज का उद्देश्य–ईंट का जवाब पत्थर से देना था।

- दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

  1. शिक्षक; गुरू **2.** स्वतंत्रता; मुक्ति **3.** छाती; वक्ष **4.** युद्ध; आक्रमण **5.** सम्मान; इज़्ज़त **6.** दुशमन; वैरी

- दिए गए शब्दों को बहुवचन में बदलकर लिखिए–

  1. वीरों **2.** लोगों **3.** दिनों **4.** अंग्रेज़ों **5.** स्कूलों **6.** अध्यापकों **7.** ईंटें **8.** शत्रुओं **9.** सपूतों

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. घर आए मेहमानों का सदैव स्वागत करना चाहिए। **2.** हमें कभी भी किसी से घृणा नहीं करनी चाहिए। **3.** नेताजी की घोषणा पर अंग्रेज़ बौखला गए। **4.** हमें अपने शत्रु से सर्तक रहना चाहिए। **5.** सभी को सदैव अच्छे कार्यों की प्रतिज्ञा करनी चाहिए।

11 : हवा और सूरज

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. वेग **2.** बचाव **3.** छायादार **4.** शर्त **5.** बहस

- किसने कहा?

  1. हवा **2.** हवा **3.** हवा **4.** सूरज

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. हवा सूरज से कहती थी, मैं अधिक बलवान हूँ। **2.** सूरज हवा से कहता था, मैं अधिक बलवान हूँ। **3.** दोनों में यह तय हुआ कि दोनों में से जो आदमी के कपड़े उतरवा देगा वह सबसे अधिक बलवान है। **4.** दोनों में से सूरज आदमी के कपड़े उतरवाने में सफल हो सका। **5.** अंत में सूरज जीता।

- दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

  1. जमीन **2.** मनुष्य **3.** वस्त्र **4.** गगन **5.** वायु **6.** अपराध **7.** मार्ग **8.** हार **9.** सूर्य

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. धरती हमारी माता है। **2.** मुझे अचानक मेरे दोस्त की आवाज़ सुनाई दी। **3.** हवा के बिना हमारा जीवन संभव नहीं है। **4.** सूरज से हमें धूप प्राप्त होती है। **5.** हमेशा अच्छाई की जीत होती है।

12 : आपसी मेल-जोल

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  1. आँखों **2.** गाँव **3.** अपना **4.** संभव **5.** जल **6.** अंदर

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. यह कविता वर्षा ऋतु पर आधारित है। **2.** गाँव नदी किनारे बसा हुआ था। **3.** रिमझिम करती हुई वर्षा ऋतु आई। **4.** गाँव में पानी का कष्ट नहीं हुआ। **5.** वर्षा ऋतु आने पर गाँव में बाढ़ आई।

- शुद्ध शब्दों पर (✓) का निशान लगाइए–

  1. गाँव (✓) **2.** कष्ट (✓), **3.** लँगड़ा (✓) **4.** सुविधा (✓)

- दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

  1. कंधा **2.** नारी **3.** जाओ **4.** जाता **5.** खेल **6.** माल

- दिए गए चित्र के आधार पर कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

  जल; रानी, पानी, हाथ; डर, बाहर; मर

13 : छिपा हुआ धन

- सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

  1. (ग) **2.** (ग) **3.** (ख)

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (✓) **2.** (×), **3.** (×), **4.** (×), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. रामपुर **2.** किसान **3.** आशा **4.** आलसी **5.** बंजर

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. मरते समय किसान ने अपने चारों पुत्रों से कहा– मेरे बचने की कोई आशा नहीं है। मैंने जीवन-भर जो धन कमाया है वह खेत में दबा है उस धन को निकाल लेना। **2.** किसान का नाम रामधन था। **3.** किसान रामपुर गाँव का रहने वाला था। **4.** किसान के मरने के बाद चारों पुत्र भूखे मरने लगे। **5.** बूढ़े आदमी ने लड़को को यह शिक्षा दी कि जो तुमने खुदाई की है उसमें बीज डालो और जो फसल होगी वह तुम्हारा सच्चा व छिपा हुआ धन होगा।

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. आलस्य **2.** रोगी **3.** खट्टा **4.** अन्त **5.** उपजाऊ **6.** आरंभ **7.** बुरी **8.** स्वस्थ **9.** जन्म

- दिए गए शब्दों में 'ता' शब्द जोड़कर नए शब्द बनाइए–

  1. सरलता **2.** कोमलता **3.** उत्तमता **4.** निकटता **5.** चतुरता **6.** निर्मलता **7.** निर्धनता **8.** स्वच्छता **9.** वीरता **10.** कठोरता

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. अपने बेटों को शिक्षा के देने के बाद किसान का निधन हो गया। **2.** परिश्रमी व्यक्ति हमेशा सफल होता है। **3.** सभी को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। **4.** हमारे यहाँ दुकाने घर के निकट हैं। **5.** व्यक्ति को अपने अंतिम समय में ईश्वर को याद करना चाहिए। **6.** किसान को अपने बेटों की बहुत चिंता थी।

14 : आज्ञाकारी शिष्य

- सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (×) का निशान लगाइए–

  1. (×) **2.** (×), **3.** (×), **4.** (✓), **5.** (×)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. सुंदर **2.** वर्षा **3.** मिट्टी **4.** लथपथ 5. आरूणि

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. उद्दालक मुनि वन में आश्रम बनाकर रहते थे। **2.** आश्रम में बालक पढ़ते थे। **3.** आश्रम के सबसे छोटे छात्र का नाम आरूणि था। **4.** मेढ़ का पानी न रुकने पर आरूणि स्वयं उस दरार पर लेट गया। **5.** रात्रि में गुरुदेव ने छात्रों से पूछा कि आरूणि कहाँ है।

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. देर **2.** प्रभात **3.** प्रश्न **4.** गुरू **5.** छोटा **6.** थोड़ा **7.** गुरू **8.** असफल **9.** पीछे

- दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

  1. नीर; जल **2.** वृक्ष; पादप **3.** चेला; छात्र **4.** शिक्षक; मार्गदर्शक **5.** बरसात; बरखा **6.** रजनी; रात

- चित्रों के आधार पर अवतरण को पूरा कीजिए–

  मुनि, आश्रम, पाठशाला, बालक, खेत, बालक

15 : टेसू राजा अड़े खड़े

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  1. गोल **2.** उर्द **3.** फूँक **4.** अड़े **5.** नमक

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. अड़े-खड़े का अर्थ है– जमकर एक स्थान पर खड़े रहना। **2.** टेसू राजा की दही-बड़े की माँग है। **3.** दही-बड़े उर्द की पिट्ठी से बनते हैं। **4.** बड़ों को पानी में उबालने के लिए डालते हैं जिससे वह फूल जाएँ। **5.** चाँदी वर्क दही-बड़े व मिठाई पर लगाने के काम आता है।

- दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

  1. कब **2.** काल **3.** लाऊँ **4.** पिसवाऊँ **5.** लगाऊँ **6.** बड़े

1 : परी

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  सोते-सोते, स्वप्नों, रूप, जग

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. परी दूर लोक से आई है। **2.** परी बच्चों के मन को अच्छी उसके रूप-स्वरूप के कारण लगती है। **3.** रात को बच्चा सोते-सोते स्वप्नों में खो जाता है। **4.** बच्चे के मन में उड़ने की चाह है। **5.** बच्चा यह सोचने पर मजबूर हो जाता है कि यदि मेरे भी पंख होते तो मैं भी परिलोक की सैर करता। **6.** बच्चे को कहानी सुनने पर परी की याद आ जाती है।

- दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए–

  1. संसार **2.** सुंदर **3.** उठना **4.** सपना **5.** पर **6.** घूमना **7.** स्मरण **8.** दशा **9.** परियों का संसार

- वर्णों को मिलाकर शब्द लिखिए–

  1. सलोना **2.** मुझे **3.** स्वरूप **4.** कहानी

- निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. परी बहुत सुंदर होती है। **2.** हमारे मन में अनेक विचार आते हैं। **3.** राम सीता का रूप देखकर चौंक गए। **4.** चिड़ियों के पंख रंग-बिरंगे होते हैं। **5.** सभी व्यक्तियों को सुबह सैर के लिए जाना चाहिए।

2 : पुरस्कृत चोरनी

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. पुरस्कार **2.** पछतावा **3.** अच्छे **4.** रात

- किसने कहा?

  1. राजा **2.** राजा **3.** चोर लोमड़ी **4.** राजा

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. राजा के माथे पर चिंता की रेखाएँ इसीलिए उभरी क्योंकि दिन-पर-दिन चोरी की वारदातें बढ़ती जा रही थीं। **2.** बड़बोली लोमड़ी से राजा उस की सेवा के कारण प्रसन्न हुआ। **3.** भेष बदलकर राजा और उसके मंत्री प्रजा का हालचाल पता करने और चोर को पकड़ने जाते थे। **4.** पकड़े जाने पर राजा ने चोरनी को राजदरबार में नौकरी देकर पुरस्कृत किया। **5.** झबरू रीछ प्रसन्न मुद्रा में राजा से बोला–महाराज चोर पकड़ा गया।

- वर्तनी शुद्ध कीजिए–

  1. स्वंय **2.** व्यतीत **3.** लोमड़ी **4.** मंत्री **5.** कठिनाई **6.** प्रसन्न **7.** जंगल **8.** आवाज़ **9.** करूँगा

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. महल के बाहर पहरेदार खड़े हैं। **2.** हमारे देश में अनेक मंत्री हैं। **3.** शेर जंगल का राजा है। **4.** हमने चोर को चोरी करते हुए पकड़ लिया।

3 : लोहा और सोना

- सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए–

  1. (✓) **2.** (✗), **3.** (✗), **4.** (✓), **5.** (✓), **6.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. कंगन **2.** सोने **3.** लोहे **4.** अँगीठी **5.** सोना

- सुमेलित कीजिए–

  1. (ii), **2.** (iii), **3.** (iv), **4.** (v), **5.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. लोहे और सोने में विवाद इसलिए हुआ क्योंकि वे दोनों अपने को एक-दूसरे से बढ़कर समझते थे। **2.** काला-कलूटा लोहे को कहा गया है। **3.** महिलाओं को प्राणों से भी प्यारा सोना होता है। **4.** शादी के मुकुट में लोहे की कील लगी होती है। **5.** बैंकों व खजानों में सोने को रखा जाता है। **6.** सोना लोहे की बनी तिजोरी में बंद रहता है। **7.** अंत में जीत लोहे की हुई।

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. रूप **2.** अशुभ **3.** शुरू **4.** अवनति **5.** गरीब **6.** जीत **7.** पीछे **8.** दोषी **9.** कम

- दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

  1. विनाश **2.** निर्दोष **3.** मुकुट **4.** कुरूप **5.** टन

- चित्र देखकर अवतरण को पूरा कीजिए–

  हाथों, सुई, जहाजों, पृथ्वी, रोटी

4 : मेरी प्रिय दादी

- उचित विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

  1. (ख) **2.** (घ)

- दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्दों में से गलत शब्द पर (×) का निशान लगाइए–

  1. धीमें (×) **2.** मुश्किल (×) **3.** सुबह (×) **4.** निरादर (×)

- सुमेलित कीजिए–

  1. (ii), **2.** (vi), **3.** (v), **4.** (iii), **5.** (vii), **6.** (iv), **7.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. दादी जी की उम्र अस्सी वर्ष है। **2.** दादी जी आसानी से गाजर, मूली, बादाम, गन्ना आदि खा लेती हैं। **3.** दादी जी के विचार धार्मिक हैं। **4.** अम्मा, राम-राम कहने पर दादी जी उन्हें खुश रहो, सुखी रहो, भगवान तुम्हे लंबी उम्र दे आदि कहती थीं। **5.** घर के सभी सदस्य दादी जी का आदर करते हैं।

- दिए गए शब्दों को बहुवचन में बदलकर लिखिए–

  1. चीज़ें **2.** गन्ने **3.** चने **4.** चश्में **5.** नज़रें **6.** हाथों **7.** कानों **8.** मंदिरों **9.** ग्रंथों

- दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए–

  1. आयु **2.** व्यक्ति **3.** शीत **4.** गला **5.** प्रेम **6.** मीठा **7.** साल **8.** कठोर **9.** सवेरा

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. बुढ़ापे में अधिकतर नज़र कमज़ोर हो जाती है। **2.** दादी की आँखों में चश्मे के बिना परेशानी होती है। **3.** हमारे घर का कुत्ता जरा सी आहट में उठ जाता है। **4.** दादी जी अनेक प्रेरक कहानियाँ सुनाती हैं।

5 : ऋतुएँ

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  1. सूरज; खेती **2.** वर्षा; फसलें

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. जलते हुए सूरज से रेत तपती है; खेती सूख जाती है और तन से पसीना आता है। **2.** पंखा मम्मी ने चलाया था। **3.** ऋतुएँ चार होती हैं। **4.** गर्मी के बाद वर्षा ऋतु आती है। **5.** बसंत ऋतु में खेतों की बाली पक जाती है।

- दिए गए शब्दों के चार-चार पर्यायवाची शब्द लिखिए–

  1. सूर्य, भानु, दिनकर, रवि **2.** शरीर, तनु, बदन, काया **3.** जलद, मेघ, घन, जलधर

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. गरम **2.** उदास **3.** ढीला **4.** गोरे **5.** कच्चा **6.** गर्मी

- दिए गए चित्र के आधार पर चार पंक्तियों को पूरा कीजिए–

  तितली, पंख, फूल, डाली, इतराती जाती

6 : न्याय

- सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का निशान लगाइए–

  1. (×) **2.** (✓), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓), **6.** (×)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. सफल **2.** बकरी **3.** सही **4.** चोरी **5.** सुंदर

- किसने कहा?

  1. चरवाहे **2.** मुखिया **3.** चरवाहे **4.** मुखिया

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. गाँव में रहने वाली बुढ़िया का नाम ललिता था। **2.** बुढ़िया को बकरी पालने का शौक था। **3.** एक दिन बुढ़िया के साथ यह घटना घटी कि उसकी बकरी गायब हो गई। **4.** बकरी माँगने पर चरवाहे ने बकरी देने से साफ इंकार कर दिया। **5.** मुखिया ने चरवाहे से कहा बकरी की कौन-सी आँख कानी है। तो चरवाहे ने गलत जवाब दिया और इस प्रकार न्याय हुआ।

- समझिए और लिखिए–

  2. आस-पास **3.** मुस्कुराकर **4.** मुँहमाँगा **5.** आखिरकार **6.** संभलकर

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. शहर **2.** दिन **3.** कुरूप **4.** असफल **5.** गंदा **6.** बुरा **7.** अन्याय **8.** गलत **9.** सवाल

- दिए गए चित्रों के नामों को जोड़कर नया शब्द बनाइए–

  2. पत्रकार **3.** चार मीनार

7 : मेरी दिल्ली

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. ताऊजी **2.** बच्चों **3.** चार **4.** आधा **5.** भयंकर

- निम्नलिखित के आधार पर नाम लिखिए–

  1. लालकिला **2.** अप्पूघर **3.** प्रगति मैदान **4.** उड़न खटोला **5.** रंगारंग।

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. गौरव ने पत्र दिल्ली से लिखा है। **2.** नवें एशियाई खेल सन् 1982 ई. में दिल्ली के अप्पूघर में हुए थे। **3.** अप्पूघर में प्रवेश करने से पूर्व टिकट लेना पड़ता है। **4.** अप्पूघर में बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र आधुनिक झूले व रेलगाड़ी हैं। **5.** गौरव ने अपने पत्र के साथ दिल्ली की प्रसिद्ध जगहों के चित्र भी भेजे।

- दिए गए शब्दों को बहुवचन में बदलकर लिखिए–

  1. पुतले **2.** बच्चे **3.** झूलें **4.** खेलों **5.** स्थानों **6.** टिकटों

- समझिए और लिखिए–

  2. प्रवेश द्वार **3.** द्वार संख्या **4.** जन्मदिन

- निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. हमें गलत बातों का विरोध करना चाहिए। **2.** मेले में बहुत-सी आकर्षण चीजें होती हैं। **3.** एक खेल बहुत आश्चर्यजनक था **4.** भूतों की शक्ल भयंकर होती है। **5.** जब हम सवारी करते हैं तो टिकट लेते हैं।

9 : मेहनत का फल

- सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का निशान लगाइए–

  1. (×) **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓), **5.** (×)

- सुमेलित कीजिए–

  1. (iii), **2.** (iv), **3.** (v), **4.** (ii), **5.** (i)

- किसने कहा?

  1. गिलहरी **2.** चूहा **3.** खरगोश **4.** गिलहरी

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. चूहे का नाम पिंकू था। **2.** गिलहरी का नाम चैताली था। **3.** गिलहरी मेहनती थी। **4.** चूहे को खाना न मिलने पर वह रोने लगा। **5.** इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी आलस्य नहीं करना चाहिए और सदैव परिश्रम करना चाहिए।

- दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

  1. मेहनती **2.** कामचोर **3.** ज्ञानी **4.** मददगार **5.** कोटर **6.** बिल

- दिए गए शब्दों से वाक्यों की रचना कीजिए–

  1. कुछ जंतु पेड़ के तने में कोटर बनाकर रहते हैं। **2.** सभी को बारिश का मौसम अच्छा लगता है। **3.** मित्र के बुरे समय में हमें मित्रता निभानी चाहिए। **4.** आम बहुत मीठा फल है।

10 : प्रकृति की सीख

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  1. शीश; तुम **2.** अपने; उमंग **3.** फैलों; संसार

- सुमेलित कीजिए–

  1. (ii), **2.** (i), **3.** (iv), **4.** (iii), **5.** (vi), **6.** (v)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. पर्वत शीश उठाकर ऊँचा और सागर मन में गहराई लाने के लिए सीख देते हैं। **2.** जल की लहरें मीठी-मीठी मृदुल उमंग भरने के लिए कहती हैं। **3.** पृथ्वी को धैर्यवान इसलिए माना गया है कि चाहे उस पर कितना भी भार हो वह धैर्य नहीं छोड़ती है। **4.** आकाश से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हम जग में इतना फैले कि सारे संसार को हम पर गर्व हो। **5.** इस कविता के रचनाकार का नाम सोहनलाल द्विवेदी है।

- दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

  1. पहाड़ **2.** जलधि **3.** बोझ **4.** चित्त **5.** मुलायम **6.** सब **7.** धरती **8.** सबर **9.** जगत

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. नीचा **2.** उथला **3.** आकाश **4.** खट्टा **5.** ठोस **6.** अधैर्य

11 : विज्ञान के चमत्कार

- सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का निशान लगाइए–

  1. (×) **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. साधन **2.** जीवन **3.** भाँति **4.** आज **5.** चंद्रयात्रा

- सुमेलित कीजिए–

  1. (iii), **2.** (v), **3.** (iv), **4.** (ii), **5.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. विज्ञान वह ज्ञान है जिसके कारण नई-नई वस्तुओं का आविष्कार संभव हो सका है। **2.** विज्ञान ने हमें अनेक वस्तुएँ दी हैं; जैसे– बिजली, कूलर, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा आदि। **3.** कंप्यूटर एक ऐसी मशीन है, जो संख्याओं को जोड़ने, घटाने, गुणा तथा भाग करने जैसी प्रक्रिया को शीघ्रता एवं शुद्धता से करता है। **4.** जलयान, वायुयान, रेलगाड़ी, मोटरकार, साइकिल आदि परिवहन के साधन हैं। **5.** मशीनी आदमी रोबोट को कहते हैं।

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. घटाना **2.** सूक्ष्म **3.** असंभव **4.** शोक **5.** पक्षी **6.** देर **7.** अज्ञान **8.** कम **9.** मृत्यु

- पाठ में आए किन्हीं बारह (12) संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए–

  1. गुरू **2.** कंप्यूटर **3.** टेलीफोन **4.** फ्रिज **5.** स्कूटर **6.** जहाज **7.** मनुष्य **8.** रेलगाड़ी **9.** टेलीविजन **10.** कूलर **11.** साइकिल **12.** मोटरकार

- दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

  1. जगत, दुनिया, लोक **2.** सागर, जलधि, नदीश **3.** चाँद, मयंक, हिमांशु **4.** आदमी, जन, नर **5.** हस्त, कर, पंजा

- चित्र की सहायता से अवतरण को पूरा कीजिए–

  कंप्यूटर, रोबोट, कंप्यूटर, संसार, चंद्र

- परिवहन के साधन तथा मनोरंजन के साधनों की सूची बनाकर अपने अध्यापक/अध्यापिका को दिखाइए।

  परिवहन के साधन– हवाई जहाज़, रेलगाड़ी, मोटरकार, ट्रक, स्कूटर

  मनोरंजन के साधन– मोबाइल, टेलीविजन, कंप्यूटर, सिनेमा प्रोजेक्टर, रेडियो

12 : लालच बुरी बला है।

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. प्रतिदिन **2.** मछुआरा **3.** मछली **4.** छोटी **5.** लालच **6.** इच्छाएँ

- किसने कहा?

  1. मछली **2.** मछुआरे की पत्नी **3.** मछली **4.** मछुआरे की पत्नी **5.** मछली

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. नदी के तट पर मछुआरा रहता था। **2.** मछुआरा अपना गुजारा मछलियाँ बेचकर करता था। **3.** मछुआरा जब मछली पकड़ने गया तो मार्ग में उसे एक छोटी मछली छोटे गड्ढे में फंसी मिली। उस मछली ने मछुआरे से कहा कि मुझे इस गड्ढे से निकालकर किसी बड़ी नदी में डाल दो। **4.** सारी घटना का वृत्तांत सुनकर मछुआरिन बोली कि वह मछली अवश्य ही देवी है। तुम उससे अपने लिए वर माँग लो। **5.** मछुआरे की माँगें बढ़ती हुई देखकर मछली ने कहा–मछुआरे! अब तुम बहुत लालची हो गए हो। जाओ! मैं अपने सभी वरदान वापस लेती हूँ। **6.** इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें ज्यादा लालच नहीं करना चाहिए।

- दिए गए शब्दों को बहुवचन में बदलकर लिखिए–

  1. नदियाँ **2.** गड्ढे **3.** रानियाँ **4.** झोंपड़ियाँ **5.** बातें

6. नौकरों 7. पत्नियाँ 8. पुत्रों 9. फलों

- दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

1. कृतज्ञ 2. अग्रणी 3. दूरदर्शी 4. चौराहा

- दिए गए शब्दों से वाक्यों की रचना कीजिए–

1. मछुआरा लालची था। 2. सभी को प्रतिदिन सुबह सैर करने जाना चाहिए। 3. हर व्यक्ति अपने जीवन में ऐश्वर्य चाहता है। 4. ईश्वर सभी का गुजारा करवाता है। 5. लालच करना बुरी बला है।

13 : गुरुभक्त एकलव्य

- सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का निशान लगाइए–

1. (×) 2. (✓), 3. (✓), 4. (×)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. पांडवों 2. द्रोणाचार्य 3. अर्जुन 4. हिरण्यधनु 5. धनुर्विद्या

- किसने कहा?

1. द्रोणाचार्य 2. एकलव्य 3. द्रोणाचार्य 4. अर्जुन 5. द्रोणाचार्य

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. एकलव्य निषादराज हिरण्यधनु का पुत्र था। 2. एकलव्य धनुर्विद्या सीखने के लिए द्रोणाचार्य के पास गया। 3. एकलव्य ने गुरू द्रोणाचार्य की मूर्ति को गुरू मानकर धनुर्विद्या सीखी। 4. गुरू द्रोण ने अर्जुन को प्रसन्न होकर यह आशीर्वाद दिया कि तुम्हारे समान कोई दूसरा धनुर्धारी नहीं होगा। 5. कुत्ते के भौंकने पर एकलव्य ने एकसाथ सात बाण छोड़े और ये बाण कुत्ते के मुँह में घुस गए। 6. एकलव्य से द्रोणाचार्य ने गुरूदक्षिणा में दाएँ हाथ का अँगूठा माँगा।

- समझिए और लिखिए–

2. गंभीर 3. परंतु 5. युद्ध 6. शुद्ध 8. विद्यालय 9. उद्योग

- दिए गए शब्दों में 'ता' जोड़कर नए शब्द बनाइए–

1. स्वच्छता 2. निर्मलता 3. सभ्यता 4. लघुता 5. सत्यता 6. शत्रुता

- दिए गए शब्दों से वाक्यों की रचना कीजिए–

1. अर्जुन एक महान धनुर्धारी था। 2. एकलव्य द्रोणाचार्य से धनुर्विद्या सीखना चाहता था। 3. आश्रम में आचार्य शिक्षा प्रदान करते हैं। 4. हमें अपने से बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए। 5. द्रोणाचार्य ने एकलव्य से गुरू दक्षिणा माँगी।

14 : चिड़ियाघर की सैर

- सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✓), 3. (×), 4. (×), 5. (✓), 6. (✓), 7. (×)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. अजगर 2. हरी 3. शुतुरमुर्ग 4. लंबी 5. थैली

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. चिड़ियाघर में तोते, अजगर, हिरन, गैंडे, जेबरा, बंदर, शुतुरमुर्ग, ऊँट, जिराफ आदि जंतु थे। 2. हिरन चौकड़ी भर रहा था। 3. तोते रंग-बिरंगे थे। 4. भालू और बंदर मूँगफली खा रहे थे। 5. जिराफ की लंबी गरदन थी। 6. कंगारू बच्चों को थैली में डाले था।

- सुमेलित कीजिए–

1. (ii), 2. (i), 3. (iv), 4. (iii)

- दिए गए शब्दों से वाक्यों की रचना कीजिए–

1. चिड़ियाघर में हिरण चौकड़ी भर रहे थे। 2. आज रविवार का दिन है। 3. कच्चा आम बहुत खट्टा होता है। 4. मुर्गी अंडे देती है। 5. कंगारू के पेट में एक थैली होती है।

- दिए गए बॉक्स में से जंतुओं के नाम छाँटकर लिखिए–

1. तोता 2. शुतुरमुर्ग 3. शेर 4. चीता 5. जिराफ 6. जेबरा

15 : आज्ञाकारी पुत्र

- सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का निशान लगाइए–

1. (×) 2. (✓), 3. (✓), 4. (✓), 5. (×)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. विधवा **2.** चिंता **3.** अकेले **4.** आशीर्वाद **5.** पेड़ **6.** कपूर; गठरी

- सही मिलान कीजिए–

  1. (iii), **2.** (i), **3.** (ii), **4.** (iv), **5.** (v)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. ब्राह्मण अपनी जीविका धार्मिक कर्मकांड और हवन आदि करके चलाता था। **2.** उसको सेठ रामदास ने अपने घर पूजा करने के लिए बुलाया। **3.** शहर जाने से पहले उसकी माँ ने उससे कहा– बेटा अपने साथ किसी को अवश्य लेकर जाना इससे तुम्हारा साथ भी हो जाएगा और तुम्हारी सुरक्षा भी हो जाएगी। **4.** माँ ने पुत्र के साथ एक केकड़ा भेजा। **5.** जब वह विश्राम कर रहा था, तब कपूर की खुशबू सूँघकर गठरी में साँप घुस गया और केकड़े को परेशानी होने लगी। केकड़े ने साँप का खून पी लिया और साँप मर गया।

- दिए गए शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए–

  1. पुत्र **2.** आशीर्वाद **3.** धन्यवाद **4.** कर्मकांड **5.** आश्चर्य **6.** नींद **7.** विश्राम **8.** आज्ञा **9.** अवश्य

- उचित जोड़े बनाइए–

  विलोम शब्द– 1. (v), **2.** (i), **3.** (ii), **4.** (iv), **5.** (iii)

  समानार्थी शब्द– 1. (ii), **2.** (i), **3.** (iv), **4.** (v), **5.** (iii)

- दिए गए शब्दों से वाक्यों की रचना कीजिए–

  1. श्रवण एक आज्ञाकारी पुत्र था। **2.** हमें सदैव बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए। **3.** काम करने के बाद विश्राम करना चाहिए। **4.** हमें अपना काम अवश्य करना चाहिए। **5.** हमें अपनी सुरक्षा अपने आप करनी चाहिए।

16 : लौह पुरुष–सरदार पटेल

- उचित विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

  1. (ग) **2.** (ग)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. इंग्लैंड **2.** तार **3.** पत्नी **4.** वीर; साहसी **5.** स्वतंत्र

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. फोड़े के इलाज के लिए जर्राह को बुलाया गया। **2.** फोड़े पर जलती छड़ चुभाने वाले स्वयं सरदार वल्लभ भाई पटेल थे। **3.** वल्लभ भाई पटेल का जन्म अक्टूबर 1875 ई. में गुजरात प्रांत के नाडियाड (करमसद) नामक ग्राम में हुआ था। **4.** सरदार पटेल के पिता जी का नाम श्री झबेर भाई पटेल था। **5.** सरदार पटेल ने देश के लिए अनेक कार्य किए जैसे– किसानों की कठिनाई को दूर करने के लिए अंग्रेजों से विरोध, देश-सेवा का कार्य, भारत की स्वतंत्रता का कार्य आदि। **6.** सरदार पटेल इरादे के पक्के थे, वह जो सोचते थे उसे पूरा करते थे, चाहे कितनी भी बाधाएँ आ जाएँ। ऐसे गुण थे सरदार पटेल में।

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. सुख **2.** कायर **3.** आलस्य **4.** आधा **5.** अधीन **6.** लाभ

- दिए गए भूतकाल वाक्यों को वर्तमान काल में बदलिए–

  1. यह साहसी बालक कौन है? **2.** वे सादा जीवन व्यतीत करते हैं। **3.** इन दिनों किसानों की हालत खराब है। **4.** सरदार पटेल पक्के इरादे के व्यक्ति हैं। **5.** वे एक जमींदार हैं।

- दिए गए शब्दों से वाक्य रचना कीजिए–

  1. पुस्तकालय में बहुत अच्छी-अच्छी पुस्तकें हैं। **2.** हमें गलत बात का विरोध करना चाहिए। **3.** कार्य में कितनी भी बाधाएँ आए हमें डरना नहीं चाहिए। **4.** एकता में ही अनेकता होती है। **5.** हमें हर समस्या का साहसी बनकर मुकाबला करना चाहिए।

- दिए गए बॉक्स में से देश के महान् व्यक्तियों के नाम छाँटकर लिखिए–

  1. जवाहरलाल नेहरू **2.** महात्मा गांधी **3.** भगत सिंह **4.** वल्लभभाई पटेल **5.** बटुकेश्वर दत्त

हिंदी कक्षा— 4

1 : कौन

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  1. निर्मल **2.** पर्वत **3.** चाँद **4.** इंद्रधनुष

☙ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए–

1. बादल **2.** चाँद **3.** नदियाँ **4.** सूरज

☙ निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

कवि कहता है– संसार में अगर नदियाँ नहीं होती, तो हम सभी की प्यास कौन बुझाता? और अगर पर्वत नहीं होते, तो ये मीठे झरने कहाँ से बहते?

☙ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. दिन को उजाला सूरज देता है। **2.** रात को रास्ता चाँद दिखाता है। **3.** हमें झरनों का मीठा पानी पर्वतों से मिलता है। **4.** नदियों का निर्मल पानी पर्वतों से आता है। **5.** बादल देखकर हमारे मन में यह प्रश्न उठते हैं कि अगर बादल न होते तो नभ में इंद्रधनुष कौन रचाता? **6.** सूरज से हमें प्रकाश के अतिरिक्त गर्मी और सोने सा चमकता हुआ दिन भी मिलता है।

☙ निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. मयंक, हिमांशु, चँद्रमा **2.** रात्रि, रैन, निशा **3.** दिवस, बार, दिवा **4.** दिवाकर, सूर्य, भानु **5.** शिखर, पहाड़, शैल

☙ निम्नलिखित शब्दों को उनके विलोम शब्दों से मिलाइए तथा लिखिए–

2. सूरज-चाँद **3.** मीठे-कड़वे **4.** प्रश्न-उत्तर **5.** उठाता-गिराता

☙ दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. संसार में मुख्य रूप से चार दिशाएँ होती हैं। **2.** प्यास लगने पर हम पानी पीते हैं। **3.** ये सृष्टि ईश्वर की एक अनोखी रचना है। **4.** काले-काले बादल वर्षा लाते हैं। **5.** सभी फल बहुत मीठे होते हैं।

2 : अनपढ़ की शिक्षा

☙ सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. गाँव **2.** साधारण भोजन **3.** भोला-भाला अनपढ़ किसान **4.** उसे मुक्त कराया

☙ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. पैदल **2.** झोंपड़ी **3.** जोरों **4.** बैल **5.** अपनढ़

☙ सुमेलित करके उचित वाक्य बनाइए–

1. (iii), **2.** (vi), **3.** (i), **4.** (vii), **5.** (iv), **6.** (ii), **7.** (v)

☙ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. अकबर वेश बदलकर प्रजा का दुख-सुख जानने के लिए निकले थे। **2.** अकबर मार्ग तलाश करते हुए एक गाँव में पहुँचे। **3.** चलते समय अकबर ने राघव को अपनी अँगूठी दी और कहा तुम दिल्ली आना। **4.** राघव को सिपाहियों ने चोर समझकर पकड़ लिया। **5.** सुबह आँख खुलने पर राघव ने अकबर को छत पर खड़े होकर जोर-जोर से किसी को पुकारते हुए देखा। **6.** अकबर खुदा की इबादत करके उससे शक्ति, धन और उम्र की दुआ माँग रहे थे। **7.** राघव ने अकबर से धन इसलिए नहीं लिया क्योंकि वह भीख में माँगा धन नहीं लेना चाहता था।

☙ निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखकर वाक्यों को पुनः लिखिए–

1. एक स्थान से बादशाह को **वन** से गुजरना पड़ा और वे **रास्ता** भूल गए। **2.** उस झोंपड़ी में वह अपनी **बीवी** के साथ रहता था। **3.** भोजन **साधारण** था, परंतु बड़ा **मज़ेदार** था। **4.** दो **साल** बाद **आकाल** पड़ गया। **5.** देखने में वह **धनवान व्यक्ति** लगता था।

☙ निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

1. अतिथिगृह **2.** अजनबी **3.** अनपढ़ **4.** स्वादिष्ट भोजन **5.** कच्चा मकान **6.** मांसाहारी **7.** शाकाहारी

☙ दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. सादा भोजन भी स्वादिष्ट होता है। **2.** अकबर ने एक झोंपड़ी पर दस्तक दी। **3.** हमें अजनबी लोगों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। **4.** अकबर ने राघव को अतिथिगृह में ठहराया था। **5.** परिश्रम का फल सदैव मीठा होता है।

3 : झाँसी की रानी

☙ सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का निशान लगाइए–

1. (✓) **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓), **6.** (✓), **7.** (×)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. अँधेरा **2.** वीरता **3.** युद्ध **4.** आक्रमण **5.** किला

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. छोटी बालिका का नाम मनु था। **2.** बालक मनु को चुनौती देकर घोड़े पर सरपट दौड़ा जा रहा था और अचानक उसके घोड़े को ठोकर लगी और बालक धम्म से नीचे गिर गया और उसके सिर से खून बहने लगा। **3.** मनु का जन्म वाराणसी में हुआ था। **4.** ज्योतिषियों ने मनु के विषय में यह भविष्यवाणी की कि आगे चलकर वह राजरानी बनेगी। **5.** रानी बड़ी वीरता से लड़ी किन्तु घायल होकर उन्होंने प्राण त्याग दिए। **6.** पाठ में आई सुभद्रा कुमारी चौहान की पंक्तियाँ निम्नलिखित हैं–

  '' बुंदेले हर बोलो के मुँह

  हमने सुनी कहानी थी,

  खूब लड़ी मर्दानी वह तो

  झाँसी वाली रानी थी।''

- दिए गए मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. अचानक मुसीबत आना।

  फसल खराब होने से किसान पर पहाड़ टूट पड़ा।

  2. मुकाबला करना।

  जब रानी को क्रोध आया तो उन्होंने अंग्रेजों से लोहा लेने का निश्चय कर लिया।

  3. बिल्कुल भी नहीं हिलना।

  मेरे बहुत मनाने पर भी मुकुट टस से मस न हुआ।

  4. मजबूती के साथ तैयार होना।

  परिक्षा में अच्छे अंक पाने के लिए मैं कमर कस के तैयार हो गया हूँ।

4 : जगदीश चंद्र बसु

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. जी. मार्कोनी **2.** क्षणों **3.** समय **4.** इंकार **5.** कुशाग्र

- सुमेलित कीजिए–

  1. (ii), **2.** (i), **3.** (iv), **4.** (iii)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए–

  1. विक्रमपुर **2.** जगदीश **3.** डाकू **4.** क्यारी **5.** प्रथम श्रेणी

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. जगदीश चंद्र बसु का जन्म बंगाल के एक छोटे से गाँव विक्रमपुर में सन् 1858 ई० में हुआ था। **2.** जगदीश चंद्र बसु ने तीन वर्ष तक वेतन इसलिए नहीं लिया क्योंकि उन दिनों भारतीय व अंग्रेज अध्यापकों में वेतन का अंतर था व काले-गोरे का भेद माना जाता था। **3.** रेडियो के सिद्धांत की पहली खोज जगदीश चंद्र वसु ने की थी। **4.** जगदीश चंद्र बसु ने यह एक वैज्ञानिक प्रयोग से सिद्ध किया कि पेड़-पौधों में भी जान होती है। **5.** जगदीश चंद्र बसु ने संसार के सामने यह नई बात रखी कि पेड़-पौधे भी हमारी तरह सुख-दुख का अनुभव करते हैं। **6.** उन्होंने एक डाकू को नौकर इसलिए रखा क्योंकि उसे डाकू होने के कारण कोई नौकरी नहीं देता था।

- दिए गए वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए–

  1. कुशाग्र **2.** बुरी **3.** हरा-भरा **4.** महान **5.** बहुत

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. आखिरी **2.** सोते **3.** सुबह **4.** सुख **5.** उनुत्तीर्ण **6.** जवाब

- दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

  1. नृप, भूप, नरेश **2.** वृक्ष, पादप, तरु **3.** ईश्वर, परमात्मा, प्रभु **4.** मशहूर, प्रसिद्ध, नामी

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. हमें अपने जीवन में नैतिक सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। **2.** परिश्रमी छात्र कक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होते हैं। **3.** अब्दुल कलाम जी एक महान वैज्ञानिक थे। **4.** हमारे देश की अनेक वस्तएँ पूरे संसार में विख्यात हैं।

5 : चंद्र खिलौना लूँगा

- सुमेलित कीजिए–

  1. (ii), **2.** (iii), **3.** (i), **4.** (v), **5.** (iv)

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  1. मचल; लूँगा मैं खिलौना यह मुझे; अनेक; न माना और ऊधम मचाया **2.** विलोक; उन्हें विधि ने बनाया; लूँ मैं किसे और किसे छोड़ूँ; घबराया

- एक जैसे तुक वाले शब्द लिखिए–

  1. काया **2.** जानकर **3.** गढ़ाया **4.** तन **5.** अचल **6.** अर्पण **7.** कहलाया **8.** बीन

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. शिशु पूर्ण चंद्रमा को देखकर मचल गया। **2.** माता का कहना उसने इसलिए नहीं माना क्योंकि वह चंद्रमा को खिलौना समझ बैठा था। **3.** माता ने शिशु को चंद्रमा का प्रतिबिंब दर्पण में दिखाकर बहलाया। **5.** इस कविता के रचनाकार का नाम गोपाल शरण सिंह है।

- दिए गए शब्दों के बहुवचन लिखिए–

  1. अनेक **2.** विधियाँ **3.** हाथों **4.** शिशुओं **5.** मामाएँ **6.** आरतियाँ

- दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

  1. इन्दु, शशि, सुधाकर **2.** हस्त, कर, बाह **3.** गृह, सदन, भवन **4.** मातृ, माई, माँ **5.** भूमि, धरणी, वसुधा

- दिए गए वर्ग में अक्षर भरकर शब्द बनाइए–

  स्वयं कीजिए।

6 : सबसे मूल्यवान उपहार

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. मुस्कान **2.** उपाय **3.** इच्छुक **4.** रोषपूर्ण **5.** आग्रह

- सुमेलित कीजिए–

  1. (ii), **2.** (iii), **3.** (iv), **4.** (v), **5.** (i)

- निम्नलिखित कथन किसने कहे?

  1. राजा **2.** पहला राजकुमार **3.** दूसरा राजकुमार **4.** तीसरा राजकुमार **5.** राजा **6.** राजा

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. चीन के राजा का नाम त्साई-लून था। **2.** राजा ने तोत्तो-चान से कहा– बेटी अब तुम्हे विवाह कर लेना चाहिए। **3.** राजा ने तीनों राजकुमारों को महल में बुलाकर कहा– मैं अपनी बेटी का विवाह करना चाहता हूँ, इसलिए मैनें तुम तीनों को बुलाया है। **4.** पहला राजकुमार तोत्तो-चान के लिए सुंदर हीरे, जवाहरात और मोती उपहार में लाया। **5.** दूसरा राजकुमार उपहार में जादू की बंदूक लेकर आया। **6.** तीसरा राजकुमार किसी निर्धन परिवार की सहायता के कारणवश उपहार नहीं ला सका। **7.** राजा ने तीसरे राजकुमार के साथ अपनी बेटी का विवाह इसलिए किया क्योंकि उस राजकुमार ने मेहनत करके एक दुखी व निर्धन परिवार की सहायता की थी।

- निम्नलिखित शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए–

  1. राजपुत्री **2.** इच्छुक **3.** अमूल्य **4.** निरोग **5.** बलवान

- निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

  1. सत्कार, अभिवादन, आवभगत **2.** कोप, अमर्ष, गुस्सा **3.** नेत्र, नयन, लोचन **4.** हस्त, भुजा, बाँह **5.** पुत्री, कन्या, लड़की

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. संसार में सभी वस्तुएँ ईश्वर की बनाई हुई हैं। **2.** बुद्धिमान व्यक्ति हमेशा सफल होता है। **3.** राजा अपनी पुत्री के लिए वर ढूँढ़ रहा था। **4.** परी के जन्मदिन पर बच्चों ने उसे उपहार दिए। **5.** कक्षा में प्रथम आने पर पिताजी ने मुझे मूल्यवान उपहार दिया।

7 : मलेरिया का निदान

- उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

  1. मच्छर से **2.** इंग्लैड के **3.** सन् 1920 ई० में **4.** रोनाल्ड रॉस ने

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. रोनाल्ड रॉस **2.** विषमज्वर **3.** मच्छर **4.** नरमच्छर **5.** स्प्लीन

- सुमेलित कीजिए–

  1. (ii), **2.** (i), **3.** (iv), **4.** (v), **5.** (iii), **6.** (viii), **7.** (vi), **8.** (vii)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए–

  1. तीन **2.** इंग्लैंड **3.** प्लाज्मोडियम **4.** स्प्लीन **5.** विषम ज्वर

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. मलेरिया मादा एनाफिलीज़ मच्छर के काटने से फैलाता है। **2.** विश्व में मच्छर की लगभग डेढ़ हजार से अधिक प्रजातियाँ हैं। **3.** मलेरिया गंदी नालियों, गड्ढों व तालाबों में गंदे पानी, नदियों के किनारे घास-पात आदि के कारण फैलता है। **4.** मलेरिया रोग से बचने के लिए, कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव, गंदे गड्ढे में मिट्टी का तेल छिड़काव आदि करना चाहिए। **5.** मलेरिया रोग की खोज सन् 1920 ई० में की गई थी।

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. गुलामी **2.** खत्म **3.** बीमार **4.** बूढ़ा **5.** नर **6.** साफ

- दिए गए शब्दों के सामानार्थी शब्द लिखिए–

  1. जगत **2.** स्त्री **3.** मर्ज **4.** पुरुष **5.** खून **6.** जरूर **7.** मनुष्य **8.** रात **9.** बेकार

8 : लकड़ी का घोड़ा

- उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

  1. (i), **2.** (ii), **3.** (iii), **4.** (i)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. प्रयत्न **2.** निश्चिंत **3.** संकल्प **4.** सुविधाएँ **5.** अपमान

- सुमेलित कीजिए–

  1. (iv), **2.** (v), **3.** (i), **4.** (ii), **5.** (iii)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. पेरिस नामक राजा ट्रॉय नामक राज्य पर राज करता था। **2.** यूनान के राजा का नाम मैनेलिस था। **3.** यूनानियों ने युद्ध की तैयारी रानी को छुड़ाकर लाने के लिए आरंभ की। **4.** यूनानियों ने शस्त्र बल के स्थान पर बुद्धि बल का प्रयोग किया। **5.** ''यूनानी भाग गए, यूनानी हार गए'', यह ट्राय के लोगों ने कहा। **6.** जब ट्राय के लोग खुशी से नाच-गाकर थककर निश्चिंत होकर सो गए तब यूनानियों ने ट्रॉय पर अपना अधिकार प्राप्त कर लिया। **7.** स्वतंत्रता की खुशी में ट्रॉय वालों ने सैनिकों की दावत की और नाच-गाना करके निश्चिंत होकर सो गए।

- निम्नलिखित में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए–

  1. विशाल **2.** पर्याप्त **3.** यूनानी **4.** मीठी **5.** वीर

- निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए–

  1. गायब हो जाना या दूर चले जाना। **2.** अचम्भा होना। **3.** पूरी तरह नष्ट कर देना। **4.** बर्बाद हो जाना। **5.** आनंदित होना।

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग लिखिए–

  1. झाँसी की रानी ने बड़ी वीरता से अंग्रेजों का सामना किया। **2.** हिमालय बहुत विशाल पर्वत है। **3.** भारत में पर्याप्त मात्रा में भोज्य-पदार्थ उपलब्ध हैं। **4.** महल की चाहरदीवारी बहुत मज़बूत बनी थी। **5.** भारत में दीपावली का त्योहार बहुत हर्षो-उल्लास के साथ मनाया जाता है।

9 : वंदना

- निम्नलिखित पद्यों का भाव स्पष्ट कीजिए–

  1. कवि कहता है। हे माता– तुम सभी भारतवासियों के हृदय के सभी बन्धन काट दो और उन्हें ज्ञान में बहाकर जितने भी पाप-दोष व अज्ञानता है उन्हें दूर करो तथा उनके हृदयों को प्रकाश से जगमग कर दो।

  2. कवि कहता है। हे माता (माँ) तुम हर भारतवासियों को नई गति, नई लय, नई ताल व नए छन्द व नयोवाणी और बादल के समान स्वरूप प्रदान करो, तुम आकाश में नए नए पक्षियों के समूह को रोज नए-नए स्वर प्रदान करो। हे माँ हमें ऐसा ही वरदान दो।

- सुमेलित कीजिए–

  1. (ii), **2.** (iv), **3.** (v), **4.** (iii), **5.** (vi), **6.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. वीणा-वादिनी का प्रयोग वंदना में सरस्वती माँ के लिए हुआ है। 2. वीणा-वादिनी से भारतवासियों के लिए अनेक वरदान माँगे गए हैं। जैसे– हृदय के अंधकार को मिटाने के लिए, पाप-दोष दूर करने के लिए, नई गति, नई चाल, नई वाणी नए स्वर आदि। 3. स्वतंत्र-रव – खुला स्वर, विहगवृंद – पशु-पक्षी और ज्येतिर्मय निर्झर – प्रकाश युक्त ज्ञान। 4. अमृत मंत्र से कवि का आशय ज्ञानी रूपी अमृत मंत्र से है। 5. कवि विद्या की देवी से भारतवासियों के लिए अनेक वरदान माँग रहा है। 6. कवि ने भारत के प्रत्येक व्यक्ति को अपने समान माना है।

- दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

1. कर 2. यंत्र 3. कंध 4. कग 5. हम 6. ग्रहग 7. नर 8. कवल 9. कलद

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. अप्रिय 2. विष 3. जनक 4. पाताल 5. अँधेरा 6. परतंत्र

- निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. बादल, मेघ, जलधर 2. जननी, माता, माई 3. आकाश, आसमान, गगन 4. जगत, संसार, दुनिया 5. पक्षी, पंछी, परिंदा

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. आकाश में पक्षी स्वतंत्र रूप से उड़ते है। 2. हमें अपने घर में सभी प्रिय होते हैं। 3. माता-पिता का प्यार अमृत के सामान होता है। 4. हमारे विचारों में कोई बंधन नहीं होना चाहिए। 5. हमें अपनी गति के अनुसार ही कार्य करना चाहिए।

10 : पंच परमेश्वर

- सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए–

1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हज 2. निबाह 3. पंचायत 4. तन 5. खालाजान 6. सन्नाटे

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. जुम्मनशेख और अलगू चौधरी में गाढ़ी मित्रता थी। 2. जुम्मनशेख ने लंबे-चौड़े वायदे करके अपनी खाला से जायदाद अपने नाम करवा ली। 3. जायदाद जुम्मन के नाम होने के बाद उसने खाला के साथ दुर्व्यवहार किया। 4. अंत में एक दिन खाला ने जुम्मन से कहा– बेटा, तुम्हारे साथ मेरा निबाह न होगा। 5. खाला ने परेशान होकर पंचायत का सहारा लिया। 6. खाला ने अपना सरपंच अलगू को चुना। सरपंच का नाम सुनते ही जुम्मन को खुशी इसलिए हुई क्योंकि अलगू जुम्मन का दोस्त था। 7. सरपंच अलगू चौधरी ने पंचायत में यह फैसला सुनाया कि जुम्मन को खालाजान को माहवार खर्च देना होगा।

- दिए गए शब्दों में 'बे' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए–

2. बेनाम 3. बेटिकट 4. बेरहम 5. बेशर्म 6. बेसब्र 7. बेईमान 8. बेसहारा 9. बेघर 10. बेफिक्र 11. बेमौसम 12. बेसुध 13. बेहोश 14. बेशक 15. बेकसूर

- दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

1. संबंधियों 2. फैसलें 3. पेड़ों 4. पंचों 5. निगाहों 6. बैलों 7. जिम्मेदारियाँ 8. दिलों 9. लताएँ 10. बीमारियाँ

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. मित्रता हमेशा अच्छे लोगों से करनी चाहिए। 2. दूसरों की जायदाद पर कभी निगाह नहीं रखनी चाहिए। 3. गाँवों में न्याय करने के लिए पंचायत होती थी। 4. कोई भी कार्य पूरे विश्वास के साथ करना चाहिए। 5. तनु और मनु के विवाह का दैवयोग बन रहा है।

11 : दक्षिण भारत की एक झलक

- सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. ये सभी खनिज 2. ये सभी पदार्थ 3. उपरोक्त दोनों

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. कर्नाटक 2. समतल 3. दशहरा 4. 15 लाख 5. लाल बाग

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मैसूर दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित है। 2. कर्नाटक राज्य की जलवायु सम होने के कारण अधिकांश भाग उच्चसमतल भूमि है। जो सागरतल से लगभग 2000 से 3000 फुट पर है। 3. मैसूर में सबसे अच्छे उद्यान– जूलॉजिकल और वृंदावन हैं। 4. मैसूर के लोगों की भाषा कन्नड़ है। 5. मैसूर के लोग दशहरा धूमधाम व ठाट-बाट से मनाते हैं। 6. मैसूर के ऐतिहासिक एवं दार्शनिक स्थल श्रीरंगपट्टण जो टीपू सुल्तान की कभी राजधानी थी, जिसकी खंडित दीवार, ऊँची और सुंदर मीनारों वाली मस्जिद, टीपू का ग्रीष्मकालीन महल, दरिया दौलत बाग और रंगनाथ स्वामी का मंदिर आदि हैं। 7. गौड़ दुर्ग को हैदर अली और टीपू सुल्तान ने पत्थर से बनवाया था।

- निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

1. सुसज्जित 2. सम 3. सदाबहार 4. सर्वोत्तम

- दिए गए शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–

1. दर्शन + इय 2. उद्योग + इक 3. विद्या + आलय 4. सचिव + आलय 5. सदा + बहार 6. कला + विधि 7. इतिहास + इक 8. विजय + दशमी

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. सभी विद्यार्थियों को सदैव कक्षा में सर्वोत्तम बनने का प्रयास करना चाहिए। 2. ईश्वर जिस वीथी ले चले, वह बहुत अच्छी होती है। 3. भारत एक सुखी और समृद्ध देश है। 4. हमारे देश के नोट पर गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं। 5. हमें सदैव सम वस्तुओं का सेवन करना चाहिए।

12 : हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राष्ट्रीय गीत 2. रवींद्रनाथ टैगोर 3. तीन 4. सम्मान 5. गहरे नीले

- सुमेलित कीजिए–

1. (ii), 2. (iv), 3. (v), 4. (vi), 5. (iii), 6. (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. राष्ट्रध्वज तीन रंगों का है। इसलिए इसे तिरंगा भी कहा जाता है। इसमें ऊपर केसरिया, मध्य में सफेद और नीचे हरे रंग की पट्टी होती है। ध्वज की लंबाई, चौड़ाई में तीन और दो का अनुपात होता है। सफेद पट्टी पर नीले रंग का 24 तीलियों वाला चक्र होता है। 2. भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है। इसे अंग्रेजी में टाइगर (Tiger) कहते हैं। 3. हमारा राष्ट्रगान श्री रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा था। इसे 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार किया गया। 4. हमारा राष्ट्रीय गीत श्री बकिमचंद्र चटर्जी ने लिखा था। इसे पहली बार 1896 ई० में कांग्रेस के अधिवेशन में गाया गया था। 5. 'सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की विजय होता है। 6. हमारा राष्ट्रीय प्रतीक सम्राट अशोक द्वारा सारनाथ में बनाए स्तंभ के ऊपरी भाग से लिया गया है। इसमें चार सिंह हैं।

- पाठ में से छाँटकर चार व्यक्तिवाचक और चार जातिवाचक संज्ञा शब्द लिखिए–

व्यक्तिवाचक संज्ञा : 1. भारत 2. सारनाथ 3. रविन्द्रनाथ टैगोर 4. अशोक स्तंभ

जातिवाचक संज्ञा : 1. बाघ 2. मोर 3. वन 4. तिरंगा

- विशेषण शब्दों के नीचे रेखा खींचिए–

1. <u>स्वतंत्र</u> 2. <u>हरे</u> 3. <u>चार</u> 4. <u>नीली</u>, <u>लंबी</u>, <u>रंग-बिरंगे</u> 5. <u>मोहक</u>

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. सभी देशवासियों को स्वतंत्रता से जीने का हक है। 2. हमारे राष्ट्रीय ध्वज की आकृति आयताकार है। 3. हमें अपनी गलती होने पर उसे स्वीकार कर लेना चाहिए। 4. भारतवासियों ने अंग्रेजों के विरुद्ध कई आंदोलन किए। 5. हमें सदैव सत्य बोलना चाहिए।

13 : दुनिया नई-पुरानी

- कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

1. दुनिया; पहले; अब क्या मिलता है; दूध-दही 2. विमानों में हम; सैर विश्व; बिना पंख के; उतरते है।

- निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

1. दादी जी कहती हैं। पुराने जमाने के लोग बैलगाड़ी व ताँगे में बैठकर जाते थे, और उन्हें ढाई मील पार करने में ढाई दिन का समय लगता था। 2. दादी जी कहती हैं

पुराने जमाने में न तो आइसक्रीम और न ही चूइंगम होती थी। लेकिन हम लोग तो टोस्ट और बिस्कुट चाय के साथ बड़े मजे से खाते थे।

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. दुनिया पहले जैसी इसलिए नहीं क्योंकि अब खाने-पीने में, सवारी करने में और खेल-कूद में परिवर्तन हो रहे हैं। **2.** खाने-पीने का मजा पहले था। **3.** पहले की दुनिया और आज की दुनिया में अंतर–

पहले की दुनिया : 1. पहले की दुनिया में खाने-पीने की चीजे ताकतवर होती थीं। 2. पहले बैलगाड़ी व ताँगे में सवारी करते थे। 3. पहले खेलों में सिर्फ गिल्ली-डंडा, ताश आदि खेल होते थे।

आज की दुनिया : 1. आज की दुनिया में खाने-पीने की चीजों में ताकत नहीं रही। 2. हम अनेक प्रकार के वाहनों में सवारी करते हैं; जैसे– रेलगाड़ी। 3. आज की दुनिया में अनेक प्रकार के खेल खेले जाते हैं; जैसे– टेनिस, फुटबॉल आदि। **4.** आजकल तेज यात्रा के अनेक वाहन हैं जैसे– हवाई जहाज, कार, रेलगाड़ी आदि। **5.** विद्यार्थी अपने अनुसार स्वयं उत्तर दें।

- दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. चढ़ना **2.** गिरना **3.** तुम **4.** नए **5.** पीते **6.** ठंडा

- दिए गए शब्दों 'ता' प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए–

1. शीघ्रता **2.** निर्मलता **3.** उत्सुकता **4.** स्वच्छता **5.** निर्भीकता **6.** निडरता **7.** राष्ट्रीयता **8.** उज्ज्वलता

14 : अजंता-एलोरा की गुफाएँ

- उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. लगभग तीस मीटर **2.** लगभग पचास मीटर **3.** लगभग तैंतीस मीटर **4.** तीन दर्जन

- सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का चिह्न लगाइए–

1. (✓) **2.** (✓), **3.** (✓), **4.** (×), **5.** (✓)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. एलोरा की गुफाएँ दौलताबाद में हैं। **2.** ये गुफा-मंदिर आज से लगभग बारह सौ साल पहले बनाए गए थे। **3.** अजंता और एलोरा की गुफाओं में एक अंतर है। अंजता की गुफाएँ केवल बौद्ध धर्म से संबंध रखती है और एलोरा बौद्ध धर्म, हिंदू और जैन धर्म से संबंध रखती हैं। **4.** इन गुफाओं की विशेषताएँ– 1. यह पहाड़ों से काटकर बनाई गईं हैं। 2. यह दोनों गुफाएँ बौद्ध हिंदू, जैन धर्म से संबंध रखती हैं। 3. ये गुफाएँ अपनी चित्रकारी व मूर्तिकला के लिए प्रसिद्ध हैं। **5.** कैलाश मंदिर चट्टानों से काटकर बनाया गया है। यह बहुत सुंदर इमारत के रूप में प्रसिद्ध है। यह पूरा मंदिर पचास मीटर लंबा, तैंतीस मीटर चौड़ा और तीस मीटर ऊँचा है। इसमें एक ऊँचा स्तंभ, विशाल हाथी की मूर्ति, रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाएँ मूर्ति रूप में दिखाई गई हैं।

- दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

1. पत्थरों **2.** ईंटें **3.** मंदिरों **4.** पर्वतों **5.** धर्मों **6.** हिंदुओ **7.** मूर्तियाँ **8.** कथाएँ **9.** पुराणों

- निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए–

1. बड़ी **2.** तैंतीस मीटर **3.** ऊँचा **4.** विशाल **5.** शाम

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. प्राचीनकाल में विभिन्न वेद-पुराण लिखे गए थे। **2.** किसी कार्य को करने के लिए चट्टान जैसा मजबूत हृदय होना चाहिए। **3.** अजंता की गुफा बौद्ध धर्म से संबंध रखती हैं। **4.** कैलाश मंदिर पत्थर काटकर बनाया गया है। **5.** सभी प्राणियों को अपना धर्म सदैव ईमानदारी से निभाना चाहिए।

15 : सोनपरी चिड़िया

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. पेड़ **2.** भोजन **3.** फिक्र **4.** बुद्धि

- सुमेलित कीजिए–

1. (ii), **2.** (iii), **3.** (iv), **4.** (v), **5.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. चिड़िया का नाम सोनपरी था। **2.** चिड़िया का रंग सोने की तरह पीला था। **3.** चिड़िया ने वहीं पेड़ के नीचे झील के किनारे एक गड्ढे में अपने अंडे दे रखे थे। **4.** चिड़िया ने अपनी बुद्धिमानी से गीदड़ का मार्ग बदलकर अपने

अंडों की रक्षा की।

- समझिए और लिखिए–

1. बड़ी, दूर, अनेक, जाना **2.** पेड़ों, गड्ढा, पंखों, अंडे

16 : हमारे पर्व

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. पंजाब **2.** बिहू **3.** नववर्ष **4.** ओणम **5.** उगदि

- सुमेलित कीजिए–

1. (vi), **2.** (v), **3.** (vii), **4.** (iii), **5.** (i), **6.** (ii), **7.** (iv)

- महापुरुषों के जन्मदिन से जुड़े चार पर्वों के नाम लिखिए–

1. गांधी जयंती **2.** क्रिसमस **3.** महावीर जयंती **4.** बुद्ध पूर्णिमा

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. हमारे राष्ट्रीय पर्व– गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और गांधी जयंती (2 अक्टूबर) हैं। **2.** ओणम केरल राज्य में मनाया जाता है। **3.** हमारे यहाँ महापुरुषों के जन्मदिन को राष्ट्रीय पर्वों के रूप में मनाया जाता है। **4.** हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन को मिलाद-उन-नबी कहा जाता है। **5.** भारत को पर्वों का देश इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहाँ कोई न कोई पर्व आता ही रहता है।

- इस पत्र में अनेक व्यक्तिवाचक संज्ञाओं का प्रयोग हुआ है। ऐसे व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द पाठ में से छाँटकर लिखिए–

1. मोहम्मद साहब **2.** महात्मा बुद्ध **3.** महावीर स्वामी **4.** ईसा मसीह **5.** श्रीराम **6.** श्रीकृष्ण

- निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

1. पर्वों **2.** धर्मों **3.** महापुरुषों **4.** त्योहारों **5.** वर्षों **6.** फूलों

- निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखिए–

1. कार्यक्रम **2.** जन्मदिन **3.** उत्साह **4.** चैत्र **5.** राष्ट्रीय **6.** प्रथम

17 : अमृत वाणी

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. जाकी मोटी हाय; मुई खाल की स्वाँस सो; **2.** मन का आपा खोय; औरन की सीतल करे

- निम्नलिखित दोहों के अर्थ स्पष्ट कीजिए–

1. कबीर दास जी ने कहा– कि ईश्वर से पहले हमें गुरू को बड़ा मानना चाहिए। क्योंकि ईश्वर को प्राप्त करने का मार्ग सदैव गुरू द्वारा ही मिलता है। **2.** कबीर दास जी कहते हैं कि हम अगर सदैव सच बोलेंगे तो वह एक तप के बराबर होता है। और अगर झूठ बोलते हैं, तो वह एक बड़े पाप के बराबर है। इसलिए जिसके हृदय में सच्चाई है तो उसके हृदय में सदैव ईश्वर रहते हैं।

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तप साँच के बराबर नहीं है, अर्थात् सच्चाई। **2.** हमें ऐसी मीठी वाणी बोलनी चाहिए, जो ओरों को भी बोलने पर प्रसन्न करे और हमारा मन भी प्रसन्न करे। **3.** हमें कल का कार्य आज इसलिए कर लेना चाहिए क्योंकि व्यक्ति का पल भर में नहीं पता कि क्या घटित हो जाए। **4.** तीर को कटुवचन के समान बताया गया है। **5.** वृक्ष कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, और नदी कभी अपना जल स्वयं नहीं पीती है। **6.** कबीर ने गुरू को ईश्वर से भी बड़ा इसलिए माना है। क्योंकि गुरू ही ईश्वर को प्राप्त करने का मार्ग दिखाता है। **7.** हमें दूसरों की सुख-समृद्धि देखकर ललचाना नहीं चाहिए।

- दिए गए शब्दों के खड़ी बोली रूप लिखिए–

1. वैसा **2.** वचन **3.** शीतल **4.** दोनों **5.** दिया **6.** हृदय **7.** सच्चाई **8.** वाणी **9.** औरों **10.** किसके **11.** जिसके **12.** कल **13.** शरीर **14.** के लिए **15.** पैर

- दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. दुर्बल व्यक्ति को कभी सताना नहीं चाहिए। **2.** संत कबीर बहुत ज्ञानी थे। **3.** कबीर ने ईश्वर को गोविन्द नाम से पुकारा है। **4.** हमें सदैव सीतल वाणी बोलनी चाहिए। **5.** किसी से भी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

1 : प्रार्थना

- कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

  1. पदतल; जल; शुचि; स्तव

- स्तंभ 'क' को स्तंभ 'ख' से मिलाइए–

  1. (ii), 2. (iv), 3. (i), 4. (v), 5. (iii)

- निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए–

  1. कवि कहता है– पेड़, तिनका, वन-लता ये सब भारत माता के वस्त्र हैं और पेड़ों के सभी पुष्प (फूल) इनके साड़ी के आंचल में चित्रित हैं अर्थात् छपे हुए हैं। 2. कवि कहता है– ये जो सागर है ये अपनी सैकड़ों धाराओं से भारत माता की स्तुति करता हुआ उनके चरणों (पैरों) को धो रहा है।

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. कवि ने सरस्वती की भारत माता के रूप में प्रार्थना की है। 2. कवि ने भारत माता को सैंकड़ों पंखुड़ियों वाले कमल के समान पवित्रता का प्रतीक माना है। 3. कवि ने ओंकार की ध्वनित दसों दिशाओं को उदार माना है। 4. भारत माता के चरणों में सैकड़ों सागर गर्जन करते हुए स्तुति करते हैं। 5. सरस्वती स्वरूप भारतमाता का मुकुट सोने जैसा हरा भरा है।

- पाँच-पाँच तत्सम तथा तद्भव शब्द लिखिए–

  तत्सम शब्द : गंगा, सागर, अज्ञान, चंद्र, अंधकार

  तद्भव शब्द : मुख-मुँह, दुग्ध-दूध, अग्नि-आग, ग्राम-गाँव, भ्रातृ-भाई

- उदाहरण के अनुसार प्रार्थना में से छाँटकर संख्यावाची शब्द लिखिए–

  स्वयं कीजिए।

- वर्ग पहेली में से प्रार्थना में आए शब्दों को छाँटकर लिखिए–

  1. कनक 2. वसन 3. सागर 4. चरण 5. शतदल 6. प्राण 7. प्रवण 8. खचित

2 : काबुलीवाला

- उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

  1. (ii), 2. (ii), 3. (ii)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. रहमत 2. घुटनों 3. चादर 4. कालिख 5. सकपका

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. काबुलीवाला एक सौदागर था। 2. काबुलीवाले को बुलाने के बाद मिन्नी घर के भीतर इसलिए भाग गई क्योंकि वह डर गई कि कहीं वह उसे पकड़ न ले। 3. काबुलीवाला मिनी से रोज मिलने आता और उसे किशमिश-बादाम देता इस प्रकार मिनी की काबुलीवाले से मित्रता हो गई। 4. सिपाहियों ने रहमत को छुरा चलाने के अपराध में पकड़ लिया। 5. मिनी को देखकर रहमत अपनी बेटी की याद में खो गया था। इसलिए मिनी के पिता ने रहमत से उसे अपने घर जाने के लिए कहा।

- निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

  1. ईश्वर को परिचय की कभी आवश्यकता नहीं होती। 2. मूर्ति की सुंदरता देखकर मैं घड़ी-भर के लिए रुक गया। 3. जादूगरों के पास खेल की एक पिटारी होती है। 4. गरीबों को ईश्वर कभी खाली झोली नहीं देता है। 5. राजू-पिंकी को शादी के जोड़े में देखकर राम सकपका गया।

- निम्नलिखित शब्दों को उचित क्रम में रखकर सही वाक्य बनाइए–

  1. आपकी जैसी मेरी भी एक बेटी है। 2. लल्ली सास के घर जा रही है क्या? 3. एक दिन मिनी मेरे कमरे में खेल रही थी। 4. काबुलीवाला कुछ देर तक मिनी से बाते करता रहा। 5. मैं यहाँ सौदा बेचने नहीं आता।

- निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. दूर 2. बाहर 3. दुःख 4. छोटी 5. आकाश 6. अस्पष्ट 7. साँस 8. अप्रसन्न

- निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

  1. दिवस 2. हस्त 3. गृह 4. नभ 5. असत्य 6. काक 7. कार्य 8. मार्ग

3 : अवरोध पर जीत

- उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

  1. (i), **2.** (ii), **3.** (i), **4.** (iii)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. मध्यावकाश **2.** कक्षा **3.** उत्सुकता **4.** दृष्टिहीन **5.** ब्रेल

- किसने, किससे कहा?

  1. हिमांशु ने दीपक से **2.** शिवांगी ने अध्यापिका से **3.** अध्यापिका ने बच्चों से **4.** दीपक ने हिमांशु से **5.** हिमांशु ने दीपक से **6.** दीपक ने अध्यापिका से

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. सुरेंद्र के कक्षा में प्रवेश लेने पर बच्चों को हैरानी इसलिए हो रही थी क्योंकि वह दृष्टिहीन था। **2.** ब्रेल लिपि दृष्टिहीन बच्चों को पढ़ाने लिखाने की एक विशेष लिपि है। **3.** ब्रेल लिपि से दृष्टिहीन बच्चे पढ़-लिखकर उच्च से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। जिससे दृष्टिहीनों पर उपकार हुआ है। **4.** आँखें विटामिन ए की कमी से, और समय पर चिकित्सा न मिलने के कारण खराब हो जाती हैं। **5.** हम आँखों की सुरक्षा के लिए भोजन में फल व सब्जियों का सेवन तथा गुल्ली डंडा, पटाखों आदि से बचकर कर सकते हैं।

- उदाहरण के अनुसार शब्द बनाकर उनके अर्थ भी लिखिए–

  स्वयं कीजिए।

- पाठ में आई निम्न संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए–

  व्यक्तिवाचक संज्ञा : **1.** सुरेंद्र **2.** दीपक

  जातिवाचक संज्ञा : **1.** छड़ी **2.** विद्यालय

  भाववाचक संज्ञा : **1.** आलसी **2.** परिश्रमी

4 : वन महोत्सव

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. इमारत **2.** औषधि **3.** बादलों **4.** वायु प्रदूषण **5.** फेफड़ों

- सुमेलित कीजिए–

  1. (iii), **2.** (iv), **3.** (v), **4.** (ii), **5.** (i)

- किसने कहा?

  1. पिता **2.** दीपक **3.** पिता **4.** दीपक **5.** पिता

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. विद्यालय में वन-महोत्सव वृक्ष (पौधे) लगाकर मनाया गया। **2.** वृक्षों से हमें ईंधन, जड़ी-बूटी, शुद्ध वायु, फल-फूल, इमारती लकड़ियाँ आदि उपयोगी वस्तुएँ मिलती हैं। **3.** बाढ़ आने पर वृक्षों की जड़ें पानी को शीघ्रता से सोखती हैं तथा बाढ़ की गति व वेग को कम करती हैं। जिससे बाढ़ पर नियंत्रण रखने में सहायता मिलती है। **4.** वृक्ष बादलों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं जिससे वर्षा होती है। **5.** वाहनों तथा कारखानों की चिमनियों से निकलने वाले धुँए आदि से वायु दूषित होती है। **6.** वायु-प्रदूषण पर नियंत्रण रखने के लिए हमें अधिक-से-अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए।

- निम्नलिखित शब्दों में संधि विच्छेद कीजिए–

  2. महा + उत्सव **3.** कार्य + आलय **4.** शिक्षा + अधिकारी **5.** प्रधान + आचार्य

- निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

  1. वृक्ष, तरू, पादप **2.** अरण्य, जंगल, कानिंदी **3.** पुष्प, सुमन, मंजरी **4.** पर्वत, शिखर, गिरी **5.** जलद, मेघ, घन

5 : मुझे न समझो छोटा

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  सेज छोड़कर; जलती लपटो; लिए कठिन; से कठिन

- निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

  1. बालक कहता है– मैं अपने देश के लिए अपना शरीर अर्पित कर सकता हूँ। **2.** बालक कहता है– मैं अपने देश के लिए कठिन से कठिन दुख (कष्ट) झेल सकता हूँ।

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. भारतमाता के लिए छोटा बालक अपना शरीर अर्पित करने के लिए तैयार है। **2.** बालक अपनी सुख की शैय्या को छोड़कर अपने देश के लिए कष्ट झेलने के लिए तथा सत्य, अहिंसा और प्रेम एकता चाहता है। **3.** बालक विजय के नारे के साथ सत्य, अहिंसा, प्रेम व एकता जैसे

उद्देश्यों को लेकर आगे बढ़ने का संकल्प करता है। **4.** सुख की सेज छोड़कर जलती लपटों से खेलूँगा का तात्पर्य यह है कि जिस पर वह सुख की नींद सोता है वह उसे छोड़कर अपने देश के लिए जलती हुई आग की लपटों से भी जलने को तैयार है।

- कविता में आए हुए सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखिए–

  मैं, मुझे, मुझसे, तुम, हमारी, स्वदेश

- विशेषण शब्दों को सही संज्ञा शब्द से जोड़कर लिखिए–

  1. छोटा बच्चा **2.** काले बादल **3.** कठिन कार्य **4.** सुखी जीवन **5.** शांतिदूत

- दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

  1. बच्चे **2.** नारे **3.** हमारे **4.** छोटे **5.** सच्चे **6.** काले

6 : छोटा झूठ

- उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

  1. (iii), **2.** (i), **3.** (ii), **4.** (i)

- सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए–

  1. (✗) **2.** (✓), **3.** (✓), **4.** (✗), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. काला **2.** दास प्रथा **3.** ईमानदारी **4.** सिद्धांतवादी; सिद्धांत **5.** समाचार

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. व्यापारी को आबीन के सिद्धांत का पता एजेंट के बताने पर लगा। **2.** आबीन ने मालिक से यह झूठ बोला कि "मालिक मालकिन शयनकक्ष में थी तभी पीछे से दीवार गिरी और मालकिन उसके नीचे दबकर मर गई। आपके पुत्र और पुत्रियाँ भी वहीं खेल रहे थे। वे भी दब गए।" **3.** व्यापारी से झूठ बोलने का यह परिणाम निकला की अब व्यापारी आबीन को नौकरी पर नहीं रखना चाहता था। **4.** व्यापारी ने आबीन को कुछ आवश्यकता का सामान लेने के लिए घर भेजा था। **5.** इस कहानी के अंत में जब व्यापारी द्वारा आबीन को छोड़े जाने पर व्यापारी को छ माह की बकाया राशि देनी पड़ी तो सुल्तान ने दास प्रथा समाप्त कर दी।

- दिए गए शब्दों से सरल वाक्य बनाइए–

  1. हमें सदैव सही सिद्धांत पर चलना चाहिए। **2.** स्वस्थ व्यक्ति सदैव खुश रहते हैं। **3.** हमें कभी भी किसी का विश्वास नहीं तोड़ना चाहिए। **4.** सभी को अपने कार्य ईमानदारी से करने चाहिए। **5.** हमें छोटों या बड़ों से कभी भी दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए।

- निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

  1. भरोसा **2.** असत्य **3.** पैसेवाला **4.** निर्धन **5.** स्वभाव **6.** महीना 7. बिताना **8.** समय न होना **9.** हुकूम करना **10.** पीड़ा

- निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–

  1. दुर + व्यवहार **2.** सम् + मानित **3.** अ + मूल्य **4.** ईमान + दारी

7 : कल्पना चावला

- उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

  1. (iii), **2.** (ii), **3.** (ii), **4.** (i), **5.** (i), **6.** (iii)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. आदर्श **2.** मायूसी; धारा **3.** वैमानिक; पहली **4.** एयरो-स्पेस **5.** 1994 ई०

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. कल्पना चावला का जन्म 1 जुलाई सन् 1961 ई० में हुआ था। **2.** उनकी प्रारंभिक शिक्षा करनाल के टैगोर बाल निकेतन में हुई। **3.** वह आकाश गंगा की निवासी बनने का सपना देखती थी। **4.** उन्होंने प्रथम अंतरिक्ष यात्रा 1997 ई० में 16 दिनों तक की। **5.** उनकी दूसरी अंतरिक्ष यात्रा में अचानक विस्फोट हुआ और कल्पना चावला चिरकाल के लिए अंतरिक्ष में विलीन हो गई इसलिए उनकी दूसरी यात्रा सफल न हो सकी। **6.** करनाल विशेष रूप से दुःख के सागर में इसलिए डूब गया क्योंकि करनाल के लोगों ने अपने करनाल की बेटी की मृत्यु को देखा।

- शब्दों को सही क्रम में रखकर उचित वाक्य बनाइए–

  1. आकाश में उड़ने की ललक उनमें प्रारंभ से ही रही। **2.** उनकी माता का नाम संयोगिता देवी है।

3. यह दूसरा मौका उन्हें केवल सौभाग्य से नहीं मिला। **4.** आकाश गंगा की अमर सैलानी कल्पना चावला का आभाव हर पल उनकी याद दिलाता रहेगा।

- निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. अध्यापिका, गुरूआनी, मास्टरनी **2.** खुशी, उमंग, हर्ष **3.** व्यवस्था, प्रबंध, बंदोबस्त **4.** आनंद, उमंग, हर्ष **5.** उद्देश्य, निशाना, मकसद

- दिए गए शब्दों से वाक्यों की रचना कीजिए–

1. विद्यालय में शिक्षा दिवस का बड़ा आयोजन किया गया। **2.** दीवाली आने से बच्चे बहुत उत्सुक रहते हैं। **3.** हमें अपने से बड़ों का सम्मान करना चाहिए। **4.** प्रभा केवल स्नातक पास है। **5.** अनेक स्थानों में खुदाई के समय अनेक प्रकार के अवशेष मिलते हैं।

8 : व्यायाम

- उचित विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii), **2.** (ii), **3.** (i), **4.** (ii), **5.** (i)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. मशीन **2.** पंप **3.** फेफड़े **4.** माँसपेशियों **5.** नियमपूर्वक

- निम्नलिखित पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए–

1. संसार में कर्त्तव्य पालन करने के लिए पहला साधन शरीर ही है। **2.** अगर हमारा शरीर ठीक रहेगा तो, हमारा मन व मस्तिष्क भी ठीक रहेगा।

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. किशोरावस्था में खेल-कूद, जिमनास्टिक, आसन, दौड़ना और तैरना आदि से शरीर को फुर्तीला बनाया जा सकता है। **2.** योगासन का नामकरण इस आधार पर किया गया जिससे बालक या व्यक्ति स्वस्थ रहे और तन-मन नियंत्रित रहे। **3.** योगासन हमारे शरीर को स्वस्थ व तन-मन को नियंत्रण रखने के लिए आवश्यक है। **4.** व्यायाम शरीर को स्वस्थ रखने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है। **5.** व्यायाम करते समय ध्यान रखने वाली बातें– 1. व्यायाम प्रातःकाल करना चाहिए। 2. व्यायाम खुली हवा में करना चाहिए। 3. व्यायाम भोजन से एकदम पूर्व या एकदम बाद नहीं करना चाहिए। 4. व्यायाम नियमपूर्वक करना चाहिए। **6.** तैरने से हमारे शरीर के लगभग सभी अंगों की कसरत हो जाती है। तैरते समय हमें अनेक सावधानियाँ बरतनी चाहिए; जैसे– किसी योग्य प्रशिक्षक से सीखना चाहिए।

- वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

1. चिकित्सक **2.** कर्मयोगी **3.** आलोचक **4.** वाचक **5.** याचक **6.** पाठक **7.** अपारदर्शी **8.** बाधक

- दी गई वर्ग पहेली में से आसनों के नाम छाँटकर लिखिए–

1. वज्रासन **2.** नौकासन **3.** सुखासन **4.** पद्मासन **5.** दंडासन **6.** भद्रासन

9 : ओलंपिक खेल

- सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का निशान लगाइए–

1. (✓) **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (✓), **5.** (×)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ओलंपिक **2.** हरक्युलिस **3.** एकविल संस्था **4.** एथेंस **5.** सफेद

- सुमेलित कीजिए–

1. (ii), **2.** (i), **3.** (iv), **4.** (iii)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. ओलंपिक खेलों का उद्देश्य खिलाड़ियों के भीतर जो क्षमता, गुण और शक्ति है उसे प्रकट करना है। **2.** ओलंपिक खेलों की शुरूआत हजारों वर्ष पूर्व हुई, इसके जन्मदाता हरक्युलिस थे। **3.** ओलंपिक खेलों को फिर से पियरे द कूबर्ते ने आरंभ किया। एकविल संस्था की स्थापना सन् 1888 ई० में की। इसका उद्देश्य शारीरिक व मानसिक विकास था। **4.** आधुनिक युग का पहला ओलंपिक 1896 ई० में एथेंस में आयोजित किया गया था। **5.** खेलों के माध्यम से दुनिया में आपसी सद्भाव बढ़ाने में ओलंपिक खेलों का बहुत बड़ा योगदान है।

- रंगीन शब्दों को व्यक्तिवाचक और जातिवाचक संज्ञाओं के रूप में छाँटकर अलग-अलग लिखिए–

व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ : भारत, फ्रांस, पियरे, कूबर्ते

जातिवाचक संज्ञाएँ : खेलों, विद्यालयों, देशों, ध्वज, खिलाड़ी

10 : गुरुदेव

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. रवींद्र ठाकुर **2.** प्राकृति **3.** कविता **4.** कहानियों **5.** 8 अगस्त 1941 ई०

- (क) और (ख) स्तंभों को जोड़कर उचित वाक्य बनाकर लिखिए–

  1. (iv), **2.** (v), **3.** (i), **4.** (iii), **5.** (i)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. देवेंद्रनाथ अपने बेटे को बोलपुर ले गए। **2.** रवींद्र गाते बहुत अच्छा थे इसलिए उन्हें कोकिल-कंठी कहते थे। **3.** रवींद्रनाथ टैगोर ने शांति निकेतन विद्यालय खोला था। **4.** शांति निकेतन विद्यालय में बच्चे स्वच्छंद रूप से प्राकृतिक वातावरण में ज्ञान प्राप्त करते थे; जो विद्यालय की विशेषता थी। **5.** उनकी रचनाओं से प्रभावित होकर महात्मा गांधी ने उन्हें गुरूदेव कहकर सम्मानित किया था। इसलिए रवींद्रनाथ टैगोर को गुरूदेव कहा जाने लगा। **6.** गुरूदेव का 'जन-गण-मन' गीत राष्ट्रगान बना।

- निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–

  1. धर्म + इक **2.** मास + इक **3.** सप्ताह + इक **4.** प्र + आकृतिक **5.** वर्ष + इक **6.** दिन + इक

- निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. उधर **2.** बुरा **3.** बुराई **4.** दुःख **5.** रुक **6.** गोरा **7.** सुख **8.** तुच्छ **9.** शुरू

- दिए गए शब्दों से वाक्यों की रचना कीजिए–

  1. सभी को ईश्वर की साधना करनी चाहिए। **2.** गांधी जी ने रवींद्रनाथ जी को गुरुदेव कहकर सम्मानित किया। **3.** हमारे देश में अनेक प्रकार की संस्कृति हैं। **4.** सभी व्यक्तियों की अपनी एक जीवन-शैली होती है। **5.** लक्ष्मी जी के आने से यश, कीर्ति और वैभव स्वयं आता है।

11 : क्यों-क्यों लड़की!

- उचित विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

  1. (ii), **2.** (i), **3.** (i), **4.** (iii), **5.** (iii)

- सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (×) का निशान लगाइए–

  1. (✓) **2.** (×), **3.** (✓), **4.** (✓), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. चोटियाँ **2.** हिलाती **3.** दीन-हीन; भूमिहीन **4.** एक **5.** मालती बोनाल

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. मोइना बाबुओं की गोशाला धोने व बकरियाँ चराने का काम करती थी। **2.** गाँव के पोस्टमास्टर ने मोइना का नाम क्यों-क्यों लड़की इसलिए रखा क्योंकि वह बस क्यों-क्यों कहती रहती थी। **3.** मोइना अन्य लड़कियों से भिन्न थी। क्योकि उसमें अपने प्रश्न के उत्तर पूछने की जिज्ञासा थी और वह जो भी पढ़ती उसे बच्चों को भी बताती थी। **4.** मोइना की माँ एक पैर से लँगड़ाती थी और ज्यादा चल-फिर नहीं सकती थी। इसलिए मोइना को काम पर जाना पड़ता था। **5.** जब समिति की शिक्षिका मालती बोनाल ने कहा कि किताबों में तुम्हारी क्यों-क्यों के जवाब मिलते हैं, तो मोइना को पढ़ने की प्रेरणा मिली। **6.** मोइना ने स्कूल में पाँव पटकते हुए मालती से स्कूल का समय बदलने के लिए कहा।

- निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखिए–

  1. शुरू **2.** बकरा **3.** अनिश्चित **4.** बाप **5.** घटिया **6.** शाम **7.** महल **8.** जवान

12 : एक बूँद

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

  1. क्या बदा; मैं बचूँगी; अँगारे पर किसी; चू पड़ूँगी

- निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

  1. जैसे ही वर्षा की बूँद बादलों में से निकलती है तो वह थोड़ी दूर जाकर अपने बारे में बार-बार सोचती है कि मैं अपने घर अर्थात् बादलों को छोड़कर क्यों निकल आई।

2. जैसे ही वर्षा की बूँद निकलकर आगे बढ़ती है। तो उस समय हवा उसे समुद्र की ओर ले जाती है और बूँद उदास मन से समुद्र में गिरकर एक खुले मुँह वाले सीप में जा पड़ती है और मोती बन जाती है।

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. बादलों से निकलकर बूँद सोचने लगी कि मैं घर से क्यों निकल आई। **2.** बूँद समुद्र में पहुँची और मोती बन गई। **3.** बूँद की तरह घर छोड़ना लोगों को भी ऐसा कर देता कि वह सोचते है कि अब हम क्या करेंगे। **4.** इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि जब भी हम अपने घर से निकले तो ये सोचकर निकले कि हमें क्या करना है।

- निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. जलद, मेघ, घन **2.** पुष्कर, पंकज, सरोज **3.** सागर, नदीश, जलधि **4.** वायु, समीर, पवन **5.** धाम, गृह, भवन

- दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

1. कर **2.** नोचना **3.** कढ़ी **4.** फूल **5.** बनी **6.** पड़ूँगी

13 : स्वामी विवेकानंद

- उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ii), **2.** (iii), **3.** (i), **4.** (ii)

- सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (×) का निशान लगाइए–

1. (✓) **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (×), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. निर्धनता **2.** भाईयों और बहनों **3.** मसीहा **4.** सभी धर्म समान हैं। **5.** शिवाजी का भूत

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. नरेंद्रनाथ की माता श्रीमति भुवनेश्वरी देवी तथा पिता श्री विश्वनाथ दत्त थे। **2.** नरेंद्रनाथ बचपन में शरारती, मिलनसार, सबके प्रिय तथा बुद्धि से बहुत तीव्र थे, वे जो बात सुन लेते उसे याद कर लेते थे। **3.** नरेंद्रनाथ के गुरू का नाम स्वामी रामकृष्ण परमहंस था। **4.** धर्मसभा में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा सब धर्म समान हैं। सभी धर्म एक भगवान तक पहुँचने के अलग-अलग रास्ते बताते हैं। **5.** स्वामी विवेकानंद गरीबों की भूख के लिए भोजन जुटाना ही अपना धर्म समझते थे; इसी कारण उन्हें गरीबों का मसीहा कहा जाता था।

- निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. मरण **2.** ज्यादा **3.** अप्रिय **4.** धीरे **5.** उत्तर **6.** अंत **7.** हष्ट-पुष्ट **8.** धनी **9.** बूढ़ा

- निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

1. शिवभूत **2.** देवदूत **3.** स्वर्गवासी **4.** शिक्षक **5.** विद्यार्थी **6.** सर्वश्रेष्ठ

- निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. खाना, आहार, भोज्य सामग्री **2.** महेश, महादेव, नीलकंठ **3.** माँ, जननि, मैया **4.** जनक, तात, परम **5.** अध्यापक, आचार्य, शिक्षक

14 : कूटनीतिज्ञ चाणक्य

- सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (×) का निशान लगाइए–

1. (×) **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. राजनीतिज्ञ **2.** अर्थशास्त्र **3.** राज्यभिषेक **4.** बुद्धिमान **5.** अठारह

- स्तंभ 'क' को स्तंभ 'ख' से मिलाइए–

1. (ii), **2.** (iii), **3.** (iv), **4.** (v), **5.** (i)

- किसने, किससे कहा–

1. चाणक्य ने चंद्रगुप्त से **2.** चंद्रगुप्त ने चाणक्य से **3.** चंद्रगुप्त ने चाणक्य के लिए **4.** चाणक्य ने धनानंद से

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सुनंदा के नौ पुत्र थे, वे नौ नंद कहलाए। **2.** स्वार्थसिद्धि चंद्रगुप्त का दादा था। उनकी दो रानियाँ थी। **3.** चाणक्य ने चंद्रगुप्त से कहा– आप कौन हैं? आप चिंतित दिखाई दे रहें हैं। **4.** पाटलिपुत्र को पहले कुसुमपुर भी कहते थे। **5.** चाणक्य को कौटिल्य नाम से भी जाना

जाता है।

- उदाहरणानुसार संयुक्त वाक्य बनाइए–

1. चाणक्य को कौटिल्य के नाम से भी जाना जाता था, उन्होंने अर्थशास्त्र लिखा था। **2.** सभी लोग मारे गए हो, केवल मैं ही अकेला बचा हूँ।

- निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. श्वेता चिल-चिलाती धूप में खेल रही है। **2.** राजा की मृत्यु के बाद उनके पुत्र का राज्याभिषेक किया गया। **3.** चाणक्य की शिक्षा-दीक्षा सुप्रसिद्ध तक्षशिला में हुई। **4.** चाणक्य का अर्थशास्त्र ग्रंथ विश्व-विख्यात है।

15 : मेरी डायरी

- सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (×) का निशान लगाइए–

1. (✓) **2.** (✓), **3.** (×), **4.** (×), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. शीतकालीन **2.** कान्हा; 160 **3.** डाक-बँगले **4.** प्रवेश-पत्र **5.** हाथी

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. कान्हा का अभयारण्य जबलपुर में स्थित है। **2.** कान्हा के अभयारण्य में पशु खुले घूमते हैं और सर्कस में पशु पिंजरे में रहते हैं। **3.** नितिन ने कान्हा अभयारण्य में नील गाय, बारहसिंगा, तेंदुआ, मोर आदि पशु देखे। **4.** नितिन ने कान्हा अभयारण्य में, सागौन, साल, खैर, पलाश एवं हर्रा के पेड़ देखे। **5.** प्रस्तुत पाठ डायरी लेखन शैली पर आधारित है।

- नीचे लिखे वाक्यों में कर्ता पदों को रेखांकित कीजिए–

1. <u>से</u> 2. <u>को</u> 3. <u>से</u> 4. <u>को</u>

- निम्नलिखित वाक्यों को एकवचन में बदलकर लिखिए–

2. कान्हा आकर मैं डाक-बँगले में ठहर गया हूँ। **3.** पहाड़ी इलाके की ओर बढ़ने पर मुझे साँभर दिखा। **4.** बारहसिंगा आराम से लेटा हुआ दिखाई दिया। **5.** मैं हाथी पर बैठकर भी घूमा।

16 : प्रकृति का संदेश

- कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. लहराकर; मन में **2.** अपने मन में; मीठी-मीठी

- निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

1. कवि कहता है कि तुम सबको भी पर्वत की तरह सिर उठाकर बड़ा और विशाल बनना चाहिए अर्थात् पर्वत के जैसे विशेषता को धारण करना चाहिए। **2.** बच्चा कहता है कि तुम सबको आकाश की तरह कोई ऐसी विशेषता धारण करनी चाहिए जिसके कारण पूरे संसार में तुम्हारा नाम हो।

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. इस कविता में पर्वत ऊँचा बनने के लिए और सागर मन में गहराई लाने के लिए कहते हैं। **2.** कवि कहना चाहता है– जिस प्रकार पृथ्वी के सिर पर कितना भी भार होता है। वह अपने चित्त को दृढ़ रखती है उसी प्रकार मनुष्य पर भी कितना भी भार होने पर उसे डरना नहीं चाहिए और धीरज रखना चाहिए। **3.** इस कविता में प्रकृति ने हमें अपने जैसे गुणों व विशेषताओं को धारण करने के लिए संदेश दिया है। **4.** विद्यार्थी स्वयं करें।

- निम्नलिखित शब्दों के सामने उनके लिंग लिखिए–

2. पुल्लिग **3.** स्त्रीलिंग **4.** पुल्लिग **5.** स्त्रीलिंग **6.** पुल्लिग

- निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1. नीचा **2.** सुनना **3.** खट्टी **4.** कठोर **5.** आकाश **6.** उथला

- निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. अधिक बड़ा **प्रयोग–** जगत में ईश्वर ही सबसे ऊँचा होता है। **2.** जिसकी थाह बहुत नीचे हो **प्रयोग–** ईश्वर का ज्ञान बहुत गहरा होता है। **3.** बहने वाला पदार्थ **प्रयोग–** गर्मियों में अधिकतर तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। **4.** सच्चा **प्रयोग–** सभी को बहुत मीठी वाणी बोलनी चाहिए। **5.** कोमलता **प्रयोग–** कमल की पंखुड़ियाँ बहुत ही कोमल होती हैं।

17 : तेनालीरामन

- उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

  1. (i), **2.** (i), **3.** (iv)

- सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का निशान लगाइए–

  1. (✓) **2.** (✗), **3.** (✓), **4.** (✗), **5.** (✓)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

  1. तेनालीरामन **2.** विजयनगर **3.** तेनाली **4.** विदूषक **5.** खिलखिलाकर हँस

- स्तंभ 'क' को स्तंभ 'ख' से मिलाइए–

  1. (ii), **2.** (iv), **3.** (i), **4.** (iii)

- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

  1. तेनालीरामन एक विदूषक था। **2.** तेनालीरामन को तेनालीरामन इसलिए कहते थे क्योंकि वह तेनाली गाँव का था। **3.** तेनालीरामन ने विद्वान के तर्क का उत्तर देते हुए कहा कि भाइयों, भोजन तैयार है। हम सब भोजन करने चले, पर ये महाशय यहाँ बैठ-बैठे मान लेगें कि इन्होंने भोजन कर लिया है। इन्हें यहीं बैठे रहने दीजिए। **4.** राजा द्वारा तेनालीरामन को "कभी मुझे मुँह न दिखाना" कहने पर तेनालीरामन ने अपने मुँह पर नकली चेहरा लगा लिया और राजा की आज्ञा का पालन किया। **5.** राजा निर्धनों के गाँव में तेनालीरामन के कहे अनुसार हाथी पर सवार होकर पहुँचे। **6.** तेनालीरामन के विषय में "जहाँ चाह वहाँ राह" उक्ति इस प्रकार चरितार्थ है कि तेनालीरामन को महाराज कृष्णदेव के दरबार में जाने की चाह थी तो वह अपनी राह ढूँढ़ कर दरबार में पहुँच गया।

- निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

  1. ईश्वर के दर्शन बड़े सौभाग्य से प्राप्त होते हैं। **2.** सभी को निर्धन व्यक्तियों की सहायता करनी चाहिए। **3.** किसी मुसीबत का सामना बहुत साहस से करना चाहिए। **4.** हमें ऐसे काम करने चाहिए जिसकी लोग प्रशंसा करें। **5.** किसी भी उद्देश्य के लिए हमें सदैव अटल रहना चाहिए।

- निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

  1. दुःख **2.** तेज **3.** असुविधा **4.** आना **5.** अनसुना **6.** अनिच्छा

- निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

  1. गुस्सा **2.** हिम्मत **3.** अटलता **4.** ख्वाहिश **5.** इंतज़ार **6.** बढ़ाई **7.** दोष **8.** सहायता

1 – वरदान

कविता बोध

1. (क) (अ), (ख) (स), (ग) (स), (घ) (द)
2. (क) कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उसे अपने दु:ख से व्याकुल चित्त के लिए सांत्वना की भिक्षा नहीं, वरन् दुखों पर विजय प्राप्त करने का आशीर्वाद चाहिए।
   (ख) कवि दीनता स्वीकार करके अवश इसलिए नहीं बनना चाहता क्योंकि वह ईश्वरीय सहायता न मिलने पर भी आत्मविश्वास के सहारे जीवन बिताना चाहता है।
   (ग) कवि ईश्वर से विपत्तियों से भयभीत न होने का वरदान चाहता हैं।
   (घ) कवि ईश्वर से दु:खों पर विजय पाने की प्रार्थना इसलिए करता है क्योंकि दु:खों पर विजय पाने से ही दु:ख दूर हो सकते हैं।
   (ङ) कवि ईश्वर से संकटों के सागर को भी तैरकर पार करने की शक्ति माँग रहा है।
3. (क) कवि ईश्वर से कह रहा है कि वह अपना कर्त्तव्य-भार हलका करने की याचना के पूर्ण होने की सांत्वना नहीं चाहता, वरन् उसकी प्रार्थना तो केवल यह है कि वह अपने कर्त्तव्यों का निर्वाह करते हुए जीवन में आगे बढ़ता रहे।
   (ख) कवि ईश्वर से कहता है कि यदि संसार के अनिष्ट, अनर्थ और छल-कपट ही मेरे भाग्य में लिखे हैं तो भी मेरा मन इन कष्टों के प्रभाव से कमजोर न पड़े बल्कि मैं इन्हें सहन कर लूँ।

भाषा और व्याकरण

1. सीमित, तरंगीत, शापित, अंकुरित, पुष्पित, आनंदित।
2. वरदान-शाप, दुख-सुख, विजय-पराजय
   संकट-आनंद, हलका-भारी, विपत्ति-संपत्ति
   सहायता-कष्ट, हीनता-महानता

2 – फूल का मूल्य

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (अ), (घ) (स)
2. (क) सुदास ने सोचा कि जिन बुद्धदेव के लिए राजा और भक्तजन जैसे लोग अत्यधिक धन खर्च करने के लिए तैयार हैं, यदि मैं उन्हीं बुद्धदेव के चरणों में यह कमल अर्पित कर दूँ तो न जाने मुझे कितना धन मिल जाए। अत: उसने राजा और भक्तजन दोनों को फूल बेचने से इनकार कर दिया।
   (ख) कमल के फूल को निहारकर राजाजी सोचने लगे कि प्रभु के पूजन के लिए आज पुष्प की कमी थी, वह पूरी हो जाएगी।
   (ग) भगवान बुद्ध के भव्य, दिव्य और अलौकिक आनंदमय स्वरूप को देखकर सुदास स्तब्ध रह गया।
   (घ) सुदास राजा के बुलावे का इंतजार इसलिए कर रहा था क्योंकि उसे आशा थी कि उसे बुलाकर राजाजी उसको उसके फूल का अच्छा मूल्य देंगे।
   (ङ) लेखक के शब्दों में वट वृक्ष की छाया में पद्मासन लगाए बुद्धदेव विराजमान थे। उज्ज्वल ललाट, मुख पर आनंद की प्रभा, ओठों से सुधा झर रही थी और नयनों से अमृत टपक रहा था। मेघों की-सी धीर-गंभीर ध्वनि उस तपस्वी के मुख से निकल रही थी।
   (च) जब सुदास ने भगवान गौतम बुद्ध के चरणों पर फूल चढ़ाया तो वट के सघन कुंज में पक्षी बोल उठे। पवन की लहर आई। कमल की पंखुड़ियाँ हिल-हिलकर मानों हँस उठीं।
3. (क) कमल (ख) राजमहल (ग) राजाजी (घ) प्रभु गौतम (ङ) वट
   (च) सुदास ।

भाषा और व्याकरण

1. (क) बुद्धदेव (ख) सुदास (ग) कमल का फूल (घ) राजाजी
2. आज हर व्यक्ति सरकारी नौकरी का **अभिलाषी** है।
   चाचाजी की मृत्यु का समाचार सुनकर मैं **स्तब्ध** रह गया।
   दूसरों का हित चाहने वाले ही **महामना** होते हैं।
   किसी का **द्रव्य** हड़पने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए।
   सुंदर बाग में सैर करने से मन **प्रफुल्लित** हो उठता है।

3 – मंत्र

पाठ बोध

1. (क) (अ), (ख) (स), (ग) (द), (घ) (द), (ङ) (स)
2. (क) डॉक्टर चड्ढा ने बूढ़े के पुत्र को देखने से इसलिए मना कर दिया क्योंकि संध्या के समय वे गोल्फ खेलने जाते थे, अत: उस समय में मरीजों को नहीं देखते थे।
   (ख) कैलाश मृणालिनी से मना करने पर भी उसे साँप दिखाने के लिए इसलिए तैयार हो गया क्योंकि एक महाशय के साँप दिखाने को कहने पर उसे जोश आ गया था।
   (ग) डॉक्टर चड्ढा के सामने भगत ने अपनी पगड़ी इसलिए उतारकर रख दी थी ताकि वे उसके बीमार पुत्र को एक बार देख लें।
   (घ) 'चड्ढा बाबू का घर उजड़ गया' यह सुनते ही भगत तेज-तेज कदमों से इसलिए चलने लगा कि कहीं उसे देर न हो जाए और फिर वह उनके पुत्र को न बचा पाए।
   (ङ) साँप द्वारा काटे जाने पर डॉक्टर चड्ढा कैलाश की उँगली काट देना चाहते थे। कैलाश उनकी बात इसलिए नहीं मान रहा था क्योंकि उसे अपनी जड़ी पर पूरा विश्वास था।
   (च) आज के सभ्य संसार के लोग अपने मजे के आगे किसी की जान की भी परवाह नहीं करते हैं। पुराने जमाने के व्यक्ति लगी हुई आग को बुझाने, मुर्दे को कंधा देने, किसी के छप्पर को उठाने और किसी कलह को शांत करने के लिए सदा तैयार रहते थे।
3. (क) बूढ़े व्यक्ति ने डॉक्टर चड्ढा से।
   (ख) डॉक्टर चड्ढा ने बूढ़े व्यक्ति से।
   (ग) एक महाशय ने कैलाश से।
   (घ) भगत ने डॉक्टर चड्ढा से।
   (ङ) नौकरों ने डॉक्टर चड्ढा से।
4. (क) गोल्फ (ख) बूढ़ा (ग) कैलाश (घ) भगत (ङ) बुढ़िया

भाषा और व्याकरण

1. आकर, जोड़कर, टेककर, उतारकर, गिड़गिड़ाकर, निकलकर।
2. निश्चल = नि: + चल, सज्जन = सत् + जन
   निस्वार्थ = नि: + स्वार्थ, नि:शब्द = नि: + शब्द
   औषधालय = औषध + आलय

4 — गिल्लू

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (अ), (घ) (द), (ङ) (स), (च) (ब)
2. (क) लेखिका ने गमले में गिलहरी का बच्चा देखा। गिल्लू के उपचार के लिए लेखिका ने रुई से रक्त पोंछकर उसके घावों पर पेनिसिलिन का मरहम लगाया।
   (ख) गिल्लू के निम्नलिखित व्यवहारों से पता चलता है कि वह एक समझदार प्राणी था —
      (i) वह स्वयं हिलाकर अपने घर को झुलाता था।
      (ii) भूख लगने पर वह 'चिक्-चिक्' करके सूचना देता था।
      (iii) ठीक चार बजे पेड़ से उतरकर वह खिड़की से भीतर आकर अपने झूले में झूलने लगता था।
      (iv) लेखिका को चौंकाने के लिए वह इधर-उधर छिप जाता था।
      (v) वह लेखिका की थाली में से एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता था।
      (vi) लेखिका की अस्वस्थता में वह अपने पंजों से लेखिका के सिर और बालों को सहलाता था।
   (ग) जब बाहर की गिलहरियाँ गिल्लू की खिड़की की जाली के

पास आकर 'चिक्-चिक्' करने लगीं और लेखिका ने गिल्लू को जाली के पास बैठकर अपनेपन से बाहर झाँकते हुए देखा तो उन्हें महसूस हुआ कि गिल्लू को अब मुक्त कर देना चाहिए।

(घ) लेखिका के निम्नलिखित व्यवहारों से ज्ञात होता है कि गिल्लू को उसके परिवार में एक सदस्य का स्थान प्राप्त था —

(i) गिल्लू को कौओं से बचाकर उसका उपचार करना। उसे दूध, पानी पिलाना।

(ii) उसे अपने निकट रखना। उसके भोजन की व्यवस्था करना।

(iii) चार मास का होने पर उसके रहने के लिए घर की व्यवस्था करना।

(iv) ऋतुकाल (प्रजनन काल) आने पर उसे स्वतंत्र करना।

(v) उसे अपने साथ अपनी थाली में खाने देना।

(vi) उसके झूले की सफाई स्वयं करना।

(vii) गिल्लू के अंतिम समय में उसके प्राण बचाने के लिए पूर्ण प्रयास करना।

(ङ) लेखिका को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में।

(च) लेखिका गिल्लू को इस प्रकार लिफाफे में रख देती थी कि उसके अगले दो पंजों और सिर के अतिरिक्त सारा लघु भाग लिफाफे के भीतर बंद रहता था।

(छ) गिल्लू लेखिका के साथ उसकी थाली में से खाने के मामले में सब जानवरों में अपवाद था। लेखिका ने रुई की बत्ती से दूध पिला-पिलाकर गिल्लू को खाना सिखाया।

3. (क) जब एक परिचारिका किसी बीमार की सेवा करती है तो बीमार को राहत मिलती है। अत: जब वह उसके पास से हट जाती है तो बीमार को परेशानी होती है। इसी प्रकार जब लेखिका के अस्वस्थ होने पर गिल्लू उसके सिर और बालों को सहलाता-सहलाता हट जाता, तो लेखिका को उसका हटना एक परिचारिका के हटने के समान लगता था।

(ख) यद्यपि लेखिका ने गिल्लू को हीटर आदि से गरमाई देकर उसे जीवित रखने का प्रयास किया, किंतु सुबह सूर्य के उदय होते ही गिल्लू मृत्यु को प्राप्त हो गया ताकि वह पुन: किसी अन्य योनि में जन्म ले सके।

(ग) 'गिलहरी का बच्चा' एक जातिवाचक संज्ञा है, परन्तु गिलहरी के बच्चे को जब लेखिका ने 'गिल्लू' नाम दे दिया तो उसका नाम जातिवाचक संज्ञा के स्थान पर व्यक्तिवाचक संज्ञा हो गया क्योंकि अब उसे उसके व्यक्तिगत नाम से पुकारा जा सकता था।

(घ) लेखिका ने कौओं का शोर सुनकर जब निकट जाकर देखा तो वहाँ गमले से एक गिलहरी का बच्चा चिपटा पड़ा था और वह बिलकुल हिल-डुल नहीं रहा था।

(ङ) गिल्लू के जीवन का प्रथम बसंत आया अर्थात् गिल्लू के जीवन में पहली बार बसंत ऋतु आई।

भाषा और व्याकरण

1. भी, ही, तक, भी, भर, भी, तक, मात्र।

2.

तीव्र	— मंद	अद्भुत	— सामान्य
उष्णता	— शीतलता	निश्चेष्ट	— सचेष्ट
सुलभ	— दुर्लभ	लघु	— दीर्घ
छोटे	— बड़े	निकट	— दूर

3. **सुलभ** = आसानी से प्राप्त — आजकल अधिकांश बड़े शहरों में वायु यातायात सुलभ है।

मरणासन्न = मृत्यु के निकट — गिल्लू को मरणासन्न जानकर लेखिका बहुत दुखी हुई।

उपचार = इलाज — एक अच्छा चिकित्सक ही गंभीर रोगी का उपचार कर सकता है।

आसक्त = लिप्त, मोहित — आजकल के अधिकांश नौजवान प्रेम-संबंधों में आसक्त हैं।

स्निग्ध = चिकना — स्नान के बाद हमारी त्वचा स्निग्ध हो जाती है।

निश्चेष्ट-सा = लगभग बेहोश — एक्सीडेंट में घायल हुआ युवक निश्चेष्ट-सा लग रहा था।

अपवाद = नियम के विपरीत नियम — व्याकरण के सभी नियम रूढ़ नहीं होते, उनके अपवाद भी मिलते हैं।

5 – तोड़ती पत्थर

कविता बोध

1. (क) (स), (ख) (ब), (ग) (द), (घ) (अ), (ङ) (ब)

2. (क) युवती पत्थर पर बड़े हथौड़े से प्रहार कर रही थी।

(ख) कवि ने मजदूर युवती की आँखों में उस व्यक्ति के भाव देखें जो मार खाकर भी रो न पाया हो।

(ग) पत्थर तोड़ने वाली युवती को कवि ने इलाहाबाद के पथ पर देखा।

(घ) मजदूर युवती के माथे से पसीने की बूँदें ढुलककर गिर रही थीं।

(ङ) प्रस्तुत कविता के रचयिता पं० सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' हैं।

3. (क) कवि ने मजदूर युवती को इलाहाबाद के पथ पर चिलचिलाती धूप में पत्थर तोड़ते देखा।

(ख) युवती जहाँ कार्य कर रही थी वहाँ कोई छायादार वृक्ष भी नहीं था जिसके तले वह बैठ सके। वे गर्मियों के दिन थे, सूर्य बहुत तेज चमक रहा था, सूर्य की गर्मी के कारण पृथ्वी रुई की तरह जल रही थी। झुलसाने वाली लू उठ रही थी और धूल उड़ रही थी और वह लगभग दोपहर का समय था।

(ग) युवती ने कवि की ओर एक ऐसे व्यक्ति की दृष्टि से देखा जिसने मार तो खाई हो पर रो न पाया हो अर्थात् उसकी दृष्टि में बेबसी थी।

(घ) आज की सामाजिक और आर्थिक विषमता के प्रति मानव-मन का विद्रोह तथा इस विषमता को न मिटा पाने की उसकी विवशता को दर्शाना इस कविता का प्रमुख उद्देश्य है। साथ ही, प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उसका निरंतर कार्यरत रहना परिवर्तन तथा प्रगति का रास्ता दिखाता है।

भाषा और व्याकरण

1. (i) नत नयन प्रिय, कर्मरत मन

(ii) देखते देखा मुझे तो एक बार

2. आग की एक **चिनगी** भी भारी नुकसान का कारण बन सकती है।
अपने खोए हुए बेटे की याद आते ही सुधीर की आँखों से आँसू **ढुलक** गए।
रामू की बहू बड़ी **सुघर** है।
जून के महीने में भयंकर **लू** चलती है।
सेठ जी ने नौकर से सोफे पर जमी **गर्द** को झाड़ने को कहा।
आजकल बड़े शहरों में एक-से-एक विशाल **अट्टालिका** बनाई जा रही हैं।

6 – छोटा जादूगर

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (अ), (घ) (स), (ङ) (द)

2. (क) छोटा जादूगर लेखक से तब मिला जब वह कार्निवाल के मैदान में एक छोटे फुहारे के पास खड़ा था।

(ख) पिता के जेल जाने और माता की बीमारी जैसी परिस्थितियों ने छोटे जादूगर को अत्यधिक चतुर बना दिया।

(ग) छोटे जादूगर की परिस्थितियों और उसके विचित्र व्यवहार के कारण लेखक को उससे लगाव हो गया था; अत: वह उसे बार-बार देखना चाहता था।

(घ) छोटे जादूगर की वाचालता और अभिनय के कारण लेखक की पत्नी उसकी ओर आकर्षित हो गई थी।

(ङ) निर्मल धूप में सड़क के किनारे छोटे जादूगर का खेल इसलिए नहीं जम रहा था क्योंकि उसके मन में अपनी माँ की कही हुई यह बात कि— ''आज तुरंत चले आना, मेरी घड़ी समीप है''— उसे विचलित किए हुए थी।

(च) जब छोटे जादूगर ने अपनी माँ के ऊपर कंबल डालकर उसे ''माँ'' कहकर पुकारा, तो उसकी माँ की दयनीय दशा और

अपनी माँ से छोटे जादूगर के प्रेम को देखकर लेखक की आँखों से आँसू निकल पड़े।

3. (क) छोटे जादूगर के चेहरे पर यद्यपि उसके अभाव के कारण दुख के भाव दिखाई दे रहे थे, किंतु उसका धैर्य भी स्पष्ट दिखाई दे रहा था। इसलिए उसके अभाव में भी संपूर्णता थी।
(ख) लेखक ने निशाना लगाने के लिए छोटे जादूगर को बारह टिकट खरीदकर दिए। उसने निशाना लगा-लगाकर बारह खिलौने जीत लिए। इसके बाद उसे लेखक से कहा कि बाबूजी, आपको तमाशा दिखाऊँगा। बाहर आइए, मैं चलता हूँ। इतना कहकर वह बाहर जाकर चुपचाप भाग गया। इस पर लेखक ने कहा कि– ''इतनी जल्दी आँख बदल गई।''
(ग) जब लेखक को पता चला कि छोटे जादूगर के पिता जेल में हैं और माँ बीमार है, तो उसने छोटे जादूगर की गलती मानते हुए कहा कि तुम ऐसी स्थिति में भी तमाशा देख रहे हो। उस पर छोटे जादूगर के मुँह पर तिरस्कार की हँसी फूट पड़ी अर्थात् उसने लेखक की बात को नकार दिया और कहा कि मैं तमाशा देखने नहीं आया बल्कि कुछ पैसे कमाकर ले जाऊँगा ताकि अपनी माँ को कुछ खिला सकूँ।
(घ) जब लेखक को छोटे जादूगर ने बताया कि उसकी माँ मृत्यु के निकट है, तो लेखक अपनी गाड़ी में बैठाकर फौरन उसे उसकी झोंपड़ी पर ले गया। छोटा जादूगर जैसे ही 'माँ-माँ' पुकारते हुए अपनी झोंपड़ी में घुसा, तभी उसकी माँ कि मृत्यु हो गई। इस पर छोटा जादूगर अपनी माँ से लिपटकर रोने लगा। यह दृश्य देखकर लेखक हक्का-बक्का रह गया और उसे ऐसा लगा कि उस उज्ज्वल धूप में जैसे सारा संसार किसी जादू की तरह चारों ओर नृत्य कर रहा है; अर्थात् माँ के प्रति बेटे के उस असीम प्रेम के जादू से मानो सारा संसार नृत्व करने लगा।

4. (क) छोटे जादूगर ने लेखक से।
(ख) लेखक की पत्नी ने छोटे जादूगर से।
(ग) छोटे जादूगर ने लेखक की पत्नी से।
(घ) लेखक ने छोटे जादूगर से।
(ङ) छोटे जादूगर ने लेखक से।

भाषा और व्याकरण

1. (क) वर्तमान काल (ख) भूतकाल (ग) भविष्यत् काल
(घ) वर्तमान काल (ङ) भूतकाल (च) भविष्यत् काल
(छ) भविष्यत् काल (ज) वर्तमान काल

2. विनोद — व्यंग्य विषाद — हर्ष निकम्मा — परिश्रमी
संध्या — प्रात: दीर्घ — लघु रात — दिन

7 – वैद्यराज जीवक

पाठ बोध

1. (क)-(स), (ख)-(अ), (ग)-(ब), (घ)-(द), (ङ)-(स)

2. (क) विदा करते समय आचार्य ने जीवक को यह सीख दी कि वास्तव में धरती पर ऐसी कोई वनस्पति है ही नहीं, जो औषधीय गुण से रहित हो अर्थात् हर वनस्पति में कोई-न-कोई औषधीय गुण अवश्य होता है।
(ख) सेठ की शल्य-क्रिया करने से पहले जीवक ने उसके सामने यह शर्त रखी कि तुम्हें इक्कीस माह तक बिस्तर पर लेटना होगा - सात माह दाएँ, सात माह बाएँ और सात माह सीधे।
(ग) जीवक भगवान बुद्ध के साथ रहना चाहते हुए भी उनके साथ इसलिए नहीं रह सके क्योंकि एक चिकित्सक होने के नाते उन्हें जन-जन की सेवा करनी थी।
(घ) जीवक ने मगध के सम्राट बिंबसार का इलाज चुटकी बजाते ही कर दिया।
(ङ) जब भगवान बुद्ध ने कहा कि जीवक, जब तुम पट्टी खोलने के लिए चिंतित हो रहें थे, तभी मैंने पट्टी खोल दी थी। इस पर जीवक ने सोचा कि भगवान बुद्ध ने उनके मन को अपने मन से जोड़ लिया है और इसीलिए उन्हें लगा कि वे भगवान बुद्ध के कृपापात्र बन गए हैं।

3. (क) प्रकृति ने हमें फल-फूल-वनस्पति तथा पशु-पक्षी और जीव-जंतुओं के रूप में अमूल्य जैव-संपदा प्रदान की है, परंतु मनुष्य इस संपदा के लिए प्रकृति का कृतज्ञ होने की बजाय उसे नष्ट करने में लगा रहता है, जबकि ऐसी अमूल्य संपदा को प्राप्त कर, उसे प्रकृति को धन्यवाद देना चाहिए।
(ख) आयुर्वेद् के ज्ञान और अभ्यास से धर्मशास्त्रों के अध्ययन करने से धर्म, लोगों का इलाज करने से अर्थ तथा अर्थ - की प्राप्ति से काम की प्राप्ति होती है। इस प्रकार इन तीनों पुरुषार्थों की प्राप्ति होने से मोक्ष की प्राप्ति भी हो जाती है। इस प्रकार आयुर्वेद के ज्ञान और अभ्यास से सब-कुछ मिल जाता है।
(ग) जीवक ने तक्षशिला विश्वविद्यालय में रहकर आयुर्वेद का पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर लिया था; अत: वे रोग-शोक को मिटाने वाले एक कुशल वैद्य बन चुके थे।
(घ) जब मनुष्य किसी कार्य में अपने को असफल बताता है, तो उस कार्य में वह उत्तीर्ण नहीं हो सकता। यदि उसे उत्तीर्ण होना है तो उसे और परिश्रम करना होगा।

भाषा और व्याकरण

1. (क) उन्होंने गाय के पुराने घी से औषध तैयार की।
(ख) उसने अनेक अज्ञात वनस्पतियों का परीक्षण किया।
(ग) जीवक ने शल्य-क्रिया से असाध्य रोगियों को रोग-मुक्त किया।
(घ) उसने तक्षशिला विश्वविद्यालय के विशाल परिसर के बाहर जाकर ढूँढ़ा।

2. औषधीय = औषध + ईय परोपकारी = परोपकार + ई
धारदार = धार + दार भ्रमित = भ्रम + इत
भारतीय = भारत + ईय सिलाई = सिलना + आई

8 – धरती का स्वर्ग : कश्मीर

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (ब), (ग) (ब), (घ) (स), (ङ) (ब)

2. (क) सुरंग आर-पार न होने पर इंजीनियर ने बारूद लगवाकर, आई हुई बाधा को उड़ा दिया और इस प्रकार सुरंग आर-पार हो गई।
(ख) धसकीले पहाड़ धसककर रास्ता जाम कर देते हैं।
(ग) सेब के बाग, बादाम की बाड़ियाँ, केसर के खेत, महजूर के गीत, बर्फ से ढके हिमालय के पर्वत-खंड, शीशे की तरह साफ जल वाली झीलें, चश्मे और झरने तथा कश्मीर के भोले-भाले मेहमाननवाज लोग आदि के कारण कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहते हैं।
(घ) गुलमर्ग के पास ही थोड़ा और ऊँचाई पर खिलनमर्ग पड़ता है।
(ङ) गुलमर्ग की ऊँचाई साढ़े छब्बीस सौ मीटर हैं।
(च) पहलगाम तक पहुँचने वाले मार्ग पर खूबसूरत हरियाली है। मार्ग के साथ-साथ लिद्दर नदी भी बहती हुई पहलगाम पहुँचती है, जो स्वर्ग की नदियों जैसी लगती है। पहलगाम का छोटा-सा बाजार, सड़क के दोनों ओर दुकानें, सड़क के नीचे बहती लिद्दर नदी - ये सब मिलकर पहलगाम को स्वर्ग जैसा खूबसूरत बना देते हैं।

3. (क) चरागाह (ख) शंकराचार्य (ग) चश्मेशाही
(घ) अमरनाथ (ङ) खिलनमर्ग

भाषा और व्याकरण

1. (क) हम - पुरुषवाचक सर्वनाम।
(ख) स्वयं - निजवाचक सर्वनाम।
(ग) कुछ - अनिश्चयवाचक सर्वनाम।
(घ) वे - पुरुषवाचक सर्वनाम।
(ङ) वह - निश्चयवाचक सर्वनाम।
(च) जो-सो - संबंधवाचक सर्वनाम।
(छ) अपने-आप - निजवाचक सर्वनाम।

2. **स्वर्ग** = देवलोक - अच्छे कर्मो से ही स्वर्ग की प्राप्ति होती है।
मुश्किल = कठिन - इस प्रश्न को हल करना बहुत मुश्किल है।
भरोसा = यकीन - मेरा मित्र वास्तव में भरोसा करने योग्य है।

अकारथ = बेकार - कुपात्र के लिए किए गए कार्य अकारथ ही रहते हैं।

मुग्ध = मोहित - कश्मीर की सुंदरता पर हर किसी का मन मुग्ध हो जाता है।

दर्शन = देखने की क्रिया, दीदार - माता वैष्णो देवी के दर्शन करने लाखों लोग जम्मू जाते हैं।

9 – श्रीकृष्ण सौंदर्य

कविता बोध

1. (क) (अ), (ख) (ब), (ग) (स), (घ) (ब)
2. (क) कृष्ण ने यह सिद्ध करने के लिए कि उन्होंने मक्खन नहीं खाया है, माता यशोदा से कहा कि सुबह तो तुमने मुझे गायों के पीछे मधुबन भेज दिया जहाँ से मैं छीके तक कैसे पहुँच सकता था। ये ग्वाल-बाल मुझसे दुश्मनी रखते हैं, अत: इन्होंने जबरन मेरे मुँह पर मक्खन लपेट दिया है। हे माता! तू मन की बड़ी भोली है, जो इनके बहकावे में आ गई अथवा मुझे परायों से उत्पन्न समझकर तेरे मन में कुछ भेद-भाव आ गया है, जो तू मुझे माखनचोर कह रही है। पर सत्य तो यही है कि मैंने मक्खन नहीं खाया।

   (ख) अंत में कृष्ण ने यशोदा को यह धमकी दी कि यह अपनी लाठी और कंबल लो, अब मैं गायें चराने नहीं जाऊँगा।

   (ग) मीरा के अनुसार, श्रीकृष्ण ने पूर्वजन्म में उन्हें दर्शन देने का वचन दिया था। उसी वचन के आधार पर मीरा श्रीकृष्ण को दर्शन देने के लिए कहती हैं।

   (घ) मीरा ने श्रीकृष्ण को मोल लिया है। क्योंकि वे स्वयं में अनमोल हैं; अत: यह फायदे का सौदा है।

   (ङ) मीरा ने कृष्ण को कोई काला, कोई गोरा कहता है, लेकिन मीरा की दृष्टि में वे अनमोल हैं।

   (च) मनुष्य के रूप में रसखान ब्रज और गोकुल गाँव में ग्वाले के रूप में जन्म लेना चाहते हैं।

   (छ) रसखान पक्षी के रूप में यमुना किनारे के कदंब वृक्ष की डालों पर बसेरा करना चाहते हैं।
3. (क) श्रीकृष्ण माता यशोदा से कहते हैं कि– हे मैया! मैंने मक्खन नहीं खाया है। सुबह तो तूने मुझे गायों को चराने के लिए मधुबन भेज दिया, जहाँ दिन-भर इधर-उधर भटकने के बाद शाम होने पर मैं घर लौटा। मैं छोटी-छोटी बाँहों वाला बालक हूँ, तो बताओ मैं छीके तक कैसे पहुँच सकता हूँ। ये तो इन ग्वाल-बालों ने दुश्मनी निकालने के लिए जबरदस्ती मेरे मुख पर मक्खन लपेट दिया है।

   (ख) रसखान कहते हैं कि यदि मेरा अगला जन्म मनुष्य रूप में होता है तो मैं ब्रज और गोकुल गाँव के ग्वाले के रूप में जन्म लेना चाहता हूँ। यदि मेरा जन्म पशु रूप में होता है तो इस पर मेरा कोई वश नहीं, परन्तु मैं पशु रूप में नंद बाबा की गायों के मध्य चरना चाहता हूँ।

भाषा और व्याकरण

1. गोविंदो – गोविंद, कारो – काला, जाणत – जानते, गोरो – गोरा, भोरी – भोली, कछु – कुछ, परायो – पराया, मँझारन – मध्य, साँझ – संध्या
2. पहर – प्रहर, घर – गृह, मूरति – मूर्ति, सबद – शब्द, जसोदा – यशोदा, बिसाल – विशाल

10 – प्रायश्चित

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (अ), (घ) (द), (ङ) (अ)
2. (क) पंडित जी ने प्रायश्चित्त का यह उपाय बताया कि एक सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दी जाए और उसके बाद इक्कीस दिन का पाठ करवाया जाए।

   (ख) रामू की माँ को पंडित जी की बातें इसलिए माननी पड़ीं क्योंकि उसे बहू द्वारा हुई बिल्ली की हत्या से लगने वाले घोर पाप का डर था।

   (ग) पंडित जी ने पूजा के सामान में दस मन गेहूँ, एक मन चावल, मन भर तिल, पाँच मन जौ, पाँच मन चना, चार पसेरी घी और मन भर नमक बताया।

   (घ) रामू की बहू ने बिल्ली की हत्या करने की इसलिए सोची क्योंकि बिल्ली बार-बार उसकी रखी चीजों को खा जाती थी।

   (ङ) जब पंडित जी ने रामू की माँ को बताया कि ब्राह्म मुहूर्त में बिल्ली की हत्या के लिए घोर कुंभीपाक नरक का विधान है, तो उसकी आँखों में आँसू आ गए।

   (च) 'प्रायश्चित्त' कहानी में कहानीकार का उद्देश्य भारतीय समाज में व्याप्त अंधविश्वासों तथा पोंगा पंडितों के पाखंड का पर्दाफाश करना और समाज में प्रचलित बाल-विवाह जैसी कुप्रथाओं की ओर संकेत करना है।
3. (क) महरी ने सास जी से।
   (ख) महरी ने माँ जी से।
   (ग) पंडित जी ने रामू की माँ से।
   (घ) मिसरानी ने रामू की माँ से।
   (ङ) महरी ने रामू की माँ से।

भाषा और व्याकरण

1. (क) ''अरे हाँ, जल्दी दौड़ के पंडित जी को बुला ला,'' सास की जान में जान आई।

   (ख) रामू की माँ ने कहा, ''तो पंडित जी, कितने तोले की बिल्ली बनवाई जाए?''

   (ग) ''अरे राम! बिल्ली तो मर गई, माँ जी, बिल्ली की हत्या बहू से हो गई, यह तो बुरा हुआ।''– महरी बोली।

   (घ) ''यही कोई सात बजे सुबह।''– मिसरानी ने कहा।
2. *कमर कसना* — परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को कमर कस लेनी चाहिए।

   जुट जाना — हमारा कर्त्तव्य है कि हम आपदाग्रस्त लोगों की सेवा में जुट जाएँ।

   सरगर्मी दिखाना — जब शहर में कोई बड़ा नेता आता है तो शहर के अधिकारी बड़ी सरगर्मी दिखाते हैं।

   चंपत होना — महिला के देखते-ही-देखते लुटेरा उसकी गले की सोने की चेन खींचकर चंपत हो गया।

   खून सवार होना — कबरी बिल्ली की हरकतों से परेशान होकर रामू की बहू के सिर पर खून सवार हो गया।

   मौका हाथ आना — 'कन्या विद्या धन' मिलने से होनहार छात्राओं को उन्नति करने का मौका हाथ आ गया।

   ताँता बँध जाना — सेठ जी के पिता की मृत्यु का समाचार फैलते ही उनके घर लोगों का ताँता बँध गया।

   हाथ का मैल होना — परिश्रमी व्यक्ति के लिए पैसा हाथ का मैल होता है।

   मुँह मोड़ना — बुरे वक्त में सगे-संबंधी भी मुँह मोड़ लेते हैं।

   माथे पर बल पड़ना — राहुल की गंदी ड्रेस देखते ही मैडम के माथे पर बल पड़ गए।
3. अपराधी-अपराधिन, बिल्ली-बिलाऊ / बिल्ला, नौकर-नौकरानी, पंडित-पंडिताइन, सास-ससुर

11 – जीता कौन?

पाठ बोध

1. (क) (अ), (ख) (स), (ग) (ब), (घ) (स), (ङ) (अ)
2. (क) चुनौती से बचने के लिए बुजुर्ग कछुए ने निम्नलिखित तर्क दिए -

   (i) भाई खरगोश, अब दौड़ की क्या जरूरत है, दौड़ जो होनी थी हो चुकी। सारे जमाने को उसके नतीजे का पता है। अब बार-बार तो दौड़ नहीं होती।

   (ii) देखो, तुम जवान खून हो। हम वृद्ध हो चुके हैं। अब तुमसे क्या दौड़ लगाएँगे! जवानी में कुछ कहते तो सोचते भी।

(iii) भाई, हम झगड़े-फसाद में विश्वास नहीं करते। जैसे चल रहा है, वैसे ही चलने दो। हमें अब कोई दौड़ नहीं लगानी।

(ख) दौड़ से पूर्व खरगोश ने निश्चित किया कि मैं कल फिर इसी समय आऊँगा। इस बार मेरे साथ प्रेस और फोटोग्राफर भी होंगे। अगर कोई कछुआ दौड़ लगाने के लिए राजी नहीं हुआ तो समझ लो कहावत बदल जाएगी। देश-विदेश के अखबारों में छपेगा कि खरगोश कछुए से दौड़ जीत गया है। खुली चुनौती के बाद भी कछुआ दौड़ में खरगोश को नहीं हरा सका।

(ग) खरगोश ने प्रतियोगिता के लिए शर्तें रखीं कि इस दौड़ के विजेता के गले में फूलों की माला डालकर उसका फोटो खींचा जाना चाहिए और दूरदर्शन पर भी दिखाया जाना चाहिए।

(घ) कछुओं के मुखिया ने विजेता कछुए के जुड़वाँ भाई को तालाब से बाहर निकलने पर इसलिए फटकारा क्योंकि तिकड़मदास ने उसका इस्तेमाल करके खरगोश को हराने के लिए जो चाल चली थी, दोनों भाइयों को देखते ही उस चाल का भेद खुल जाता।

(ङ) वकील तिकड़मदास ने कछुए को जिताने के लिए यह तिकड़म भिड़ाई कि उसने प्रतियोगी कछुए के जुड़वाँ भाई को पहले ही निर्धारित स्थान पर पहुँचा दिया और उसे विजेता घोषित करा दिया। दोनों भाई एक जैसे होने के कारण उसे कोई नहीं पहचान सका और सबने उसे ही प्रतियोगी कछुआ समझा।

(च) खरगोश के सामने रखी गई तिकड़मदास की पहली शर्त के पीछे यह कारण था कि अधिक दूरी होने के कारण खरगोश को निर्धारित स्थान पर पहुँचने में अधिक समय लगे। दूसरी शर्त के पीछे यह कारण था ताकि वह निर्धारित स्थान पर कार द्वारा प्रतियोगी कछुए के जुड़वाँ भाई को खरगोश से पहले लेकर पहुँच सके। तीसरी शर्त के पीछे यह कारण था कि इस शर्त के अनुसार खरगोश को फिर कभी भविष्य में कछुओं को चुनौती देने का अधिकार नहीं रह जाएगा।

3. (क) बुजुर्ग कछुए ने खरगोश से।
(ख) वकील तिकड़मदास ने कछुओं के मुखिया से।
(ग) खरगोश ने तिकड़मदास से।
(घ) तिकड़मदास ने खरगोश से।
(ङ) एक बुजुर्ग कछुए ने कछुओं के मुखिया से।

4. (क) निर्बल मनुष्य को अपनी कमजोरी के कारण संतोष करके ही काम चलाना पड़ता है और उसकी निर्बलता के चलते उसके संतोष की मात्रा बढ़ती ही जाती है।

(ख) युवा खरगोश अपने उस पूर्वज खरगोश के बारे में सोच रहा था, जो दौड़ में कछुए से हारा था। उसे शक था कि वह या तो नशा करके दौड़ा था या उसे अपनी टाँगों की उछाल और रफ्तार का घमंड हो गया था जिस कारण वह दौड़ हार गया होगा।

(ग) आजकल रिश्वत देकर फौरन काम हो जाता है जबकि ईमानदारी से करवाने पर कोई काम नहीं हो पाता है। इसीलिए कछुओं का मुखिया कहता है कि अब के समय में मनुष्य में कहीं ईमानदारी बाकी है तो बस बेईमानी के कामों में ही।

भाषा और व्याकरण

1. असफलता, बेकारी, सुलभता, अज्ञानता, परिपूर्णता, बेचैनी, स्वचालित, स्वतंत्रता।
2. (क) खरगोश को फल मिलना था, मिल चुका।
(ख) बाढ़ से गाँव डूबने थे, डूब चुके।
(ग) भूकंप से हानि होनी थी, हो चुकी।
(घ) मुझे बात करनी थी, कर चुका।

12 – उद्यमी नर

कविता बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (अ), (घ) (ब)
2. (क) प्रकृति के छिपे खजाने को उद्यमी मनुष्य प्राप्त कर सकता है।
(ख) कवि के अनुसार मानवी दुनिया का भाग्य उसके श्रम से बनता है।
(ग) भाग्यवाद को पाप का आवरण और शोषण का हथियार इसलिए कहा गया है क्योंकि भाग्यवाद का सहारा लेकर एक मनुष्य दूसरे का हिस्सा हड़पने का पाप करता है और इस प्रकार उसका शोषण भी करता है।
(घ) भाग्यवाद के विरोध में कवि ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं-
(1) यदि भाग्य ही प्रबल है, तो पृथ्वी अपने रत्न स्वयं ही क्यों नहीं प्रदान कर देती।
(2) संसार सींच-सींच कर, परिश्रम करके प्राकृतिक वस्तुएँ प्राप्त न करके; भाग्य के बल से संचित खजाने को प्राप्त क्यों नहीं कर लेता।
हम कवि के तर्कों से पूर्णतया सहमत हैं।
(ङ) श्रम के बल से धरती को स्वर्ग बनाया जा सकता है।

3. (क) ईश्वर ने सब तत्वों को आवरण के नीचे छिपा दिया ताकि बिना परिश्रम किए मनुष्य उन्हें प्राप्त न कर सके। इससे श्रम के महत्व का पता चलता है।
(ख) जो मनुष्य परिश्रम नहीं करना चाहते, वे ही ब्रह्मा के अभिलेख अर्थात् भाग्यवाद का सहारा लेते हैं।
(ग) प्रकृति सदा मनुष्य के उद्यम से ही हारती है, वह किसी के भाग्य के बल से डरकर नहीं झुकती।
(घ) कवि यह स्पष्ट कर देना चाहता है कि मानव-समाज का भाग्य बनाने वाला मात्र एक साधन है और वह है उसका परिश्रम।

भाषा और व्याकरण

1.

अच्छा-बुरा	दिन-रात
स्वर्ग-नरक	प्रकाश-अंधकार
पाप-पुण्य	ऊपर-नीचे
पीछे-आगे	चढ़ना-उतरना

2. (1) मनुष्य अपना **श्रमजल** बहाकर ही अपना भाग्य बना सकता है।
(2) सम्राट अशोक ने पत्थरों पर अनेक **अभिलेख** खुदवाए।
(3) पाप से **संचित** संपत्ति शीघ्र नष्ट हो जाती है।
(4) कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को **विजित** किया।
(5) **विधि-अंक** अर्थात् भाग्य का सहारा निकम्मे मनुष्य लेते हैं।
(6) गांधी जी ने अंग्रेजों के **शोषण** के विरुद्ध असहयोग आंदोलन चलाया।
(7) अपने परिश्रम से मनुय **कु-अंक** अर्थात् दुर्भाग्य को भी सौभाग्य में बदल सकता है।

13 – भेड़ें और भेड़िए

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (द)
2. (क) अच्छी शासन व्यवस्था के लिए पशुओं ने एक मत से यह तय किया कि वन-प्रदेश में प्रजातंत्र की स्थापना की जाए।
(ख) बूढ़े सियार ने ध्यानमग्न होकर भेड़िए से कहा कि यदि पंचायत में भेड़िया जाति का बहुमत हो जाए तो भेड़ियों की समस्या हल हो सकती है।
(ग) बूढ़े सियार ने भेड़िए का रूप इसलिए बदला जिससे कि भेड़ें भ्रमित होकर उसे बहुत भला समझें और उसे अपना मत दे दें।
(घ) सियार और भेड़िए के माध्यम से लेखक समाज के धूर्त और चालाक तथा धनी व्यक्तियों पर व्यंग्य कर रहा है।
(ङ) बूढ़े सियार ने भेड़िए से तीन बातें ध्यान में रखने को कहा— अपनी हिंसक आँखों को ऊपर मत उठाना, हमेशा जमीन की ओर देखना और कुछ बोलना मत।
(च) पंचायत में भेड़ियों ने भेड़ों की भलाई के लिए पहला कानून यह बनाया कि हर भेड़िए को सवेरे नाश्ते के लिए भेड़ का मुलायम बच्चा दिया जाए, दोपहर के भोजन में एक पूरी भेड़ तथा शाम को आधी भेड़ दी जाए।

3. (क) भेड़िए को चिंतामग्न देखकर बूढ़ा सियार उससे पूछता है कि उसकी चिंता का क्या कारण है।
(ख) यहाँ लेखक समाज के सम्पन्न माने जाने वाले लोगों पर व्यंग्य कर रहा कि बलवान इस अहंकार में रहते हैं कि हम ही कमजोरों की रक्षा कर सकते हैं, जैसा कि नीले सियार ने भी भेड़ों को समझाने का प्रयास किया।
(ग) जब किसी के मन में भाव उमड़ते हैं तो उसका मन गद्‌गद हो जाता है जिससे गला रुँध जाने के कारण वह कुछ बोल नहीं पाता। इसी प्रकार बूढ़े सियार ने भेड़ों को समझाया कि उनके प्रति प्रेमभाव के कारण भेड़िया संत का गला भर आया है, अत: वह कुछ बोल नहीं पाएँगे।
(घ) बूढ़े सियार ने भेड़िए से कहा कि यदि पंचायत में भेड़िया जाति का बहुमत हो जाए तो सब समस्या समाप्त हो जाए। लेकिन भेड़िए तो भेड़ों के जन्मजात शत्रु होते हैं, अत: भेड़िए ने शंका व्यक्त की कि भेड़ों का मत उन्हें क्यों मिलेगा, क्योंकि कोई भी अपनी जिंदगी को मौत के हाथों नहीं सौंपेगा।

भाषा और व्याकरण

1. पशु – पशुता, बाल – बालपन
जंगली – जंगलीपन, शत्रु – शत्रुता
रंग – रंगीन, प्रभु – प्रभुता
2. सुरक्षा – भय, असुरक्षा, क्षुद्र – महान
बहुमत – अल्पमत, उल्लास – विषाद
प्रजातंत्र – राजतंत्र, लज्जा – निर्लज्जता

14 – सुनेली का कुआँ

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (ब), (ङ) (द)
2. (क) सुनेली ने कुआँ खोदने का संकल्प इसलिए लिया क्योंकि उसे विश्वास था कि खेजड़े के नीचे पानी अवश्य निकलेगा।
(ख) खेजड़े की जड़ में ऊँदरों द्‌वारा खोदी गई गीली मिट्‌टी पड़ी देखकर सुनेली को विश्वास हो गया कि खेजड़े की जड़ में पानी है।
(ग) सुनेली ने सबसे पहले अपने दोनों बेटों से कुआँ खोदने के लिए कहा।
(घ) जब सुनेली का पति भी कुआँ खुदवाने में मदद करने लगा तो सुनेली ने कहा कि जिसके दो-दो जवान बेटे हों और जिसका पति भी बुढापे में परिश्रम करने को तैयार हो, ऐसी स्त्री की ताकत का कोई ठिकाना नहीं।
(ङ) जब कुआँ खुद गया तो दाणी के बूढ़े ठाकुर ने कहा कि – बींदणी सा! यह आपकी ही हिम्मत हैं। नहीं तो ऊँदरे कब बिल नहीं खोदते थे और खेजड़े कहाँ नहीं उगते? अस्सी बरस तो मैंने इस दाणी में काट दिए। अब तक किसी को सूझा ही नहीं कि यहाँ पानी भी निकल सकता है।
(च) जबकि ढाणी के सभी लोगों ने कुआँ खोदने में मदद की थी फिर भी कुएँ का नाम 'सुनेली का कुआँ' इसलिए पड़ गया क्योंकि सुनेली के पहल करने, उसकी सूझ-बूझ तथा कुएँ की खुदाई की शुरुआत करने का सारा श्रेय सुनेली को जाता था।
(छ) इस कहानी से यह निष्कर्ष निकलता है कि यदि मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की ठान ले और उसे प्राप्त करने के लिए परिश्रम करने में जुट जाए, तो उसे सफलता अवश्य मिलती है।
3. (क) सुनेली के बेटे ने अपने पिता से।
(ख) सुनेली ने अपने पति से।
(ग) सुनेली के पति ने सुनेली से।
(घ) बूढ़े ठाकुर ने गाँववासियों से।
(ङ) सुनेली ने अपने छोटे बेटे से।

भाषा और व्याकरण

1. (क) मुझे किसी को कुछ नहीं बताना।
(ख) उसे हमारे साथ भ्रमण के लिए जाना चाहिए।
(ग) मुझे तुमसे कुछ प्रश्न पूछने हैं।
(घ) तुम्हें गुरुजी ने जो प्रश्न समझाया था, उसे हमें भी समझा दो।
(ङ) उसकी माताजी विद्‌यालय में आएँगी।
(च) आप यहाँ फिर कब आओगे?
2. दुखद, सुखद, जलद, नीरद।

15 – सोना

पाठ बोध

1. (क) (अ), (ख) (द), (ग) (ब), (घ) (द), (ङ) (ब)
2. (क) लेखिका यह नहीं समझ पाती कि, जब मानव-समाज में मृत्यु को असुंदर और अपवित्र माना जाता है तो उन लोगों के कार्य को असुंदर और अपवित्र क्यों नहीं माना जाता जो जीवों को मारते हैं, उनकी हत्या करते हैं।
(ख) सोना का दिन-भर का कार्यकलाप इस प्रकार था- दूध पीकर और भीगे चने खाकर वह कंपाउंड में चौकड़ी भरती, फिर छात्रावास में घूमती। फिर मैस में जाकर कुछ खाती। फिर वह घास के मैदान में दूब चरती और लौटती। भोजन के समय वह लेखिका के साथ कुछ-न-कुछ खाती थी।
(ग) लेखिका महादेवी वर्मा ने यह निश्चय किया था कि अब हिरन नहीं पालूँगी। उन्हें अपना निश्चय इसलिए बदलना पड़ा क्योंकि उनके एक परिचित की पौत्री सुस्मिता ने उन्हें एक हिरन स्वीकार करने का आग्रह किया था, जिसे अपने पास रखने में वह असमर्थ थी।
(घ) सोना को छोटे बच्चे इसलिए अच्छे लगते थे क्योंकि वह उनके साथ अधिक समय तक खेल सकती थी।
(ङ) एक दिन सोना रस्सी से बँधी थी। अचानक न जाने किस कारण से वह जोर से उछली, लेकिन रस्सी के झटके के कारण वह मुँह के बल जमीन पर आ गिरी और उसका अंत हो गया।
(च) 'सोना' रेखाचित्र के माध्यम से हमें जानवरों की निम्नलिखित विशेषताएँ पता चलीं –
(i) जानवर शिशु रूप में कोमल, आकर्षक और सुंदर लगते हैं।
(ii) जानवर केवल अपने लिए उचित वस्तुएँ ही खाते हैं, हर वस्तु को नहीं खाते।
(iii) जानवर सेवक और स्वामी के अंतर को जानते हैं।
(iv) जानवर मनुष्य से स्नेह की अपेक्षा रखते हैं और स्नेह के बदले उससे स्नेह करते हैं।
(v) जानवर अपने ही नहीं वरन् दूसरे जानवरों के शिशुओं से भी प्रेम करते हैं।
(vi) वे अपने मालिक या पालनकर्ता से विशेष प्रेम करते हैं और उसकी अनुपस्थिति से बेचैन हो जाते हैं।

भाषा और व्याकरण

ग्रीष्म + अवकाश = ग्रीष्मावकाश
परि + आवरण = पर्यावरण
सत्य + आग्रह = सत्याग्रह
अति + आचार = अत्याचार
वार्ता + आलाप = वार्तालाप
सूर्य + उदय = सूर्योदय
वार्षिक + उत्सव = वार्षिकोत्सव
सूर्य + अस्त = सूर्यास्त

16 – बदलती हवा

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (ब), (ङ) (ब)
2. (क) अलाव के चारों तरफ बैठकर लोग घरेलू बातें करते थे। पुरानी बातों को सुनाते थे। हँसने की बात सुनकर हँसते थे, दुख की बात सुनकर दुखी होते थे।
(ख) गाड़ी में कलश रखकर किसान जमींदार के घर की ओर इसलिए चल पड़ा क्योंकि वह उन्हें जमींदार की सम्पत्ति समझकर, जमींदार को सौंपना चाहता था।

(ग) पुराने समय में गाँव के लोग सच्चे और सीधे-सादे थे। वे संतोषी थे और दूसरे की संपत्ति लेना पाप समझते थे। वे मिल-जुलकर रहते थे और समय पर एक-दूसरे की सहायता करते थे।

(घ) राजा का न्याय सुनकर किसान का मुँह इसलिए फीका पड़ गया क्योंकि राजा ने किसान से कलश लेने से इनकार कर दिया था। अत: उसे चिंता हो गई कि वह अब इन कलशों का क्या करेगा।

(ङ) राजा कलश लेने के लिए इसलिए तैयार नहीं हुआ क्योंकि राजा उन कलशों को किसान की मेहनत का फल मानता था, जिसे लेना राजा उचित नहीं समझता था।

(च) दूसरी पीढ़ी के किसान और जमींदार में यह अंतर आ गया कि जिस धन पर पहली पीढ़ी के किसान और जमींदार अपना-अपना अधिकार नहीं मानते थे, उसी धन को पाने के लिए दूसरी पीढ़ी के किसान और जमींदार आपस में लड़ने लगे, अर्थात् उनकी नीयत में खोट आ गई थी।

(छ) जमींदार का पोता किसान के घर इसलिए आया था ताकि वह अपना धन वापस ले सके।

(ज) राजा ने पंचों को इक्कीस-इक्कीस जूतों की सजा दी क्योंकि पंचों ने गड़े धन का भेद राजा से छुपाकर रखा था।

3. (क) किसान ने जमींदार से।
(ख) जमींदार ने किसान से।
(ग) पंचों ने किसान से।
(घ) जमींदार के बेटे ने किसान के बेटे से।
(ङ) जमींदार के बेटे ने किसान के बेटे से।

4. (क) पहले के समय के गाँव के समाज की स्थिति को स्पष्ट करते हुए लेखक कहता है कि तब अग्नि का प्रयोग चूल्हे पर भोजन बनाने में किया जाता था, अन्यत्र कहीं भी क्रोधरूपी अग्नि नहीं दिखाई देती थी अर्थात् लोगों में आपस में लड़ाई-झगड़े नहीं होते थे।

(ख) सूर्योदय से पहले ही लोग जागकर अपने-अपने कार्यों में लग जाते थे। इस प्रकार सूर्योदय से पहले ही घरों में चहल-पहल हो जाती थी।

(ग) समय बीतने के साथ-साथ लोगों की सोच में बहुत बदलाव आया और यह बदलाव आता ही गया।

(घ) किसान के बेटे ने पंचों की बात नहीं मानी क्योंकि उसके पास उस धन की शक्ति थी जो उसे कलशों से प्राप्त हुआ था। उसी धन के बल पर उसने पंचों को अपने पक्ष में कर लिया।

(ङ) समय बदलने के साथ-साथ लोगों की सोच और भावनाओं में इतना अधिक अंतर आ गया कि स्वार्थ और लालच के वशीभूत लोगों में घर-घर में झगड़े-फसाद होने लगे। हर जगह अशांति और कलह का वातावरण छा गया।

भाषा और व्याकरण

1. (क) सारे इलाके की अकल के आप अकेले ही इजारेदार दिखते हैं।
(ख) देखिए, आप फिर अन्याय की बात कर रहे हैं।
(ग) आपके हाथ लगे हैं, तो आप रखिए।
(घ) जमीन आपकी है, इसलिए लाया।
(ङ) हाँ, आप नासमझ हैं, सो मैं जानता हूँ। तभी मेरे खेत में गड़े हुए कलश आप मुझसे बगैर पूछे, छुपाकर रात को धर ले आए।

2. **मुट्ठी गरम करना** = रिश्वत देना — आजकल सरकारी दफ्तरों में किसी भी काम को करवाने से पहले वहाँ के कर्मचारियों की मुट्ठी गरम करनी पड़ती है।
मुँह फीका पड़ जाना = उदास हो जाना — रमेश ने जब अपने पिता से बाइक दिलवाने को कहा तो उनका इनकार सुनकर उसका मुँह फीका पड़ गया।
नींद बेचकर जागरण मोल लेना = अकारण झगड़े में पड़कर अपनी शांति को भंग करके अशांत होना — सरकारी काम में बेवजह बाधा डालकर साइमन ने अपनी नींद बेचकर जागरण मोल ले लिया है।
दाँताकसी होना = बहस होना — आजकल के नेताओं में जरा-जरा सी बात पर दाँताकसी होती है।
आँखें दिखाना = धमकाना — रोहित बहुत देर से शैतानी कर रहा था, किंतु जब उसकी मम्मी ने आँखें दिखाईं तो वह चुपचाप बैठ गया।
एड़ी से चोटी तक आग लगना = भयंकर रूप से क्रोधित हो जाना — एक विदेशी के मुँह से अपने देश के लिए अपमानजनक बात सुनकर नेताजी सुभाष के एड़ी से चोटी तक आग लग गई।

3.

चीत्कार	= ची: + कार	पंचायती	= पंचायत + ई
सूर्योदय	= सूर्य + उदय	नि:संकोच	= नि: + संकोच
निरंतर	= नि: + अंतर	नि:संदेह	= नि: + संदेह

17 — जीवन नहीं मरा करता है

कविता बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (स), (घ) (ब), (ङ) (द)

2. (क) कवि ने आशावान तथा सकारात्मक सोच अपनाने के लिए निम्नलिखित उदाहरण दिए हैं —
(i) कुछ सपनों के मर जाने से जीवन नहीं मरा करता है।
(ii) कुछ पानी के बह जाने से सावन नहीं मरा करता है।
(iii) कुछ दीयों के बुझ जाने से आँगन नहीं मरा करता है।
(iv) चंद खिलौनों के खोने से बचपन नहीं मरा करता है।
(v) लाख करे पतझर कोशिश पर उपवन नहीं मरा करता है।
(vi) कुछ मुखड़ों की नाराजी से दर्पण नहीं मरा करता है।

(ख) सपने से कवि का आशय नयनरूपी सेज पर सोए हुए आँख के पानी से है।

(ग) कवि ने कुछ सपनों के पूरा न होने पर निराश न होने की सलाह इसलिए दी है क्योंकि मात्र कुछ सपनों के पूरा न होने से जीवन समाप्त नहीं हो जाता है। जीवन में सपने पूरे करने के लिए और भी अवसर मिलते रहते हैं, अत: निराश नहीं होना चाहिए।

(घ) 'केवल जिल्द बदलती पोथी' से कवि का आशय है कि संसार में केवल शरीर बदलते हैं, आत्मा वही रहती है।

(ङ) इस कविता के माध्यम से कवि हमें यह शिक्षा देना चाहता है कि हमें कुछ कठिनाइयों या अभावों के कारण जीवन में निराश नहीं होना चाहिए।

3. (क) कवि के अनुसार सपना केवल नयनरूपी सेज पर सोया हुआ आँख का पानी है; अर्थात् सपना एक कल्पना-मात्र है।

(ख) कवि के अनुसार इस संसार में कुछ भी नष्ट नहीं होता है। जिस प्रकार पुस्तक की केवल जिल्द बदली जाती है, पुस्तक वही रहती है; उसी प्रकार मनुष्य का केवल शरीर बदलता है, आत्मा वही रहती है।

(ग) कवि के अनुसार जिस प्रकार समुद्र में यदा-कदा किश्तियाँ डूबती रहती हैं परंतु तट पर हमेशा चहल-पहल बनी रहती है अर्थात समुद्री यातायात चलता रहता है, उसी प्रकार अनेक दु:खद घटनाएँ होने पर भी मानव-जीवन चलता रहता है।

(घ) कवि के अनुसार जिस प्रकार माली उपवन को तो लूट सकता है परंतु फूल की गंध को नहीं लूट सकता, उसी प्रकार दुर्भाग्य मनुष्य के जीवन में उथल-पुथल तो कर सकता है, परंतु उसके गुणों को नष्ट नहीं कर सकता।

4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗

भाषा और व्याकरण

1. **व्यर्थ** = बेकार — हमें अपना समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए।
नयन-सेज = नेत्ररूपी सेज — हमारे सपने नयन-सेज पर सोते हैं।
उमर = आयु — हमें उमर के अनुरूप ही दूसरों से व्यवहार करना चाहिए।
समस्या = कठिन प्रसंग, कठिनाई — हमें अपनी समस्या स्वयं हल करने का प्रयास करना चाहिए।
वस्त्र = परिधान, कपड़े — हमें सदैव साफ-सुथरे वस्त्र पहनने चाहिए।

2. दिवस — रात्रि सपना — यथार्थ, साक्षात्
टूटना — जुड़ना गीली — सूखी
खोना — पाना सुबह — शाम
नफरत — मुहब्बत मरना — जीना
3. पनघट — घाट, गाँव का कुआ किश्ती— नाव
उपवन — वाटिका दर्पण — शीशा
वस्त्र — कपड़े, परिधान मुखड़ा — चेहरा
गगरिया — मटकी सूरज — सूर्य

18 - गंगा की महिमा

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (अ), (घ) (स), (ङ) (द)
2. (क) इंद्र को भय हुआ कि पृथ्वी पर एकछत्र राज्य स्थापित करने के पश्चात् कदाचित् राजा सगर स्वर्ग पर भी अपना अधिकार जमाना चाहें। उसे अपना राज्य खोने का भय होने लगा, इसलिए उसने यज्ञ के अश्व को चुराया। इससे उसके चरित्र की धोखा देने की दुर्बलता का आभास होता है।
   (ख) अंशुमान, राजा सगर के पौत्र (पोते) थे। कपिल ऋषि ने अंशुमान के पूर्वजों की मुक्ति का उपाय इस प्रकार बताया— यदि तुम गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाकर यहाँ तक (कपिल ऋषि के आश्रम तक) ला सको तो तुम्हारे पूर्वज शापमुक्त हो जाएँगे।
   (ग) भगीरथ जब गंगा को कैलाश पर्वत से सुंदरवन की ओर ले जाने लगे तो मार्ग में जहनु ऋषि का आश्रम आ गया। उन्होंने गंगा का प्रवाह रोक दिया। जब भगीरथ ने उन्हें अपना उद्देश्य और सब बात बताई तथा प्रार्थना की कि वे गंगा को मुक्त कर दें, तो जहनु ऋषि ने गंगा को पुन: प्रवाहमान कर दिया। इसीलिए गंगा का एक नाम 'जाह्नवी' पड़ गया।
   (घ) सगर अपने को चक्रवर्ती राजा घोषित करना चाहते थे। उसके लिए अश्वमेध यज्ञ करना आवश्यक था। अत: सगर ने अश्वमेध यज्ञ करने का निश्चय किया।
   (ङ) गंगा भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण नदी है, इसके निम्नलिखित कारण हैं—
      (i) यह विश्वास किया जाता है कि गंगा मुक्तिदायिनी है, गंगा का जल पवित्र है तथा मृत व्यक्ति की भस्म गंगा में प्रवाहित करने से उस व्यक्ति की मुक्ति हो जाती है।
      (ii) गंगा के किनारे अनेक तीर्थ स्थान बन गए हैं, जो महत्वपूर्ण व्यापारिक स्थल भी हैं।
      (iii) गंगा के किनारे बड़े-बड़े मेले और कुंभ जैसे महाविशाल मेले लगते हैं, जो ''वसुधैव कुटुंबकम्'' की भावना के प्रसार में सहायक होते हैं।
      (iv) गंगा देश में परिवहन सुविधा भी प्रदान करती है।
   अपने उपर्युक्त महान गुणों के कारण ही गंगा भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण नदी मानी जाती है।
   (च) गोमुख, गंगोत्री, उत्तरकाशी, रुद्र प्रयाग, देव प्रयाग, ऋषिकेश, हरिद्वार, गढ़मुक्तेश्वर, कानपुर, प्रयाग, वाराणसी, पटना, राजशाही, मुर्शिदाबाद, कोलकाता, गंगासागर, बंगाल की खाड़ी।

भाषा और व्याकरण

1. (क) राजा ने अपने सभी पुत्रों को बुलाया।
   (ख) अंशुमान में गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाने की सामर्थ्य नहीं थी।
   (ग) वहाँ एक महाप्रतापी राजा राज्य करता था।
   (घ) कपिल ऋषि ने सगर-पुत्रों को भस्म होने का शाप दे दिया।
   (ङ) हमने अनेक बार गंगा-स्नान किया है।
2. **गंगा** - सुरसरि, भागीरथी, जाह्नवी।
   राजा - शासक, सम्राट, बादशाह।
   भारत - भारतवर्ष, हिंदुस्तान, आर्यावर्त।
   घोड़ा - अश्व, घोटक, हय।
3. (क) प्राचीन काल में प्रत्येक राजा अन्य राजाओं पर अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता था।
   (ख) यमुना का उद्गम यमुनोत्री से होता है।
   (ग) पहाड़ी क्षेत्रों में प्रपातों के दृश्य बड़े सुहावने होते हैं।
   (घ) अचानक बस्ती में कोलाहल सुनकर लोग घरों से निकल पड़े।
   (ङ) गाँवों में चौपाल पर बैठकर लोग अपना-अपना वृत्तांत सुनाया करते हैं।

हिंदी कक्षा— 7

1 – मनुष्यता

कविता बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (ब), (घ) (ब)
2. (क) इस कविता में बताया गया है कि दूसरों के लिए जीने वाला व्यक्ति ही सच्चा मनुष्य है। केवल अपने लिए जीने वाला व्यक्ति पशु के समान होता है।
   (ख) कवि ने मनुष्य को प्रेरणा दी है कि जब मनुष्य मरणशील प्राणी है ही तो उसे मृत्यु से नहीं डरना चाहिए और उसे दूसरों के लिए जीते हुए जीवन बिताकर मरना चाहिए ताकि मरने के बाद भी लोग उसे याद करें।
   (ग) कवि के अनुसार जो व्यक्ति दूसरों के लिए जीते हुए मरता है उसे मरा हुआ नहीं समझना चाहिए।
   (घ) कवि ने केवल अपने लिए जीने वाले पशु-प्रवृत्ति के व्यक्ति को भाग्यहीन बताया है।
   (ङ) कवि ने भगवान से डरने की सलाह दी है।
   (च) कवि की दृष्टि में सच्चा मनुष्य वही हे जो सभी की भलाई करता हुआ ही अपनी भलाई के बारे में सोचे।
3. (क) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि केवल अपना पेट भरने या अपने हित की बात सोचना तो पशुओं की आदत होती है, सच्चा मनुष्य वह होता है जो दूसरे लोगों का हित करता हुआ मृत्यु को प्राप्त हो।
   (ख) मनुष्य को कभी भी अपने को अनाथ या निराश्रय नहीं समझना चाहिए क्योंकि धरती, आकाश और पाताल तीनों लोकों के स्वामी भगवान सबके साथ हैं। भगवान के हाथ इतने विशाल हैं कि वे सभी की सहायता करते हैं।
   (ग) कवि मनुष्य को प्रेरणा देता है कि उसे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के मार्ग पर प्रसन्नता से, और उस मार्ग में आने वाली हर मुसीबत और बाधा को दूर करके आगे बढ़ते रहना चाहिए।
   (घ) जो मनुष्य दूसरों की भलाई करते हुए अपना भला करता है उसी की भावना सच्ची होती है क्योंकि सच्चा मनुष्य वही है जो दूसरों की भलाई के लिए प्राण भी दे देता है।

भाषा और व्याकरण

1. धीरे-धीरे, आगे-आगे, बार-बार, सच-सच, जन-जन
2. **वृथा** = बेकार — मूर्खों का समय कलह में वृथा हो जाता है।
   मदांध = अहंकारी — अधिक धन मनुष्य को मदांध बना देता है।
   अधीर = धैर्यहीन, बेचैन — श्रीकृष्ण के वियोग में गोपियाँ अधीर रहती थीं।
   सहर्ष = खुशी से — एकलव्य ने अपना दायाँ अँगूठा काटकर सहर्ष द्रोणाचार्य को अर्पित कर दिया।
   पांथ = राही — देश-सेवा के लिए हम सभी को एक पथ का पांथ होना चाहिए।
   सतर्क = सजग, सचेत — देश के दुश्मनों से हमेशा सतर्क रहना चाहिए।
3. पशु — मनुष्य मृत्यु — जीवन समर्थ — असमर्थ
   गर्व — विनय अनिष्ट — हित उचित — अनुचित

2 — जीवन का रहस्य

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (ब), (ग) (अ), (घ) (द), (ङ) (स)
2. (क) 'इच्छा-मृत्यु' से अभिप्राय है कि मनुष्य अपनी इच्छानुसार मृत्यु को प्राप्त हो। यह वरदान भीष्म पितामह को प्राप्त था।
   (ख) भीष्म के अनुसार नास्तिक, क्रियाहीन, गुरु तथा शास्त्रों की

आज्ञा का उल्लंघन करने वाले, धर्म को न जानने वाले और दुराचारी व्यक्तियों की आयु क्षीण हो जाती है।

(ग) 'भाग्य और पुरुषार्थ' के संबंध में भीष्म पितामह ने कहा कि भाग्य पुरुषार्थ को ही आगे करके स्वयं उसके पीछे चलता है। संचित किया हुआ पुरुषार्थ ही भाग्य को जहाँ-जहाँ चाहता है, वहाँ-वहाँ ले जाता है।

(घ) 'भीष्म के अनुसार इस प्रकार की परिस्थितियों में व्यक्ति पाप का भागी नहीं होता है जो निरपराध व्यक्ति अपनी रक्षा के लिए शस्त्र उठाकर, मारने के लिए आए हुए शत्रु को रोके तथा उस पर प्रहार करके उसे मार डाले, तो वह पाप का भागी नहीं होता। इसी प्रकार जो व्यक्ति ग्राम-रक्षा के लिए अथवा दीन-दुखियों पर अनुग्रह करके किसी शत्रु का वध करता है या उसे बंधन में डालकर कष्ट पहुँचाता है, वह भी पाप का भागी नहीं होता। हम भीष्म पितामह की बात से सहमत हैं।

(ङ) हम भाग्य तथा पुरुषार्थ में से पुरुषार्थ को अधिक महत्व देते हैं, क्योंकि पुरुषार्थ से ही भाग्य का निर्माण होता है।

(च) युधिष्ठिर महर्षि व्यास के आग्रह पर राज्याभिषेक के लिए तैयार हो गए।

(छ) महाभारत के युद्ध में हुए अपार जनसंहार से दुखी होने के कारण युधिष्ठिर संन्यास लेना चाहते थे।

3. (क) मनुष्य जब पुरुषार्थ करता है तो उसके भाग्य को बढ़ावा मिलता है। इस प्रकार पुरुषार्थ का सहारा पाकर भाग्य प्रबल हो जाता है।

(ख) मनुष्य कर्म करके ही अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर सकता है। कर्म करके ही वह सब-कुछ प्राप्त कर सकता है। दूसरी ओर जो व्यक्ति केवल भाग्य के भरोसे रहते हैं और कर्महीन बने रहते हैं, उन्हें कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

(ग) सदाचार से मनुष्य को आयु प्राप्त होती है। सदाचार से ही वह संपत्ति पाता है तथा सदाचार से ही उसे इस लोक में तथा परलोक में कीर्ति की प्राप्ति होती है। अत: सदाचार ही धर्म का लक्षण है।

(घ) मनुष्य को कभी भी किसी से बुरे वचन नहीं बोलने चाहिए, क्योंकि शस्त्रों से शरीर पर हुआ बड़े-से-बड़ा घाव तो भर सकता है, परंतु बुरे वचनों से मन पर हुआ घाव कभी नहीं भरता।

4. (क) युधिष्ठिर ने श्रीकृष्ण से।
(ख) भीष्म ने युधिष्ठिर से।
(ग) युधिष्ठिर ने भीम से।
(घ) श्रीकृष्ण ने भीम से।
(ङ) भीम ने युधिष्ठिर से।

भाषा और व्याकरण

1. (क) कर्ता (ख) करण (ग) अधिकरण
(घ) अपादान (ङ) संप्रदान (च) कर्म
(छ) संबंध (ज) कर्ता (झ) संबोधन

2. सन्मार्ग = सम् + मार्ग संचित = सम् + चित
राज्याभिषेक = राज्य + अभिषेक दीर्घायु = दीर्घ + आयु
राज्यारोहण = राज्य + आरोहण संपूर्ण = सम् + पूर्ण

3 - पूस की रात

पाठ बोध

1. (क) (अ), (ख) (स), (ग) (स), (घ) (स), (ङ) (ब), (च) (स)

2. (क) सहना एक साहूकार था। वह हल्कू के पास अपने उधार के रुपए लेने आया था।

(ख) खेत में ठंड को भगाने के लिए हल्कू ने निम्नलिखित उपाय किए –

(i) उसने चिलम पी-पीकर ठंड को भगाने की कोशिश की।

(ii) उसने जबरा को अपनी गोद में सुलाकर ठंड को भगाने की कोशिश की।

(iii) उसने अलाव जलाकर उसकी गर्मी से ठंड को भगाने की कोशिश की।

(ग) चिलम पीकर हल्कू यह निश्चय करके लेटा कि चाहे कुछ भी हो, इस बार सो जाऊँगा।

(घ) क्योंकि जानवरों का झुंड खेत में घुस आया था इसलिए जबरा जोर से भौंककर खेत की ओर भागा।

(ङ) हल्कू ने मुन्नी से यह झूठ कि उसके पेट में दर्द हो गया था इसलिए बोला क्योंकि उस भयानक सर्दी में वह जानवरों को भगाने जाने की बजाय सोना चाह रहा था।

(च) अलाव की गर्मी पाकर आलस्य आ जाने के कारण हल्कू जानवरों को भगाने खेत में नहीं गया।

(छ) फसल नष्ट हो जाने पर भी हल्कू इसलिए प्रसन्न था क्योंकि अब उसे फसल की रखवाली के लिए खेत पर ठिठुरने की आवश्यकता नहीं रह गई थी और वह अपने घर पर ही आराम कर सकता था।

3. (क) जबरा एक वफादार कुत्ता था। उसका सबसे बड़ा कर्तव्य अपने मालिक का हित करना था। अत: हल्कू के खेत में घुस आई नीलगायों को भगाने में वह जी-जान से जुट गया था। इसके पीछे अपने कर्तव्य को पूरा करने का अरमान ही उसके हृदय में था।

(ख) हल्कू ने जब मुन्नी से कहा कि लहना को यदि रुपए न दिए तो वह गाली देगा, तब मुन्नी ने यह तो कहा कि वह गाली क्यों देगा, लेकिन यह उसकी गलत धारणा थी। वास्तव में हल्कू की बात ही कटु सत्य थी, और वह सत्य मुन्नी के लिए एक भयंकर जीव के समान था जिससे डरकर उसे स्वीकार करना ही था।

(ग) हल्कू ने अपनी मजदूरी की कमाई में से एक-एक पैसा करके तीन रुपए कंबल खरीदने के लिए जमा किए थे। अत: जब मुन्नी से रुपए लेकर वह उन्हें सहना को देने के लिए बाहर को चला तो उसे ऐसा महसूस हो रहा था जैसे वह अपना हृदय ही निकालकर देने जा रहा हो।

(घ) हल्कू अपने खेत से जानवरों को भगाने का इरादा करके उठा तो सही, लेकिन उसे हवा के एक ऐसे झोंके ने रुकने के लिए विवश कर दिया जो बहुत ही ठंडा, सुइयों की तरह चुभने वाला और बिच्छू के डंक की तरह भयंकर कष्ट देने वाला था।

(ङ) यह माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति को पिशाच (भूत-प्रेत) लग जाता है तो वह उसका पीछा नहीं छोड़ता और उसकी छाती पर सवार रहता है। इसी प्रकार यद्यपि हल्कू चिलम पी-पीकर और करवट बदल-बदलकर जाड़े से पीछा छुड़ाने का प्रयास कर रहा था, परन्तु जाड़ा किसी पिशाच की भाँति उसकी छाती पर सवार था अर्थात् वह जाड़े से नहीं बच पा रहा था।

भाषा और व्याकरण

1. (क) दौड़े-दौड़े आगे-आगे चले आए। अब रोओ नानी के नाम को।

(ख) हाँ, सारे खेत का सत्यानाश हो गया! भला ऐसा भी कोई सोता है!

(ग) अकर्मण्यता ने रस्सियों की भाँति उसे चारों ओर से जकड़ रखा था।

(घ) उसे अपनी जगह से हिलना भी जहर लग रहा था।

(ङ) हल्कू को ऐसा मालूम हुआ कि जानवरों का एक झुंड उसके खेत में घुस आया है।

(च) रात को कोई मुझे पत्तियाँ बटोरते देखे, तो समझे कोई भूत है।

(छ) इस अनोखी मैत्री ने जैसे उसकी आत्मा के सब द्वार खोल दिए थे और उसका एक-एक अणु प्रकाश से चमक रहा था।

2. **आँखें तरेरना** – जब रजत ने बहुत शोर मचाना शुरू किया तो उसकी मम्मी उसकी ओर आँखें तरेरने लगीं।

ठंडा हो जाना – अपना झूठ छुपाने के लिए रहीम ने पहले तो गुस्सा दिखाया, परन्तु सारी सच्चाई सामने आते ही वह ठंडा हो गया।

सफाया करना – कारगिल युद्ध में भारतीय सेना ने शत्रुओं का सफाया कर दिया।

गला *छूटना — बैंक से कर्ज लेने के बाद उसे चुकाने पर ही गला छूटता है।*

बला सिर से टलना — पुलिस ने चोर समझकर रामू को पकड़ लिया, लेकिन जब असली चोर पकड़ा गया तब जाकर उसके सिर से बला टली।

चौपट हो जाना — जुए की लत लग जाने के कारण ही रफीक का व्यापार चौपट हो गया है।

नानी के नाम को रोना — चोरी करने पर नानी के नाम को रोने से कुछ नहीं होता, उसका दंड तो भुगतना ही पड़ता है।

4 – मेरी माँ

पाठ बोध

1. *(क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (अ), (ङ) (ब)*
2. *(क) बिस्मिल जी की माँ ने उनके जन्म के पाँच या सात वर्ष बाद हिंदी पढ़ना आरम्भ किया। मुहल्ले की सखी-सहेलियों में जो शिक्षित थीं उनसे वे अक्षर-ज्ञान प्राप्त करती थीं। घर के काम-काज से बचे समय में वे पढ़ना-लिखना करती थीं।*

   (ख) बिस्मिल जी की एकमात्र इच्छा यह थी कि वे अपनी माँ की श्रद्धापूर्वक सेवा करके अपना जीवन सफल बना लें, लेकिन वह इच्छा इसलिए पूरी होती नहीं दिखाई दे रही थी क्योंकि अंग्रेजों द्वारा बिस्मिल जी को फाँसी की सजा सुना दी गई थी।

   (ग) बिस्मिल जी दृढ़निश्चयी, सत्यनिष्ठ और संकटों में भी विचलित न होने वाले व्यक्ति थे। वे महान देशप्रेमी और देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले देशभक्त थे। धर्म के प्रति भी उनके हृदय में गहरी आस्था थी।

   (घ) बिस्मिल जी कि धार्मिक, आत्मिक तथा सामाजिक उन्नति में उनकी माँ का विशेष योगदान था। उन्होंने अपने उपदेशों से बिस्मिल जी के हृदय में धर्म के प्रति आस्था उत्पन्न की। उन्होने दृढ़निश्चय, आत्मबलिदान तथा सत्यनिष्ठा के उपदेशों द्वारा बिस्मिल जी की आत्मिक उन्नति को प्रोत्साहन दिया तथा उन्हें शिक्षा दिलाकर उनकी सामाजिक उन्नति में योगदान दिया।

   (ङ) हमें बिस्मिल जी की माताजी के - शिक्षा प्राप्त करने के प्रति लगन, बच्चों को शिक्षित करना, उन्हें धर्म तथा देश के प्रति निष्ठा रखने के लिए प्रोत्साहित करना आदि गुणों ने प्रभावित किया, क्योंकि ऐसे गुण ही मनुष्य जीवन में उन्नति करने के लिए सहायक होते हैं।

3. *(क) बिस्मिल जी की माँ के पास मुहल्ले की अनेक सखी-सहेलियाँ आती थीं। उनमें जो शिक्षित थीं उनसे बिस्मिल जी की माँ हिंदी सीखने के लिए अक्षर-ज्ञान प्राप्त करती थीं।*

   (ख) जब बिस्मिल जी के पिता के वकील साहब ने उनसे उनके पिता के वकालतनामे पर पिता के हस्ताक्षर करने को कहा, तो बिस्मिल जी ने उत्तर दिया कि ऐसा करना धर्म के विरुद्ध होगा; अत: ऐसा पाप वे कदापि नहीं करेंगे।

   (ग) बिस्मिल जी की माँ ने अपनी शिक्षाओं द्वारा उनकी धार्मिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति में बहुत योगदान दिया। यदि उन्हें ऐसी माता न मिली होतीं, तो वे देश की सेवा करने की बजाय एक साधारण मनुष्य की भाँति ही सांसारिक जीवन बिताते।

   (घ) बिस्मिल जी अपनी उन्नति में माता द्वारा दिए गए योगदान के प्रति इतने अधिक आभारी थे कि उनके विचार से वे इस जन्म में तो क्या यदि अनेक जन्मों में भी प्रयास करते तो भी माता के ऋण से उऋण नहीं हो सकते थे।

भाषा और व्याकरण

1. *प्राकृतिक, सामाजिक, पारिवारिक, साप्ताहिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक।*
2. *प्रोत्साहन* = *प्र* + उत्साहन संकल्प = सम् + कल्प
   उत्पन्न = उत् + पन्न धृष्टतापूर्ण = धृष्टता + पूर्ण
   नितांत = नित + अंत

5 – कृष्ण की चेतावनी

कविता बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (ब)
2. (क) भगवान श्रीकृष्ण दुर्योधन को समझाने और भाइयों-भाइयों में होने वाले संघर्ष के बुरे परिणाम से उसके वंश को बचाने के लिए तथा पांडवों का संदेश लेकर हस्तिनापुर गए थे।

   (ख) भगवान श्रीकृष्ण दुर्योधन से अपेक्षा रखते थे कि वह पांडवों के गुजारे के लिए उन्हें पाँच गाँव तो दे ही सकता है।

   (ग) दुर्योधन की धृष्टता पर भगवान ने भीषण हुंकार करके अपने स्वरूप का विस्तार किया।

   (घ) दुर्योधन, भगवान श्रीकृष्ण को बाँध लेने जैसे असाध्य कार्य को साधने चला था।

   (ङ) युद्ध टालने के लिए पांडव आधे राज्य के स्थान पर केवल पाँच गाँव लेकर ही समझौता करने को तैयार थे।

   (च) कृष्ण की चेतावनी सुनकर सारी सभा सन्न थी किंतु धृतराष्ट्र और विदुर प्रसन्न थे क्योंकि उन्हें भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप के साक्षात् दर्शन हो रहे थे।
3. (क) भगवान श्रीकृष्ण ने दुर्योधन के सामने पांडवों का प्रस्ताव रखा और उसे मित्रता बनाए रखने के लिए काफी समझाया, परन्तु दुर्योधन ने उनकी बात नहीं मानी, उलटे उन्हें बंदी बनाने के लिए आदेश देने लगा। इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने क्रोधित होकर उससे कहा कि अब तुझसे पांडव कुछ नहीं माँगेंगे वरन् अब युद्ध होगा। इस युद्ध में या तो पांडव विजय प्राप्त कर राज्य का सुख भोगेंगे या मृत्यु को प्राप्त हो जाएँगे।

   (ख) जब मनुष्य के विनाश का समय आता है तो उसकी बुद्धि, सोचने-विचारने की क्षमता नष्ट हो जाती है। इसी प्रकार जब भगवान श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को समझाया तो वह उनकी बात न मानकर उलटे उन्हें बाँधने के लिए कहने लगा, क्योंकि उसके नाश का समय निकट आ चुका था। कहा भी गया है— ''विनाशकाले विपरीत बुद्धि:।''

   (ग) श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को काफी समझाया परंतु जब वह उनकी बात न माना तब भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि— दुर्योधन, अब तेरा और पांडवों का ऐसा भयंकर युद्ध होगा कि आगे फिर ऐसा भयानक युद्ध कभी नहीं होगा।

   (घ) जब दुर्योधन ने भगवान श्रीकृष्ण की बात नहीं मानी और उन्हें बाँध लेने का आदेश देने लगा, तब भगवान ने अपने स्वरूप का विस्तार किया और क्रोधित होकर उससे कहा कि— अरे दुर्योधन, अब मुझे अपने वश में करके दिखा। अपनी जंजीरों में मुझे बाँधकर दिखा।
4. स्वयं कीजिए

भाषा और व्याकरण

1.

असाध्य	—	साध्य	याचना	—	दान
प्रकाश	—	अंधकार	दिन	—	रात
सुमार्ग	—	कुमार्ग	चढ़ना	—	उतरना
निर्भय	—	भयभीत	मैत्री	—	शत्रुता

2. **कुपित** = क्रोधित — राहुल के झूठ बोलने पर उसके अध्यापक बहुत कुपित हुए।

   प्रखर = तेज — सूर्य की प्रखर किरणें पर्वतों की चोटियों पर पड़ रही थीं।

   भूशायी = मृत्यु को प्राप्त — महाभारत के युद्ध में बड़े-बड़े महारथी भूशायी हुए।

   असाध्य = ऐसा कार्य जिसे पूरा न किया जा सके — साधारण वायुयान से चंद्रमा पर पहुँचना एक असाध्य कार्य है।

   हुंकार = घोर गर्जना — नेताजी सुभाष चंद्र बोस की हुंकार से अंग्रेज काँप उठे।

   प्रमुदित = प्रसन्न — बाग में खिले सुंदर फूलों को देखकर मेरा मन प्रमुदित हो उठा।

   शृगाल = गीदड़ — भारत पाकिस्तान जैसे शृगालों से कभी नहीं डरा।

6 – अब्राहम लिंकन

पाठ बोध

1. (क) (अ), (ख) (स), (ग) (ब), (घ) (द), (ङ) (ब)
2. (क) अमेरिका के दक्षिणी राज्यों में दासों से पशुओं की भाँति काम कराया जाता था और बहुत लाभ कमाया जाता था। इस प्रकार दक्षिणी राज्यों के लिए दास-प्रथा जीवनदायिनी थी। इसीलिए वे दास-प्रथा के समर्थक थे।

   (ख) **अमेरिका में प्रचलित तत्कालीन दास प्रथा-** उन दिनों अमेरिका में खेतिहर मजदूरी का काम अफ्रीका से पकड़कर लाए गए व्यक्तियों से लिया जाता था। यूरोप के कुछ व्यापारी अफ्रीका महाद्वीप से अफ्रीकी लोगों को जबरदस्ती पकड़कर बंदी बना लेते थे। इन दासों को वे व्यापारी अमेरिका में लाकर, वहाँ के बाजारों में नीलाम करके बेच देते थे। अमेरिकी जमींदार इन अफ्रीकियों को खरीद लेते थे और हमेशा के लिए अपना दास बना लेते थे। इन दासों का पूरा परिवार तथा भावी संतानें भी दास ही रहती थीं। वे अपने मालिकों की उसी प्रकार संपत्ति समझे जाते थे, जैसे उनके पशु, मकान या अन्य सामान।

   इन अफ्रीकी दासों का जीवन पशुओं के जीवन की तरह ही था। पशुओं की तरह ही उन्हें अफ्रीका से जंजीरों में बाँधकर अमेरिका लाया जाता था। पशुओं की भाँति ही बाजार में बोली बोलकर इनका क्रय-विक्रय होता था। इन्हें पशुओं की तरह हल या सामान ढोने की गाड़ी आदि में जोता जाता था तथा पशुओं की तरह ही इन्हें निर्ममता से पीटा जाता था।

   (ग) अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद अब्राहम लिंकन ने सबसे महत्वपूर्ण कार्य यह किया कि उन्होंने पूरे अमेरिका में दास-प्रथा की समाप्ति की घोषणा कर दी।

   (घ) लिंकन की हत्या का कारण था— लिंकन का दास-प्रथा का विरोधी होना, इसीलिए दास-प्रथा के एक समर्थक ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

   (ङ) लिंकन जब 22 वर्ष का था तो अपने परिवार को छोड़कर वह इलिनौयस राज्य की राजधानी स्प्रिंगफील्ड में आकर रहने लगा।

   (च) लिंकन के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि सत्य और प्रेम के मार्ग पर चलकर गरीब-से-गरीब व्यक्ति भी उन्नति कर सकता है। साथ ही, सबके प्रति दया का भाव रखते हुए किसी के प्रति लेशमात्र भी द्वेष का भाव न रखते हुए हम सत्य में दृढ़विश्वास रखें और चाहे हमारे प्राण चले जाएँ परन्तु देश की एकता को टूटने न दें। इसके अतिरिक्त लिंकन के जीवन से हमें यह प्रेरणा भी मिलती है कि दृढ़संकल्प तथा परिश्रम के बल पर असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।
3. (क) सन् 1492 में (ख) सन् 1833 में (ग) सन् 1809 में
   (घ) सन् 1860 में (ङ) सन् 1865 में (च) सन् 1854 में

भाषा और व्याकरण

1. (क) अब्राहम की माँ द्वारा उसे पढ़ना-लिखना सिखाया गया।
   (ख) अब्राहम के पिता द्वारा अपना नया घर बनवाया गया।
   (ग) अब्राहम के द्वारा कुश्तियों में कई पुरस्कार दिए गए।
   (घ) अब्राहम लिंकन द्वारा रिपब्लिकन पार्टी की ओर से चुनाव लड़ा गया।
   (ङ) दक्षिणी राज्यों द्वारा युद्ध का बिगुल बजा दिया गया।
2. अमानवीय – प्रथा खेतिहर – मजदूरी
   राजनीतिक – गतिविधियाँ विषम – समस्याएँ
   दयनीय – दशा
3. **शोक में डूबना** – अपने चाचा की मृत्यु का समाचार सुनकर वहाब शोक में डूब गया।

   आत्मा को झकझोरना – नशे में गाड़ी चला रहे ड्राइवर को होश आने पर जब यह पता चला कि उसकी गाड़ी के नीचे आकर एक आदमी मर गया है, तो इस बात ने उसकी आत्मा को झकझोर दिया।

   आँखों पर विश्वास न होना – जब जादूगर ने खाली टोपी में से जिंदा खरगोश निकालकर दिखाया तो हमें अपनी आँखों पर विश्वास न हुआ।

   बढ़-चढ़कर भाग लेना – हमें अपने विद्यालय की हर गतिविधि में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

   विद्रोह का बिगुल बजा देना – अंग्रेजों के अत्याचार बढ़ जाने पर मंगल पांडे ने विद्रोह का बिगुल बजा दिया।

   आँख-मिचौनी चलना – बरसात के दिनों में सूरज और बादलों की आँख-मिचौनी चलती रहती है।

   जादू का-सा प्रभाव होना – इंदिरा जी जब भाषण देती थीं तो उसका जादू का-सा प्रभाव होता था।

   दिन-रात एक करना – अच्छे विद्यार्थियों को सफलता पाने के लिए दिन-रात एक कर देना चाहिए।

7 – कामचोर

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (ब), (घ) (स), (ङ) (द)
2. (क) बच्चों को अब्बा द्वारा बताए गए कार्य इस प्रकार थे— दरी साफ करना, आँगन से कूड़ा हटाना, पेड़ों को पानी देना आदि।

   (ख) झाड़ू का हश्र यह हुआ कि एक ही झाड़ू होने के कारण बच्चों की छीना-झपटी में, क्षण-भर में झाड़ू के पुर्जे उड़ गए।

   (ग) कीचड़ में सने बच्चों को नहलाकर कपड़े बदलवाने के लिए पास के बँगलों से नौकर बुलवाए गए।

   (घ) पेड़ों को पानी देने के लिए पानी लेने पर बच्चों में घमासान मच गया। पहले तो वे लात-घूँसों से लड़े, फिर अपने-अपने बरतन से वार करने लगे और एक-दूसरे का बुरा हाल कर दिया।

   (ङ) दिन-भर की भूखी भेड़ों ने दाने का सूप देखकर भगदड़ मचा दी, जिससे सूप बिखर गया। सूप के पीछे दौड़ती भेड़ों के रास्ते में जो कुछ भी आया, उन्होंने उसे तहस-नहस कर डाला।

   (च) घर के सब सामान को तहस-नहस हुआ देखकर अम्मा ने अपना सिर पीट लिया।

   (छ) अम्मा बच्चों को काम करने के लिए इसलिए मना करती थीं, क्योंकि बच्चे बहुत शैतान थे और वे कोई भी काम ठीक से नहीं कर सकते थे।
3. (क) अम्मा ने अब्बा से। (ख) अम्मा ने अब्बा से।
   (ग) अब्बा ने बच्चों से। (घ) अब्बा ने बच्चों से।
   (ङ) अब्बा ने बच्चों से।

भाषा और व्याकरण

1. खयाल – विचार फरमान – आदेश
   मिसाल – उदाहरण काबू – अधिकार, वश में करना
   प्रलय – विनाश तनख्वाह – वेतन
2. **याचना** = माँगने हेतु प्रार्थना — भिखारी ने सेठ से सहायता के लिए याचना की।

   कामचोर = काम से जी चुराने वाला — इस लड़के से किसी भी काम को कहो, यह कुछ करता ही नहीं। लगता है कि यह पक्का कामजोर है।

   फरमान = आदेश — बादशाह ने अपराधी को पकड़ लाने का फरमान सुनाया।

   कतार = पंक्ति — प्रार्थना के लिए सब बच्चे कतार में खड़े होते हैं।

   तूफान = बहुत तेज आँधी, बवंडर — कल आए तूफान ने सैकड़ों लोगों को बरबाद कर दिया।

8 – नीलू

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (ब), (ग) (स), (घ) (ब), (ङ) (स), (च) (स)
2. (क) नीलू को उसकी प्रिय खाद्य-वस्तु फेंककर देने पर वह उसकी ओर देखता तक नहीं था।

(ख) लोग लूसी को मोटर-स्टॉप वाली दुकान पर भेजते थे क्योंकि शीतकाल में वहाँ का रास्ता बर्फ से ढक जाता था जिसमें लूसी ही अपनी सहज चेतना के कारण मार्ग ढूँढ़कर वहाँ से खाद्य-सामग्री ला पाती थी।

(ग) माँ के अभाव में लूसी के बच्चे के अधिक रोने पर लेखिका ने उसे कोमल ऊन और अधबुने स्वेटर की डलिया में रखकर, माँ की उष्णता का भ्रम दिया।

(घ) हिंसक और क्रोधी भूटिए बाप और आखेटप्रिय अल्सेशियन माँ से जन्म पाकर भी नीलू में हिंसा प्रवृत्ति का कोई चिह्न नहीं था। यह उसके स्वभाव की ऐसी विशेषता थी जिसे देखकर लोग आश्चर्यचकित हो जाते थे।

(ङ) कुत्ते भाषा नहीं जानते, फिर भी वे ध्वनि के आधार पर अपने स्वामी या अन्य लोगों की बातें जान लेते हैं। जैसे बाहर या रास्ते में घूमते नीलू से यदि कोई कह देता कि ''गुरु जी तुम्हें ढूँढ़ रही थीं नीलू'', तो वह तुरंत चहारदीवारी कूदकर लेखिका के कमरे के सामने आकर खड़ा हो जाता था।

(च) खरगोशों को बचाने के लिए रात-भर ओस में खड़ा रहने के कारण सर्दी लगने से नीलू को न्यूमोनिया हो गया। इसी रोग के चलते नीलू मृत्यु को प्राप्त हो गया।

भाषा और व्याकरण

शब्द	*उपसर्ग*	*मूल शब्द*
सकुशल =	स	+ कुशल
अचानक =	अ	+ चानक
असमर्थ =	अ	+ समर्थ
अमृत =	अ	+ मृत
असफल =	अ	+ सफल
सदर्प =	स	+ दर्प

शब्द	*मूल शब्द*	*प्रत्यय*
पर्वतीय =	पर्वत	+ ईय
तत्परता =	तत्पर	+ ता
विशेषता =	विशेष	+ ता
पराजित =	पराजय	+ इत
उष्णता =	उष्ण	+ ता
कृतज्ञता =	कृतज्ञ	+ ता

9 – खूनी हस्ताक्षर

कविता बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (अ), (घ) (अ), (ङ) (द)
2. (क) सुभाष ने देश की स्वतंत्रता की खातिर लोगों से कुर्बानी माँगी थी।

   (ख) सुभाष के द्वारा आजादी के लिए प्राणों की माँग करने पर जनता इंकलाब के नारे लगाने लगी और लोग आजादी के लिए अपना रक्त बहाने के लिए तैयार रहने का आश्वासन देने लगे।

   (ग) अपनी बाँह ऊँची करके सुभाष ने जनता से कहा कि तुम मुझे अपना खून देना और उसके बदले में भारत की आजादी मुझसे ले लेना।

   (घ) सुभाष के द्वारा खून माँगने पर युवक ''हम देंगे खून'' कहते हुए युद्ध में जाने को तत्पर दिखाई देने लगे।

   (ङ) सुभाष ने आगे आने के लिए ऐसे लोगों का आह्वान किया जो उनके आह्वान-पत्र पर अपने खून से हस्ताक्षर कर सकें और हँसकर अपने सिर पर कफन बँधवा सकें।

   (च) सुभाष की सभा में इंकलाब के नारे गूँज रहे थे।

   (छ) इस कविता का शीर्षक 'खूनी हस्ताक्षर' इसलिए दिया गया है क्योंकि बिना रक्त बहाए, बिना कुर्बानी दिए आजादी प्राप्त नहीं हो सकती।
3. (क) नेताजी सुभाष नौजवानों से स्पष्ट रूप से कहते हैं कि हमें जो आजादी प्राप्त होगी वह आप लोगों के प्राणों के बलिदान से ही प्राप्त होगी।

   (ख) नेताजी के कहने पर जब वीर नौजवानों ने उनके अह्वान-पत्र पर अपने खून से हस्ताक्षर किए तो समस्त बह्मांड ने भारतीयों के आजादी प्राप्त करने के लिए नए विश्वास को देखा और इस प्रकार भारतीय महावीरों ने अपने खून से नए इतिहास की रचना की।

भाषा और व्याकरण

1. (क) रक्तवर्ण (ख) जयमाला (ग) आजानुभुज (घ) नीतिज्ञ (ङ) अशुद्ध
2. खून - पानी, आजादी - गुलामी जीवन - मृत्यु
   स्वतंत्रता - परतंत्रता विश्वास - अविश्वास

10 – दोहा एकादश

कविता बोध

1. (क) (ब), (ख) (ब), (ग) (ब), (घ) (द)
2. (क) कबीर के दोहों की भाषा सधुक्कड़ी है।

   (ख) कबीर भक्तिकाल के कवि माने जाते हैं।

   (ग) दोहे के अनुसार वृक्ष को काटकर जहाज बनाया जाता है।

   (घ) सज्जन की संगति कभी बेकार नहीं जाती है।

   (ङ) हमें सदैव ऐसे वचन बोलने चाहिए जो हमें भी अच्छे लगें और अन्य लोगों को भी।
3. (क) कबीर ने गुरु को कुम्हार तथा शिष्य को घड़ा इसलिए कहा है कि जैसे कुम्हार घड़े को घड़ते समय उसके दोष दूर करता जाता है उसी प्रकार गुरु भी शिष्य को शिक्षित करते समय उसके दोष दूर करता रहता है।

   (ख) धन-संग्रह के संबंध में कबीर के विचार हैं कि मनुय चाहे गाय, हाथी, घोड़ों आदि के रूप में कितने ही प्रकार के धन संग्रह कर ले, लेकिन जब उसे संतोषरूपी धन की प्राप्ति हो जाती है तो अन्य सब धन धूल के समान हो जाते हैं। हम कबीर के इन विचारों से पूर्णतया सहमत हैं।

   (ग) सबसे बड़ा धन संतोष को माना गया है क्योंकि जब तक मनुष्य असंतुष्ट बना रहेगा, वह और अधिक चाहता रहेगा और याचक बना रहेगा। लेकिन जब उसे संतोषरूपी धन प्राप्त हो जाएगा तो उसकी याचना की आदत समाप्त हों जाएगी और वह वास्तविक धनी कहलाएगा।

   (घ) जिस प्रकार पारसमणि के स्पर्श से लोहा भी सोना बन जाता है, उसी प्रकार संतों की संगति से मनुष्य ज्ञान प्राप्त करके श्रेष्ठ बन जाता है। अत: संतों की संगति कभी निष्फल नहीं जाती है।

   (ङ) सभी प्रकार के लोभ-लालच, संतोष प्राप्त होने पर व्यर्थ हो जाते हैं।

भाषा और व्याकरण

आज-बाज, मर्म-शर्म, कवि-हवि, अभी-तभी।

11 – मोर की कहानी

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (द)
2. (क) राष्ट्रीय पक्षी का ऊँचा ओहदा पाने पर मोर को अच्छा लगा।

   (ख) मोर का शिकार किया जाना अब कम जरूर हुआ है, लेकिन रुका नहीं है।

   (ग) इस दुनिया को बदलने की क्षमता बच्चे रखते हैं।

   (घ) लेखक की इच्छा मोर से मुलाकात करने की थी। उसने इस इच्छा को मौका मिलते ही पूरा किया।

   (ङ) शहर में आबादी बढ़ने से पक्षियों की संख्या घटती जा रही है। इसका कारण यह है कि नई बस्तियाँ बसाने के लिए जंगल और खेत मिटा दिए जाते हैं और पेड़ काटे जाते हैं, जिससे पक्षियों के आवास नष्ट हो जाते हैं।

   (च) पक्षी हमारी अनेक प्रकार से सहायता करते हैं; जैसे- खेती को नुकसान पहुँचाने वाले कीड़े-मकोड़े और उनकी इल्लियों को नष्ट करके, टिड्डियों को नष्ट करके, चूहों का नाश करके और बीजों व फलों का विकिरण करके। इस प्रकार वे हमारे दोस्त हुए।

(छ) मोर ने मानव के विकास की दिशा को इसलिए गलत बताया क्योंकि मनुष्य जो कीटनाशक दवाएँ फसलों पर छिड़कता है वे दवाएँ पक्षियों को अधिक मारती हैं और मनुष्यों के पेट में पहुँचकर उन्हें भी हानि पहुँचाती हैं। इस प्रकार विकास के नाम पर चारों तरफ बरबादी ही फैल रही है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) एक लीटर (ख) चालीस (ग) दो लीटर (घ) चार (ङ) एक मीटर
   (च) चालीस (छ) दो किलो (ज) पाँच सौ वर्ग मीटर (झ) पाँच किलो
2. पर्यावरण प्रदूषण के कारण आज पक्षियों की अनेक प्रजातियाँ **लुप्त** हो गई हैं।
   मोर पक्षियों की दुनिया का **शहंशाह** है।
   हर इमारत की **बुनियाद** मजबूत होनी चाहिए।
   बड़े लोग नौकरों के अच्छा काम करने पर उन्हें **इनाम-इकराम** भी देते हैं।
   समुद्र की **अथाह** गहराई में सब-कुछ समा जाता है।
   चाणक्य एक उच्चकोटि के **अर्थशास्त्री** भी थे।

12 – अँधेर नगरी

पाठ बोध

1. (क) (द), (ख) (स), (ग) (अ), (घ) (स), (ङ) (ब), (च) (स)
2. (क) महंत अँधेर नगरी को छोड़कर इसलिए चले गए क्योंकि वे समझ गए थे कि जिस नगरी में हर चीज टके सेर बिकती हो, वहाँ न्याय व्यवस्था ठीक नहीं हो सकती, अत: उनके साथ कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है।
   (ख) सिपाही गोवर्धन दास को इसलिए पकड़कर ले गए क्योंकि वह मोटा था और उसके गले में फाँसी का फंदा डाला जा सकता था।
   (ग) महंत ने यह कहकर कि इस शुभ घड़ी में जो मरेगा वह सीधा स्वर्ग जाएगा, राजा को उकसा दिया। यह सुनते ही राजा खुद फाँसी पर चढ़ गया और इस प्रकार महंत ने गोवर्धन दास को फाँसी पर चढ़ने से बचाया।
   (घ) राजा स्वयं फाँसी पर इसलिए लटक गया क्योंकि महंत ने उसे यह बताया कि इस समय ऐसी शुभ घड़ी में जो मरेगा वह सीधा स्वर्ग जाएगा।
   (ङ) बकरी वाला फरियादी था। वह राजा के पास यह फरियाद लेकर आया था कि कल्लू बनिए की दीवार गिर पड़ी और उसके नीचे दबकर मेरी बकरी मर गई। मुझे न्याय मिले।
   (च) बकरी के मरने के अपराध में कोतवाल को फाँसी की सजा का हुक्म हुआ।
   (छ) महंत ने अपने शिष्य के कान में कहा होगा– "तुम भी फाँसी चढ़ने को कहना, मैं भी कहूँगा। बाकी मामला मैं सँभाल लूँगा।"
3. (क) गोवर्धन दास ने हलवाई से।
   (ख) महंत ने गोवर्धन दास से।
   (ग) सिपाही ने गोवर्धन दास से।
   (घ) राजा ने कल्लू बनिए से।
   (ङ) कसाई ने राजा से।

भाषा और व्याकरण

1. बेअसर, बेकाबू, बेचैन, बेपरवाह, बेहिसाब, बेहोश।
2. अच्छा – अच्छाई, खराब – खराबी
   अधिक – अधिकता, मोटा – मोटाई
   सच्चा – सच्चाई, बूढ़ा – बुढ़ापा
   बुरा – बुराई, आजाद – आजादी
3. भाजी = सब्जी, फरयादी = प्रार्थी
   ज्यादा = अधिक, खयाल = विचार
   कसूर = दोष, अपराध, नाटक = अभिनय
   बेकसूर = निरपराध, सबब = कारण, वजह

13 – महायज्ञ

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (स), (ङ) (द)
2. (क) बहुत तंगी के कारण सेठ को अपना यज्ञ बेचने का फैसला करना पड़ा।
   (ख) धन्ना सेठ की पत्नी ने कुत्ते को रोटियाँ खिलाने को महायज्ञ कहा क्योंकि निस्वार्थ भाव से किया गया कर्म ही सच्चा यज्ञ अर्थात् महायज्ञ होता है।
   (ग) सेठ ने एक-एक करके चारों रोटियाँ कुत्ते को इसलिए खिला दीं क्योंकि वह बहुत कमजोर और भूखा था।
   (घ) सेठ ने अपना महायज्ञ इसलिए नहीं बेचा क्योंकि भूखे को अन्न देना सभी का कर्तव्य है और उन्हें इस मानवोचित कर्तव्य का मूल्य लेना उचित न लगा।
   (ङ) जब सेठ ने घर लौटकर अपनी पत्नी को सारी कथा सुनाई, तो सेठानी की वेदना गायब हो गई, उसका हृदय उल्लासित हो उठा और उसने सेठ के चरणों की धूल माथे से लगाते हुए कहा कि धीरज रखो, भगवान सब भली करेंगे।
   (च) जब सेठानी दीया जलाने उठी तो रास्ते में उसे किसी चीज की ठोकर लगी। उसने दीया जलाकर देखा कि दहलीज के सहारे लगे फर्श के पत्थर का चौका ऊपर को हो गया है। उस पर लोहे का कुंदा लगा रहता था। ऊपर उठने के कारण उससे सेठानी को ठोकर लग गई थी। सेठ ने चौके को ठीक तरह जमाने के लिए उसमें लगे कुंदे को उठाया, तो उन्हें नीचे तहखाने की सीढ़ियाँ दिखाई दीं। इस प्रकार सेठ-सेठानी को तहखाने का पता चला।
   (छ) अंत में सेठ ने भगवान से प्रार्थना की कि हे भगवान! मेरी कर्त्तव्य-बुद्धि को जगाए रखना। स्वयं कष्ट सहकर दूसरों के कष्ट कम कर सकूँ ऐसी बुद्धि और शक्ति मुझे देना।
3. (क) धनी सेठ का द्वार सबके लिए खुला था। उनसे जो कोई भी कुछ माँगता था, उसे वही प्राप्त हो जाता था।
   (ख) धन्ना सेठ की पत्नी ने जब सेठ द्वारा कुत्ते को रोटी खिलाए जाने को महायज्ञ कहा और उसे खरीदना चाहा तो सेठ मानो आसमान से गिरे। उनकी दृष्टि में भूखे को अन्न देना तो सभी का कर्त्तव्य था, उसमें यज्ञ जैसी कोई बात नहीं थी।
   (ग) मनुष्य को अपने जीवन में कभी सुख तो कभी दु:ख देखना पड़ता है क्योंकि सभी दिन एक समान नहीं गुजरते, मनुष्य को कभी अच्छे तो कभी बुरे दिन देखने ही पड़ते हैं।
   (घ) अपनी किसी इच्छा की पूर्ति के लिए धन खर्च करके किया जाने वाला यज्ञ सच्चा यज्ञ नहीं होता है। बिना किसी स्वार्थ के दूसरों के हित के लिए किया गया कर्म ही सच्चा यज्ञ अर्थात् महायज्ञ कहलाता है।

भाषा और व्याकरण

1. महामूर्ख, महापुण्य, महासागर, महापंडित, महाशक्ति, महाविनाश।
2. **आसमान से गिरना** = बुरी तरह चौंकना – अपनी नवविवाहिता पुत्री की मृत्यु का समाचार सुनकर असलम मानो आसमान से गिरा।
   हालत पतली होना = गरीबी की अवस्था आ जाना – व्यापार में लगातार घाटे के चलते सेठ मनोहर की हालत पतली हो गई है।
   मुँह फेर लेना = साथ छोड़ देना – बुरे वक्त में मित्र और रिश्तेदार भी मुँह फेर लेते हैं।
   दिन बदलना = अच्छा समय आना – अशोक की नौकरी लगते ही उसके परिवार के दिन बदल गए हैं।
   पेट में चूहे कूदना = बहुत तेज भूख लगना – खेत में खूब परिश्रम करने के बाद किसान के पेट में चूहे कूदने लगते हैं।
   पेट कमर से लगना = बहुत भूखा होना – लगता है इस भिखारी ने कई दिनों से खाना नहीं खाया है क्योंकि इसका पेट कमर से लग रहा है।

14 - पथिक से

कविता बोध

1. (क) (अ), (ख) (स), (ग) (ब), (घ) (स)
2. (क) सुंदरता को मृग-तृष्णा इसलिए कहा गया है कि जिस प्रकार मृग-तृष्णा में मृग भ्रमित होकर इधर-उधर भागा फिरता है और अपने पथ से विचलित हो जाता है, उसी प्रकार मनुष्य

सुंदरता के मोहजाल में फँसकर अपने कर्तव्य-मार्ग से विचलित हो जाता है।

(ख) कवि ने मनुष्य के जीवन की पहली विफलता, कर्तव्य-पथ पर चलने वाले राही के स्वप्नों के मिट जाने को बताया है।

(ग) जब कर्तव्य-पथ का राही अपने मार्ग पर चलने को तैयार होता है तो उसकी प्रेयसी उसे तिलक लगाकर, भरे नयनों से विदा करती है। उस समय पथिक इस उलझन में फँस जाता है कि वह प्रेयसी के प्रेम की ओर ध्यान दे या अपने कर्तव्य का निर्वाह करे। यही कर्तव्य और प्रेम की उलझन है।

(घ) जब देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने की आवश्यकता पड़े तो ऐसी परिस्थिति में पथिक को असमंजस में नहीं पड़ना चाहिए वरन् अपना बलिदान देने को तुरंत तैयार हो जाना चाहिए।

(ङ) जब अपने ही पराए बन जाते हैं तब मनुष्य के मन पर घोर निराशा छा जाती है और वह अपने को बिलकुल अकेला महसूस करता है।

(च) जब अपने भी परायों जैसा व्यवहार करने लगते हैं तब राही एकाकीपन का अनुभव करता है।

3. (क) कवि राही को सचेत करता है कि उसे सुंदरता के झूठे मोहजाल में फँसकर अपने कर्तव्य-पथ को नहीं भूलना चाहिए।

(ख) कवि राही से कहता है कि जीवन में निराशा के पल आने पर भी हमें आशा नहीं छोड़नी चाहिए एवं अपने कार्य में लगे रहना चाहिए।

(ग) देश को स्वतंत्रत कराने के लिए देशप्रेमियों को अपने प्राणों की बलि भी देनी पड़ती है। इसलिए जब मातृभूमि स्वतंत्रतारूपी यज्ञ में प्राणों की आहुति माँगे तो पथिक को इसके लिए तैयार रहना चाहिए।

भाषा और व्याकरण

1. बचपन, दीवानापन, लड़कपन, सीधापन, सूनापन, दोहरापन।
2. **पथिक** – राही, राहगीर, बटोही।
   आँख – नेत्र, नयन, चक्षु।
   नदी – सरिता, आपगा, दरिया।
   आकाश – नभ, गगन, आसमान।
   बादल – मेघ, जलधर, वारिधर।

15 – हृदय परिवर्तन

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (अ), (घ) (द), (ङ) (ब)
2. (क) अशोक के मुख पर चिंता की छाया इसलिए थी कि उन्हें कलिंग पर विजय प्राप्त नहीं हो पा रही थी।

(ख) संवाददाता यह समाचार लाया था कि कलिंग के महाराज मारे जा चुके हैं।

(ग) शस्त्र-सज्जित स्त्रियों को देखकर अशोक के सैनिक मंत्र-मुग्ध से हो गए और अशोक भी चकित रह गए।

(घ) संवाददाता की बात सुनकर अशोक इसलिए उत्तेजित हो गए क्योंकि कलिंग के महाराज के मारे जाने के बावजूद कलिंग को अभी भी जीता नहीं गया था।

(ङ) पद्मा के ललकारने पर भी अशोक ने युद्ध करना इसलिए स्वीकार नहीं किया क्योंकि शास्त्र स्त्रियों पर शस्त्र चलाने को मना करता है।

(च) पद्मा की बात सुनकर अशोक का सिर इसलिए झुक गया क्योंकि कलिंग युद्ध में होनेवाले नरसंहार के लिए वे ही दोषी थे।

(छ) बौद्ध भिक्षु ने अशोक से निम्नलिखित प्रतिज्ञाएँ कराईं –

(i) जब तक मेरे शरीर में प्राण रहेंगे, अहिंसा ही मेरा धर्म होगा।

(ii) मैं सबसे प्रेम करूँगा और मेरी करुणा का सदाव्रत सबको मिलेगा।

(iii) मैं जब तक जीवित रहूँगा, अपनी प्रजा की भलाई करूँगा। सब प्राणियों को सुख और शांति पहुँचाने का प्रयत्न करूँगा। सब धर्मों को समान दृष्टि से देखूँगा।

3. (क) द्वारपाल ने अशोक से।

(ख) अशोक ने संवाददाता से।

(ग) अशोक ने अपने सैनिकों से।

(घ) अशोक ने पद्मा से।

(ङ) अशोक ने बौद्ध भिक्षु से।

भाषा और व्याकरण

1. (i) वह कक्षा में प्रथम आया है।
   वह कक्षा में प्रथम आया है?
   वह कक्षा में प्रथम आया है!

   (ii) लड़का छत से गिर गया।
   लड़का छत से गिर गया?
   लड़का छत से गिर गया!
2. *मंत्र-मुग्ध होना* = *मोहित हो जाना* – राजकुमारी का रूप देखकर राजकुमार मंत्र-मुग्ध हो गया।

   सिंदूर पोंछ देना = *स्त्री को विधवा बना देना* – कारगिल युद्ध ने न जाने कितनी स्त्रियों का सिंदूर पोंछ दिया।

   सदा के लिए आँखें बंद कर लेना = *मर जाना* – अपने पुत्रों को हमेशा परिश्रम करने की सलाह देकर पिता ने सदा के लिए आँखें बंद कर लीं।

   लोहा लेना = मुकाबला करना – हमारी सेना शत्रु से हमेशा लोहा लेने को तैयार रहती है।

   गोद सूनी कर देना = *संतान का मारा जाना* – बाढ़ की विभीषिका हर वर्ष न जाने कितनी माँओं की गोद सूनी कर देती है।

   मृत्यु की गोद में सो जाना = *मर जाना* – एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करने के प्रयास में न जाने कितने लोग मृत्यु की गोद में सो गए।

16 – पुरस्कार

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (स), (घ) (ब), (ङ) (अ)
2. (क) कोशल देश में कृषि उत्सव के दिन महाराज किसान बनकर जमीन के चुने हुए टुकड़े में हल चलाते और बीज बोते थे। जमीन के मालिक को चार गुणा रकम दे दी जाती थी और खेत राजा के हो जाते थे।

(ख) राजा द्वारा दिए गए सोने के सिक्कों को मधुलिका ने राजा पर ही वार दिया।

(ग) अपनी जमीन खोने के बाद मधुलिका दूसरे के खेतों में कड़ी मेहनत करने लगी।

(घ) राजकुमार अरुण मधुलिका के पास इसलिए आया था ताकि मधुलिका की सहायता से वह किले पर आक्रमण करने के लिए किले के पास वाली जमीन प्राप्त कर सके और इस प्रकार कोशल पर अधिकार कर सके।

(ङ) मधुलिका ने मनचाहा पुरस्कार प्राणदंड माँगा क्योंकि उसने कोशल के साथ गद्दारी की थी।

(च) प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य देश-प्रेम की भावना को प्रकट करना है। प्रस्तुत कहानी के माध्यम से लेखक ने यह बताने का प्रयास किया है कि हमें देश को सर्वोपरि रखना चाहिए।

3. (क) मंत्री ने मधुलिका से।

(ख) अरूण ने मधुलिका से।

(ग) मधुलिका ने राजा से।

(घ) मधुलिका ने सेनापति से।

(ङ) मधुलिका ने राजा से।

भाषा और व्याकरण

1.

बूढ़ा	– पुल्लिंग	बेटा	– पुल्लिंग
लड़की	– स्त्रीलिंग	रानी	– स्त्रीलिंग
माता	– स्त्रीलिंग	श्रीमान	– पुल्लिंग
गाय	– स्त्रीलिंग	साधु	– पुल्लिंग

17 – तीर्थयात्रा

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (स), (घ) (अ), (ङ) (द)

2. (क) लाजवंती को अपने बेटे की इतनी चिंता इसलिए रहती थी क्योंकि उसके पहले उत्पन्न हुए पुत्र मर चुके थे और केवल यही एक जीवित पुत्र था।
(ख) जब वैद्यजी ने हेमराज के पिता को बुलवाने को कहा, तो लाजवंती इसलिए सहम गई क्योंकि उसके मन में यह डर बैठ गया कि हेमराज की तबियत ज्यादा खराब है और वह जल्दी ठीक होने वाला नहीं है।
(ग) लाजवंती अपनी मानता को पूरा नहीं कर पाई, फिर भी वह इसलिए खुश थी क्योंकि उसने मानता पूरी करने के लिए एकत्र किया दो सौ रुपया हरो की सहायता के लिए दे दिया। इस त्याग का सुख पाकर ही वह खुश थी।
(घ) वैद्यजी के शब्द सुनकर लाजवंती और रामलाल दोनों के प्राण इसलिए सूख गए क्योंकि वैद्यजी ने उनसे यह कह दिया था कि आज की रात बड़ी भयानक है। सावधान रहना — बुखार एकाएक उतरेगा।
(ङ) हरो की बात सुनकर लाजवंती ने यह निर्णय लिया कि वह तीर्थयात्रा पर नहीं जाएगी वरन् तीर्थयात्रा के लिए एकत्र किए गए अपने रुपए हरो को दे देगी ताकि उसकी लड़की की शादी हो सके।
(च) इस कहानी का नाम 'तीर्थयात्रा' इसलिए रखा गया है क्योंकि इसमें दर्शाया गया है कि किसी दुखी व गरीब की सेवा करना ही तीर्थयात्रा करने के समान है।

3. (क) मरुस्थलों में रेत की चमक के भ्रम से हरिण उसे जल से भरी नदी समझकर उसके पास अपनी प्यास बुझाने पहुँचता है तो उसे वहाँ मात्र रेत मिलती है और कुछ दूरी पर, फिर उसे उसी तरह भ्रामक जलधारा दिखाई देने लगती है और अपनी मंजिल फिर दूर लगने लगती है। इसे मृग-मरीचिका कहते हें। इसी प्रकार की दशा लाजवंती की हुई। वह तो समझ रही थी कि उसका पुत्र जल्दी ही ठीक हो जाएगा, परंतु जब वैद्यजी ने कहा कि बुखार हानिकारक भी हो सकता है अत: इसके पिता को बुलवा लो, तो लाजवंती सहम गई और सोचने लगी कि उसकी मंजिल अब भी दूर ही है।
(ख) जब संध्या के समय गायों को दुहने का समय होता है तो अपने खाद्य से संतुष्ट होने के कारण उनके थनों में उतरा दूध बूँद-बूँद करके टपकने लगता है। इसी प्रकार पुत्र का बुखार उतरा जानकर उसकी कुशलता से संतुट लाजवंती के चेहरे से प्रसन्नता टपक रही थी।
(ग) जैसे बागों में फूलों पर बुलबुल प्रसन्न होकर चहकती फिरती है, उसी प्रकार बुखार से मुक्त होकर हेमराज अपने आँगन में शोर मचाता हुआ फिरता रहता था।
(घ) मनुष्य जब किसी से कुछ पाता है या लेता है तो उसे कुछ खुशी मिलती है; लेकिन वह खुशी उस सुख के मुकाबले कुछ भी नहीं होती, जो किसी के लिए त्याग करने, उसकी सेवा-सहायता करने से प्राप्त होता है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) यहाँ (ख) प्राय: (ग) प्यार से (घ) डरी-डरी सी (ङ) एकाएक
(च) डबडबा
2. (क) विद्यार्थी = विद्या + अर्थी
(ख) परमेश्वर = परम + ईश्वर
(ग) सहानुभूति = सह + अनुभूति
(घ) यद्यपि = यदि + अपि
(ङ) महौषधि = महा + औषधि

18 - कुटीर

पाठ बोध

1. (क) (स), (ख) (ब), (ग) (अ), (घ) (द), (ङ) (स), (च) (ब)
2. (क) सवेरे घर से निकलते समय गोकुल के पैर इसलिए ढीले पड़ गए क्योंकि उसके सामने खाली घड़ा आ गया था, जो कि एक अपशकुन होता है।
(ख) बुद्धन पहले स्वस्थ व्यक्ति था परंतु पक्षाघात ने उसे निष्क्रिय बना दिया था। वह सच्चाई और ईमानदारी पर विश्वास करता है और यही शिक्षा अपने पुत्र को भी देता है। वह उधार माँगने को भीख माँगने के समान समझता है। वह किसी भी विपत्ति के समय अपनी नीयत खराब न करने का दृढ़निश्चय रखता है। इस प्रकार बुद्धन एक ईमानदार, सच्चा, स्वाभिमानी, मुसीबत में भी विचलित न होने वाला दृढ़निश्चयी व्यक्ति है।
(ग) गोकुल को रास्ते में पड़े मिले बटुए में बयालीस रुपए, एक अठन्नी, एक घिसी हुई बेकाम दुअन्नी, दस या बारह आने पैसे, एक कागज तथा एक चाँदी का छल्ला मिला।
(घ) बुद्धन ने अपने बेटे गोकुल को सीख दी कि— जिस तरह चातक अपने प्राण देकर भी मेघ के सिवा किसी दूसरे का जल न लेने का व्रत नहीं तोड़ता, उसी तरह तू भी ईमानदारी की टेक न छोड़ना और चाहे जितनी बड़ी विपत्ति पड़े, अपनी नीयत न डुलाना।
(ङ) भूखे बुद्धन को तृप्ति का अनुभव इसलिए हुआ क्योंकि गोकुल को महतो को ईमानदारी से बटुआ लौटाने की बात सुनकर, अपने बेटे के इस काम से उसकी आत्मा तृप्त हो गई थी।
(च) महतो को अपना बटुआ मिलने पर उसे ऐसा अनुभव हुआ जैसे उसके शरीर से निकले हुए प्राण फिर वापस आ गए हैं।

3. (क) बुद्धन का आधा शरीर पक्षाघात के कारण निष्क्रिय, निर्जीव था और आधा शरीर सक्रिय था, जिसे देखकर ऐसा लगता था मानो जीवन और मृत्यु ने उसके शरीर को आपस में आधा-आधा बाँट लिया हो।
(ख) मनुष्य के सुख के दिन बहुत जल्दी बीत जाते हैं, लेकिन दुख के समय वही दिन भयंकर गर्मियों के लम्बे दिनों की भाँति काटे नहीं कटते।
(ग) बुद्धन के घर की दीवारें जर्जर अवस्था में थीं, परंतु उनमें रोशनदान न थे; लेकिन उनमें पड़ी दरारों को देखकर लगता था कि वे अपनी रोशनदान की कमी को इन दरारों से पूरा करना चाह रही हैं अर्थात् उनमें बहुत बड़ी-बड़ी दरारें पड़ी हुई थीं।
(घ) महतो ने जब अपना बटुआ टटोलने के लिए अपनी जेब पर हाथ रखा तो बटुआ वहाँ नहीं था। यह महसूस करते ही वह ऐसे जड़वत् हो गए मानो उनके हृदय ने ही धड़कना बंद कर दिया हो।
(ङ) जब गोकुल से महतो को बटुआ दिखाकर उनसे पूछा कि यह तुम्हारा है, तो महतो ने जीवन का अनुभव किया, लेकिन जब उन्हें अपनी जेब में बटुआ नहीं मिला था तो वे मृत्यु का अनुभव कर रहे थे। इस प्रकार उनके मन को जीवन और मृत्यु की लड़ाई महसूस हो रही थी।

4. (क) -5 (ख) -3 (ग) -2 (घ) -1 (ङ) -4

भाषा और व्याकरण

गुणवाचक विशेषण	-	काला, सुंदर
परिमाणवाचक विशेषण	-	एक किलो, दो लीटर
संख्यावाचक विशेषण	-	चार, एक दर्जन
सार्वनामिक विशेषण	-	कौन, किसने
व्यक्तिवाचक विशेषण	-	बनारसी, लखनवी

हिंदी कक्षा— 8

1 – मनभावन सावन

कविता बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (ब), (घ) (ब)
2. (क) प्रस्तुत कविता में कवि ने सावन की ऋतु (वर्षा ऋतु) का वर्णन किया है।
(ख) प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि एकता का संदेश देना चाहता है।
(ग) सावन की वर्षा में ताड़ के बड़े-बड़े पत्तों पर वर्षा की बूँदें पड़कर उनसे झिलमिलाती हुई झरती हैं, नीम सुख प्राप्त होने

के कारण झूम-झूमकर सिर हिला रहे हैं, हरसिंगार के फूल झरते हैं और बेला की कलियाँ प्रतिपल बढ़ती हैं।

(घ) सावन की वर्षा होने पर पक्षी आनंदित होकर मंगल गीत गाते हैं।

(ङ) वर्षा की बूँदें धरती पर धाराओं के रूप में पड़ रही हैं।

(च) इस पंक्ति का अर्थ है कि वर्षा की आर्द्रता से सुखी सोन बलाक अपनी आवाज निकालते हुए उड़ रहे हैं।

भाषा और व्याकरण

1. थम-थम, फैले-फैले, लंबी-लंबी, टप-टप, दे-दे, चल-चल।
2. साम्य - साम्यवाद, साम्यवादी।
   समाज - समाजवाद, समाजवादी।
   भोग - भोगवाद, भोगवादी।
   तत्व - तत्ववाद, तत्ववादी।

2 – घीसा

पाठ बोध

1. (क) (द), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (स), (ङ) (ब), (च) (अ)
2. (क) गंगा पार (ख) तरबूज (ग) शनिचर (घ) साबुन।
3. (क) घीसा लेखिका द्वारा पढ़ाए जाने वाले गरीब बच्चों में सबसे होशियार था। उसके पढ़ने, उसे समझने, व्यवहार में स्मरण रखने, पुस्तक स्वच्छ रखने, स्लेट साफ रखने और छोटे-मोटे काम समझदारी से करने जैसे गुण, उसे अन्य बच्चों से भिन्न बनाते थे।

   (ख) घीसा ने गुरु साहब के वापस जाते समय उन्हें गुरु दक्षिणा में तरबूज दिया। सरल और सच्चे मन से एक शिष्य द्वारा गुरु को दी जाने वाली दक्षिणा इसलिए अनूठी थी क्योंकि इसमें मोल का भाव न था, गुरु और शिष्य के मध्य सच्चे स्नेह का भाव था।

   (ग) गुरु साहब ने सभी बच्चों को सफाई का महत्व समझाया, परंतु घीसा पर उसका असर अलग ही दिखाई पड़ा। घीसा को छोड़कर, अन्य बच्चे थोड़ा-बहुत मुँह धोकर जस-के-तस गुरु साहब के सामने आ खड़े हुए। दूसरी ओर, घीसा सफाई के महत्व को समझते हुए साबुन से नहा-धोकर आया।

   (घ) घीसा की मृत्यु की चर्चा करने की हिम्मत लेखिका में इसलिए नहीं है क्योंकि उनके मन में घीसा के प्रति असीम स्नेह था। उसकी याद आते ही उनका मन भर आएगा और वे कुछ नहीं कह पाएँगी।

   (ङ) लेखिका की पाठशाला पीपल के नीचे लगती थी क्योंकि गाँव में पाठशाला के लिए कोई निश्चित स्थान न था।

भाषा और व्याकरण

1. **घनी** छाया — विशेषण हरे **कलम** — विशेष्य
   क्षत-विक्षत **चरण** — विशेष्य **लंबा** आदमी — विशेषण
   इस **खंडहर** — विशेष्य **निठल्ले** लड़के — विशेषण
   दुर्बल हाथ — विशेषण मलिन **शरीर** — विशेष्य
   अंधी बुढ़िया — विशेषण विचित्र **पाठशाला** — विशेष्य
2. **संभवतः** = शायद — हमें देर हो चुकी है, संभवतः हमें ट्रेन न मिले।
   जिज्ञासु = जानने को इच्छुक — जिज्ञासु को ही ज्ञान प्राप्त होता है।
   निठल्ले = बेरोजगार आवारा — रोजगार की कमी के कारण आजकल निठल्ले युवकों की कमी नहीं।
   कोटर = पेड़ के तने में बना गहरा गड्ढा — बरगद के कोटर में चिड़िया का घोंसला था।
   उद्विग्न = बेचैन — पाकिस्तान के हमले की खबर मिलते ही हमारी प्रधानमंत्री उद्विग्न हो उठी थीं।
   अस्थिर = ढुलमुल — अस्थिर विचारों से जीवन नहीं चलता, विचारों में दृढ़ता लानी चाहिए।
   अकारण = बेवजह — दूसरों पर अकारण आक्षेप नहीं लगाने चाहिए।

3 – अनमोल भेंट

पाठ बोध

1. (क) (स), (ख) (द), (ग) (ब), (घ) (स), (ङ) (ब)
2. (क) रायचरण अनुकूल बाबू का नौकर था।

   (ख) नदी के किनारे खेलता बच्चा अचानक गायब हो गया।

   (ग) बच्चे के गायब हो जाने पर लोगों को शंका हो रही थी कि कहीं रायचरण ने बच्चे को निर्वासितों के हाथों न बेच दिया हो।

   (घ) रायचरण अपनी जमीन बेचकर कोलकाता इसलिए आ गया था क्योंकि उसे फलन को शिक्षा दिलवानी थी।

   (ङ) रायचरण नौकरी छोड़कर इसलिए गाँव लौट गया क्योंकि उसे मालकिन ने घर से निकाल दिया था।

   (च) रायचरण अपने पुत्र को अनुकूल बाबू का पुत्र बनाकर इसलिए सौंप आया क्योंकि वह फलन का खर्चा देने तथा उसे आगे पढ़ाने में असमर्थ था।

   (छ) जब फलन ने अनुकूल बाबू से कहा कि पिताजी इसे (रायचरण को) क्षमा कर दीजिए। यदि आप इसे अपने साथ नहीं रखना चाहते तो इसकी थोड़ी-सी पेंशन निर्धारित कर दीजिए, तो इस बात को सुनकर रायचरण अनुकूल बाबू की कोठी से निकलकर चुपचाप कहीं चला गया; क्योंकि इस बात को सुनकर उसे यह विश्वास हो गया था कि फलन ने उसे नहीं बल्कि अनुकूल बाबू को अपना पिता मान लिया है।
3. (क) रायचरण यहाँ अनुकूल बाबू, से कहना चाहता था कि उनका बच्चा रायचरण ने नहीं चुराया बल्कि वह परमात्मा की इच्छा से गायब हुआ, जिस पर अनुकूल बाबू ने विश्वास नहीं किया। यही रायचरण चाहता था।

   (ख) पद्मा नदी के तीव्र वेग से उसमें उठती लहरें उन चंचल और मुँहजोर जलपरियों के समान लग रही थीं जो पद्मा नदी के शोर के रूप में, किनारे पर गाड़ी में बैठे बच्चे को अपनी ओर खेलने के लिए बुला रही थीं।

   (ग) अर्थात् छोटा बच्चा पद्मा नदी की वेगवान लहरों में बह गया है।

   (घ) जब रायचरण फलन को लेकर अनुकूल बाबू के मकान पर पहुँचा तो फलन को देखकर अनुकूल बाबू के हृदय में पुत्र-प्रेम उमड़ आया। लेकिन पिता होने के साथ-साथ वे एक जज भी थे, इसलिए कुछ देर बाद ही उनके हृदय में यह कानूनी विचार आया कि फलन उनका पुत्र है भी या नहीं - इस बात का क्या प्रमाण है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) लड़का शिक्षा योग्य हुआ तो रायचरण अपनी थोड़ी-सी जमीन बेचकर कोलकाता आ गया।

   (ख) रायचरण ने बच्चे को बहलाना चाहा, किंतु वह न माना।

   (ग) वह दोनों हाथ धरती पर टेककर घोड़ा बनता और बच्चा उसकी पीठ पर सवार हो जाता।

   (घ) अनुकूल बाबू ने पत्नी को बहुत समझाया, परंतु माता के हृदय की शंकाएँ दूर नहीं हुईं।

   (ङ) हर व्यक्ति की यही सम्मति थी कि छोटे बच्चे को पद्मा नदी नें अपने आँचल में छिपा लिया है।
2. जज = न्यायाधीश, लुप्त = गायब, आग्रह = जिद, क्रोध = गुस्सा, आभूषण = जेवर, आवेश = जोश।

4 – बाढ़ का बेटा

पाठ बोध

1. (क) (स), (ख) (द), (ग) (ब), (घ) (अ), (ङ) (स)
2. (क) सुकिया, बिसेसर की पत्नी थी।

   (ख) प्रयाग सहनी, बिसेसर के दादा थे।

   (ग) चौरे में नाव पहुँचते ही प्रयाग सहनी पतवार चलाना छोड़ देते थे।

   (घ) बिसेसर धान रोपने के लिए पत्नी की हँसुली बंधक रखकर, पैसे लेकर आया।

   (ङ) बिसेसर के घर से बीस मील की दूरी पर बीज मिलता था।

3. (क) प्रयाग सहनी बाढ़ आने को भगवान की खुशी इसलिए कहते थे क्योंकि बाढ़ आती थी तो मछलियाँ भी लाती थी, जो उनकी आय का साधन थीं।
(ख) बाढ़ का नाम सुनकर बिसेसर पर कोई असर इसलिए नहीं हुआ क्योंकि बाढ़ उसके लिए कोई नई चीज नहीं थी। बचपन से ही वह बाढ़ देखता आया था।
(ग) इस वर्ष गाँव में बाढ़ बड़ी गरज-तरज के साथ आई। लोग अपना सामान और ढोर-डंगर लेकर भागने लगे। पहले पानी गाँव में घुसा, फिर घरों में घुस गया। गाँव का हर घर पानी से घिर चुका था।
(घ) बाढ़ के कारण बिसेसर अपने कपड़े और अनाज न बचा सका। फिर बाढ़ के कारण उसकी फसल बेकार हो गई। उसे अपने घर की सारी व्यवस्था फिर से ठीक करनी पड़ी और खेत को ठीक-ठाक करना पड़ा। इसके अलावा बोने के लिए बीज खरीदने को उसे अपनी पत्नी की हँसुली बंधक रखकर पैसे लाने पड़े।
(ङ) बाढ़ के बाद बिसेसर ने अपना घर व्यवस्थित किया, खेत ठीक-ठाक किया और फिर से धान बोने के लिए उधार के पैसे से बीज लाया।
(च) धान रोपते हुए बिसेसर के मन में उस समय की कल्पनाएँ उठ रही थीं जब ये बीज लहलहा उठेंगे, बढ़ने लगेंगे, फैलने लगेंगे। कार्तिक में छाती-भर धान आएगा और माघ आते ही इन खेतों में सरसों फूलने लगेंगी।
(छ) किसान का काम ऊपर देखने से नहीं चलता, उसका काम भूमि पर परिश्रम करने से चलता है। इसीलिए बिसेसर अपनी पत्नी को ऊपर उड़ते विमानों को न देखने और अपनी जमीन पर ध्यान देने को कहता है।

भाषा और व्याकरण

(क) एक (ख) एक किलो (ग) आधा किलो
(घ) तीस (ङ) सवा मीटर (च) बीस
(छ) चार

5 - चींटी

कविता बोध

1. (क) (अ), (ख) (ब), (ग) (स), (घ) (स), (ङ) (द)
2. (क) पंत जी ने चींटी को 'अक्षय चिनगी' इसलिए कहा है क्योंकि वह हर समय सजग रहकर कार्यरत रहती है और इस प्रकार उसमें कभी समाप्त (क्षय) न होने वाली ऊर्जा विद्यमान रहती है।
(ख) चींटी एक अच्छे नागरिक की भाँति अपनी बाँबी में सभी कर्तव्य पूरे करती है। वह गाय चराती है, बच्चों की निगरानी करती है, सेना के दल बनाकर शत्रु से लड़ती है, वह अपना घर-आँगन और मार्ग साफ-सुथरे रखती है, आदि। चींटी के इन्हीं गुणों के कारण कवि उसे सुनागरिक कहता है।
(ग) चींटी गाय चराने, बच्चों की निगरानी करने, शत्रु का मुकाबला करने कण-कण चुनकर अपना भोजन एकत्र करने, एक नगर के लिए आवश्यक सभी भवनों और रास्तों का अपनी बस्ती के लिए निर्माण करने, घर और अपनी बस्ती के मार्गों को साफ-सुथरा रखने, भविष्य के लिए भोजन एकत्र करने आदि अनेक काम करती है।
(घ) चींटी को सामाजिक प्राणी इसलिए कहा गया है क्योंकि वह एक श्रमजीवी जीव है और एक सुनागरिक की भाँति अपने सामाजिक कर्तव्य निभाती है।
(ङ) चींटी के गुणों का वर्णन करते हुए कवि जिन आदर्शों की ओर संकेत करता है वे इस प्रकार हैं — सामाजिकता, श्रमजीविता, दूरदर्शिता, सजगता आदि।
(च) चींटी कविता के द्वारा पंत जी यह संदेश देना चाहते है कि हमें जीवन में परिश्रम करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।
3. (क) कवि चींटी के व्यक्तित्व की गरिमा को स्पष्ट करते हुए कहता है कि चींटी जीवन की एक कभी नष्ट न होने वाली चिंगारी या ऊर्जा का अक्षय भंडार है, जो सदा परिश्रम में लगी रहती है और समस्त पृथ्वी पर निडर होकर घूमती है।
(ख) कवि कहता है कि चींटी का शरीर तिल के समान बहुत ही छोटा है और वह घूमती हुई ऐसी लगती है मानो कोई छोटी-सी रेखा प्राण धारण करके झिलमिलाती घूम रही हो।
(ग) कवि कहता है कि चींटी अपने कार्य से कभी नहीं हटती और बिना थके वह दिन-भर में मीलों चलती है।

भाषा और व्याकरण

1. अंधकार - अंधेरा, तम, तिमिर। शत्रु - बैरी, दुश्मन, अरि।
किला - दुर्ग, गढ़। चींटी - पिपीलिका।
सेना - फौज, चमू।
2. विरल - सघन तम - प्रकाश
लघु - दीर्घ आदि - अंत
सदृश्य - अदृश्य शत्रु - मित्र

6 - तेरह तारीख और शुक्रवार का दिन

पाठ बोध

1. (क) (द), (ख) (स), (ग) (अ), (घ) (द), (ङ) (अ), (च) (i) (स); (ii) (ब); (iii) (अ)
2. (क) ब्राउन को तार बिंस्टन चर्चिल ने भेजा था।
(ख) ब्राउन को 13 दिसंबर, शुक्रवार के दिन कूच करना था।
(ग) परमात्मा का रचा कोई भी दिन पराक्रमी के लिए मनहूस नहीं होता।
(घ) जर्मनी के साथ युद्ध में तुर्की भी शामिल था।
(ङ) ब्राउन अंगरेजी जहाजी सेना में एक पनडुब्बी 'सबमेरीन' का नायक रह चुका था।
3. (क) प्रथम विश्व युद्ध में, सन् 1918 में जर्मनी में घोर युद्ध हो रहा था। तुर्की भी जर्मनी के साथ युद्ध में शामिल था। अमेरिका अंगरेजों के साथ था, परंतु भूमध्य सागर में जर्मनी की पनडुब्बियों और तुर्की के एक 'ड्रेडनाट' भारी-भरकम फौजी जहाज ने जो उपद्रव मचा रखा था, उसके कारण स्वेज नहर का मार्ग बंद हो गया था। न अमेरिका कुछ कर पा रहा था और न इंग्लैंड। इस प्रकार युद्ध ने भयानक रूप धारण कर रखा था।
(ख) सबमेरीन को देखकर ब्राउन के चेहरे पर हवाइयाँ इसलिए उड़ने लगीं क्योंकि वह सबमेरीन जहाजी बेड़े से निकाली जा चुकी थी, बहुत ज़र्जर अवस्था में थी और किसी अभियान के लिए प्रयोग में लाने योग्य बिलकुल नहीं थी।
(ग) ब्राउन के कूच करने की तिथि और दिन सुनकर ब्राउन की माँ और पत्नी इसलिए घबरा गईं क्योंकि इंग्लैंड में 'तेरह तारीख और शुक्रवार का दिन' मनहूस माना जाता था।
(घ) 'ड्रेडनाट' को नष्ट करने के उपरांत भी ब्राउन और उसके साथी जलमग्न इसलिए रहे क्योंकि ब्राउन का विचार था कि तुर्की का बेड़ा हमारी खोज इधर-उधर तो करेगा, परंतु इस स्थान पर नहीं करेगा, क्योंकि उसे विश्वास होगा कि हम बचने के लिए भाग निकले होंगे। इस प्रकार वे भागे नहीं और वहीं जलमग्न रहे।
(ङ) तार पढ़कर ब्राउन इसलिए स्तब्ध रह गया था क्योंकि वह तो सेना से रिटायर हो चुका था, फिर उसे क्यों बुलाया गया है जबकि उसे ऐसे किसी बुलावे की आशा न थी।
(च) ब्राउन एक वीर सेनानायक, साहसी, देशप्रेमी, स्वस्थ, बुद्धिमान तथा अंधविश्वासहीन व्यक्ति था। ब्राउन के चरित्र की इन विशेषताओं को हम अवश्य ही अपनाना चाहेंगे क्योंकि ऐसे गुणों से ही व्यक्ति के उत्तम चरित्र का निर्माण होता है।

भाषा और व्याकरण

(क) वर्तमान काल (ख) वर्तमान काल (ग) भूतकाल (घ) भविष्यत् काल
(ङ) वर्तमान काल (च) भविष्यत् काल (छ) भूतकाल।

7- अपना-अपना भाग्य

पाठ बोध

1. (क) (स), (ख) (ब), (ग) (अ), (घ) (अ), (ङ) (द), (च) (अ)

2. (क) नैनीताल में लेखक और उसके मित्र ने देखा कि नैनीताल में संध्या का समय हो रहा था। ताल में किश्तियाँ अपने सफेद पाल उड़ाती हुई अपने अंग्रेज यात्रियों को लेकर, इधर-से-उधर खेल रहीं थीं। कहीं किनारे पर कुछ साहब अपनी बंसी पानी में डाले मछली पकड़ने में लगे थे। हजारों लोग इधर-से-उधर घूम रहे थे।
(ख) 'आदमियों की दुनिया' ने लड़के के पास बस यही उपहार छोड़ा था— मरने के लिए उसे वही जगह, वही दस बरस की उम्र और वही काले चीथड़ों की कमीज।
(ग) वकील साहब ने लेखक द्वारा पहाड़ी लड़के को नौकरी देने के लिए कहे जरने पर तर्क दिए कि —
(i) अजी, ये पहाड़ी बड़े शैतापन होते हैं। बच्चे-बच्चे में गुन छिपे रहते हैं।
(ii) ऐरे-गैरे को नौकर बना लिया जाए और अगले दिन वह न जाने क्या-क्या लेकर चंपत हो जाए।
इससे उनकी दंभी और संकीर्ण मानसिकता का परिचय मिलता है।
(घ) होटल लौटकर लेखक की अपने मित्र से इस प्रकार बात हुई — मित्र ने कहा कि बहुत ठंड है और उस लड़के के पास बहुत कम कपड़े हैं। इस पर लेखक ने कहा कि यह तो संसार है, पहले हमें अपने आराम की सोचनी चाहिए। तब लेखक के मित्र ने कहा कि यह तो मात्र स्वार्थ है। इसे लाचारी, कठोरता या बेशर्मी भी कह सकते हैं।
(ङ) लड़का अपने गाँव से भागकर नैनीताल इसलिए आया था क्योंकि वहाँ कोई काम नहीं था। रोटी नहीं मिलती थी और भूखा बाप उसे मारता था।
(च) लड़का, अगले दिन निश्चित समय पर लेखक के होटल इसलिए नहीं आया क्योंकि वह रात में ही मर चुका था।
3. (क) लड़के ने लेखक के मित्र से।
(ख) लेखक ने वकील साहब से।
(ग) लेखक के मित्र ने लेखक से।
(घ) वकील साहब ने लेखक से।
(ङ) लेखक के मित्र ने लड़के को।

भाषा और व्याकरण

1. (क) ही, (ख) भी, (ग) तक, (घ) तो, (ङ) भी, (च) भी, (छ) भी, (ज) मात्र
2. धीरे-धीरे, छू-छू, चुप-चुप, दस-दस, अपना-अपना

8 – ताई

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (स), (घ) (द)
2. (क) बालक अपनी रेलगाड़ी में चुन्नी और बाबू रामजीदास को ले जाने को तैयार था।
(ख) बालक को उसकी ताई प्यार करेगी, इसमें उसे संदेह था।
(ग) जब रामजीदास ने मनोहर को उसकी ताई की गोद में बैठाने की चेष्टा की तो ताई ने मनोहर को अपनी गोद में से धकेल दिया।
(घ) जब मनोहर ने रामेश्वरी से कहा कि - ताई, पतंग मँगा दो, हम भी उड़ाएँगे, तो मनोहर की यह बात सुनकर रामेश्वरी का कलेजा कुछ पसीज गया।
(ङ) जब मनोहर ने रामेश्वरी से कहा कि तुम हमें पतंग नहीं मँगवा दोगी तो ताऊजी से कहकर तुम्हें पिटवाएँगे, तो मनोहर की यह बात सुनकर रामेश्वरी का मुख क्रोध के मारे लाल हो गया।
(च) मनोहर को छत से गिरता देखकर भी रामेश्वरी उसे बचा न पाईं। इस सदमें से वे एक सप्ताह तक बेहोश पड़ी रहीं। फिर जब उन्हें होश आया तो उन्होंने मनोहर को ही याद किया। इस प्रकार उनका हृदय-परिवर्तन हुआ।
(छ) 'ताई' कहानी, संतान के अभाव के कारण कुंठाग्रस्त नारी के चरित्र को स्पष्ट करती है। यद्यपि संतान के अभाव में रामेश्वरी अपने देवर के पुत्र मनोहर से द्वेष करती थीं, फिर भी उसका छत से गिरना वे सहन नहीं कर पाईं और इस सदमें से एक सप्ताह तक बहोश पड़ी रहीं। होश आने पर मनोहर की कुशलता पूछना उनके हृदय-परिवर्तन की ओर संकेत करता है। इसके बाद मनोहर को असीम प्रेम करना उनके वात्सल्य को दर्शाता है। इस प्रकार कहानी के मूलभाव में यह तथ्य भी जुड़ा हैं कि नारी के मन की कुंठा पर उसके हृदय का वात्सल्य विजयी रहता है।
3. (क) बालक ने बाबू रामजीदास से।
(ख) ताई ने बालक से।
(ग) बाबू रामजीदास ने रामेश्वरी से।
(घ) रामेश्वरी ने बाबू रामजीदास से।
(ङ) मनोहर ने रामेश्वरी से।

भाषा और व्याकरण

1. (क) उनके इतना कहते-कहते बालक निकट आ गया।
(ख) बाबू साहब ने रामेश्वरी की बात पर ध्यान नहीं दिया।
(ग) दोनों बच्चे बड़ी देर तक उनकी गोद में खेलते रहे।
(घ) प्राय: बच्चों के पीछे पति-पत्नी में कहा-सुनी हो जाती थी।
(ङ) रामेश्वरी ने धड़कते हुए कलेजे से इस घटना को देखा।
2. व्यक्तिवाचक संज्ञा - रामजीदास, कृणदास, मनोहर, रामेश्वरी, चुन्नी।
जातिवाचक संज्ञा - बालक, रेलगाड़ी, पतंग, भतीजा, स्त्री।
भाववाचक संज्ञा - चुहलबाजी, संतानहीनता, प्रसन्नता, प्रेम, स्नेह।

9 - मारीच-वध

कविता बोध

1. (क) (स), (ख) (अ), (ग) (ब), (घ) (स), (ङ) (अ)
2. (क) सीता ने राम के सामने इच्छा प्रकट की कि— हे स्वामी, उस सोने के सुंदर हिरन का चर्म लाकर दीजिए।
(ख) मारीच, रावण का मामा था। रावण उसके पास इस उद्देश्य से गया था कि वह सोने का मृग बनकर सीता के सामने चला जाए और वह षड्यंत्र रचकर सीता का हरण कर सके।
(ग) श्रीराम ने मारीच को मोक्ष इसलिए दिया क्योंकि वह भगवान राम का सच्चा भक्त था।
(घ) मारीच ने मरते समय भगवान राम को पुकारा क्योंकि उसके हृदय में भगवान राम के प्रति सच्चा प्रेम था।
(ङ) देवताओं ने आकाश से श्रीराम पर पुष्प-वर्षा इसलिए की क्योंकि श्रीराम दीनों के बंधु हैं, इसीलिए उन्होंने असुर मारीच को भी मोक्ष प्रदान कर दिया।
(च) श्रीराम ने लक्ष्मण को समझाया कि इस वन में बहुत-से राक्षस घूमते रहते हैं; अत: तुम समयानुसार बुद्धि-बल-विवेक से सीता की रक्षा करना।

भाषा और व्याकरण

मृग	= हिरन	असुर	= राक्षस
सुमन	= पुष्प	बिलोकि	= देखकर
सुर	= देवता	रुचिर	= सुंदर
पद	= पैर	सर	= बाण

10 – शाप से मुक्ति

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (द), (ङ) (स)
2. (क) अध्यापक ने बच्चों को इसलिए डाँट लगाई क्योंकि वे आक के पत्ते तोड़ रहे थे जिनसे निकला दूध उनकी आँखों को हानि पहुँचा सकता था।
(ख) लेखक ने मंटू के कुकृत्य के बारे में घरवालों को इसलिए नहीं बताया क्योंकि मंटू ने उसे किसी को न बताने के लिए कहा था, और वह मंटू को अपना मित्र मानता था।
(ग) बचपन में बिछड़े हुए मित्रों मंटू और बब्बू की मुलाकात दिल्ली में हुई।
(घ) जब डॉक्टर प्रभात दादी की आँखों की जाँच कर रहे थे, तब लेखक सोच रहा था कि उसे डॉक्टर प्रभात का चेहरा कुछ परिचित-सा मालूम होता है।

(ङ) मंटू और बब्बू के लिए यह जानकारी कि आक के पत्ते तोड़ने से निकला दूध यदि आँखों में चला जाए तो आदमी अंधा हो सकता है, एकदम नई और विस्मयकारी थी।

(च) मंटू ने पिल्लों की आँखों में आक के पत्तों का दूध इसलिए डाल दिया क्योंकि वह यह देखना चाहता था कि वे इससे वास्तव में अंधे होते हैं या नहीं।

(छ) डॉ० प्रभात को दिए गए दादी के इस आशीर्वाद कि- ''जीते रहो, मेरे लाल! तुम्हारी आँखों की ज्योति हमेशा बनी रहे''- से पता चलता है कि उन्होंने प्रभात को क्षमा कर दिया।

3. (क) डॉ० प्रभात ने लेखक से।
(ख) डॉ० प्रभात ने दादी से।
(ग) लेखक ने दादी से।
(घ) दादी ने लेखक से।
(ङ) लेखक ने मंटू से।

भाषा और व्याकरण

1. (क) आरुणि जैसे गुरुभक्त अब कहाँ?
(ख) आज के व्यस्त जीवन में व्यक्ति को फुरसत के क्षण कहाँ?
(ग) श्रवण कुमार जैसे मातृ-पितृ भक्त अब कहाँ?
(घ) राजा हरिश्चंद्र जैसे सत्यवादी लोग अब कहाँ?
(ङ) वैसा अच्छा अवसर अब कहाँ?

2. **बुरा-भला कहना** = डाँटना - जब मुझे पता चला कि मेरे मित्र ने एक बुजुर्ग का अपमान किया है तो मैंने उसे बहुत बुरा-भला कहा।
टस से मस न होना = अपनी बात पर अड़े रहना - मैंने उस बच्चे को बहुत समझाया कि वह खिलौना लेने की जिद न करे, परंतु वह टस से मस न हुआ।
हृदय से लगाना = बहुत प्रेम जताना - जब रमेश ने कहा कि वह मुझे अपना सच्चा मित्र मानता है तो मैंने उसे हृदय से लगा लिया।
आँखें भर आना = दुखी होना - अपने पुराने दिनों के दुखों को याद करके उसकी आँखें भर आईं।
मुस्कान लुप्त होना = प्रसन्नता का भाव न रहना - जब कालू को पता चला कि पुलिस उसे ढूँढ़ रही है तो उसकी मुस्कान लुप्त हो गई।

11 - आकांक्षी पुष्प

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (स), (घ) (अ), (ङ) (ब)
2. (क) नीले फूल ने प्रकृति से निवेदन किया कि मुझे एक दिन के लिए गुलाब का फूल बना दो।
(ख) छोटा-सा नीला फूल अपने आप को इसलिए हीन महसूस करता था क्योंकि वह सोचता था कि प्रकृति ने उसे छोटा और गरीब बनाया है। यहाँ तक कि वह अपना सिर आकाश की ओर नहीं उठा सकता था।
(ग) गुलाब के फूल ने नीले फूल से कहा कि तुम्हारी बातें बड़ी विचित्र हैं। तुम भाग्यवान हो, फिर भी अपने सौभाग्य को नहीं समझ पा रहे हो। प्रकृति ने तुम्हें सुगंध और सुंदरता दोनों प्रदान की हैं। संतोषी बनो और याद रखो कि जो छोटा बनकर रहता है, वह ऊपर उठता है और जो अपने को बड़ा समझकर रहता है, वह समाप्त हो जाता है।
(घ) गुलाब में परिवर्तित नीले फूल को तूफान द्वारा पृथ्वी पर अस्त-व्यस्त लुढ़का दिया गया था और युद्धस्थल में एक योद्धा कि भाँति भीगी घास पर छितरा दिया गया था।
(ङ) प्रकृति ने नीले फूल से कहा कि तुम नहीं जानते कि तुम क्या माँग रहे हो। इस अंधी लालसा के पीछे जो गुप्त विपत्ति है, उससे तुम अनभिज्ञ हो। यदि तुम गुलाब बन जाओगे तो तुम्हें अफसोस होगा और पश्चात्ताप के अतिरिक्त कुछ न पा सकोगे।
(च) नीले फूल ने गुलाब के फूल को उत्तर दिया कि तुम मुझे इसलिए सांत्वना दे रहे हो क्योंकि तुम्हारे पास वह सब है, जिसके लिए मैं लालायित हूँ। तुम यह जताकर कि तुम बड़े हो, मुझे चिढ़ा रहे हो। तुम्हारी तरह जब कोई भाग्यवान किसी अभागे को नसीहत देता है तो मेरी तरह उसे बहुत कष्ट पहुँचता है। वास्तव में दुर्बल को परामर्श देते समय बलवान बहुत कठोर बन जाता है।

3. (क) गुलाब के फूल ने नीले फूल से।
(ख) नीले फूल ने गुलाब के फूल से।
(ग) प्रकृति ने नीले फूल से।
(घ) नीले फूल ने प्रकृति से।
(ङ) नीले फूल ने नीले फूलों की रानी से।

भाषा और व्याकरण

1. (क) कहाँ (ख) किस (ग) किस (घ) क्या
(i) इन सब फूलों में मैं कितना अभागा हूँ।
(ii) तुम नहीं जानते कि तुम क्या माँग रहे हो।
(iii) देखो तो, तूफान ने अभिमानी पुष्पों की क्या गति बनाई है।

2. **हीन** = तुच्छ, निम्न कोटि का — हमें कभी भी स्वयं को हीन नहीं समझना चाहिए।
विपत्ति = मुसीबत — विपत्ति आने पर हिम्मत से उसका सामना करना चाहिए।
एकांत = निर्जन — कभी-कभी एकांत स्थान पर बैठकर अपने बारे में भी सोचना चाहिए।
अस्तित्व = सत्ता, होना — ट्रेन से गिरकर बेहोश हुए राहुल को होश आने पर अपने अस्तित्व का ज्ञान हुआ।
सौभाग्य = अच्छा भाग्य — बुरे कर्म सौभाग्य को भी दुर्भाग्य में बदल देते हैं।
कष्टदायक = दुख देने वाला — कभी भी कड़वे शब्द नहीं बोलने चाहिए क्योंकि वे दूसरों के लिए कष्टदायक होते हैं।

3. सौभाग्य — दुर्भाग्य अभागा — भाग्यवान
सुगंध — दुर्गंध दुर्बल — बलवान
विद्रोही — देशभक्त संतुष्ट — असंतुष्ट

12 – फिर भी ऊपर चढ़ना है

कविता बोध

1. (क) (अ), (ख) (स), (ग) (ब), (घ) (स), (ङ) (अ)
2. (क) हमें चट्टानों से टक्कर लेकर आगे बढ़ना चाहिए।
(ख) पहाड़ों, सिद्धियों तथा देह का अंत है और अभियानों, संघर्षों, संधानों तथा प्राणों का अंत नहीं है।
(ग) हमारा बलिदान जीवन के अरमानों से ऊँचा है।
(घ) हमारा हौसला विंध्याचल हिमवानों से ऊँचा है।
(ङ) इससे कवि का अभिप्राय यह है कि पहाड़रूपी समस्याओं का अंत तो है परंतु उनके अभियानरूपी समाधानों का अंत नहीं है अर्थात् समस्याएँ तो समाप्त हो जाती हैं परंतु उनके समाधान कभी भी समाप्त नहीं होते।

3. (क) कवि चाहता है कि मानव अपने विभिन्न अभियानों और निर्माणों को दृढ़निश्चय से जारी रखे ताकि मानव-समाज के सामने विश्व के रहस्य उजागर हो सकें और उनका अपने अज्ञेय स्वप्नों को पूरा करने का हौसला बुलंद रहे।
(ख) कवि हमें प्रेरणा देते हुए कहता है कि हमें हर सीमा को पार करना है और अपने मार्ग में आने वाली रुकावट का मुकाबला करना है। हम हिमालय की चोटी पर तो पहुँच चुके हैं लेकिन हमें उससे भी अधिक ऊँचाई तक उन्नति करनी है।
(ग) कवि कहता है कि शरीर तो नश्वर है, इसका अंत तो हो सकता है परंतु प्राण (आत्मा) कभी नष्ट नहीं होते और इस प्रकार जीवन की धारा निरंतर चलती रहती है।

भाषा और व्याकरण

1. (क)

शब्द		**उपसर्ग**		**मूल शब्द**
उपजाति	=	उप	+	जाति
प्रबल	=	प्र	+	बल
प्रशाखाएँ	=	प्र	+	शाखाएँ
आभूषण	=	आ	+	भूषण
प्रदेश	=	प्र	+	देश
असम	=	अ	+	सम

(ख)

शब्द		मूल शब्द		प्रत्यय
अधिकतर	=	अधिक	+	तर
पहाड़ी	=	पहाड़	+	ई
पूर्वज	=	पूर्व	+	ज
खेती	=	खेत	+	ई

2. **हिमवान** = बर्फ को धारण करने वाला — हिमालय पर्वत को हिमवान भी कहते हैं।
संघर्ष = विषम परिस्थिति का मुकाबला करना — मनुष्य को अपनी उन्नति के लिए संघर्ष करने से पीछे नहीं हटना चाहिए।
सिद्धि = किसी कार्य या उद्देश्य की प्राप्ति — हमें अपनी कार्य की सिद्धि के लिए सजग होकर निरंतर प्रयास करना चाहिए।
तरुणाई = नौजवानी — भारत की तरुणाई में किसी भी शत्रु का मुकाबला करने का दम-खम है।
अज्ञेय = जिसे जाना नहीं जा सका है — आज भी हमारी पृथ्वी के अनेक रहस्य अज्ञेय हैं।

13 – सदाचार का तावीज़

पाठ बोध

1. (क) (स), (ख) (ब), (ग) (अ), (घ) (स), (ङ) (स), (च) (ब)
2. (क) राजा ने अपने सभी दरबारियों को भ्रष्टाचार को ढूँढ़ने के लिए बुलाया।
(ख) राजा ने भ्रष्टाचार की तुलना ईश्वर से इसलिए की क्योंकि विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार को सूक्ष्म, अगोचर और सर्वव्यापी बताया, जो कि ईश्वर के गुण हैं।
(ग) दरबारियों ने भ्रष्टाचार न दिखने का कारण, उसका बहुत बारीक होना बताया।
(घ) साधु ने बताया कि जिस आदमी की भुजा पर यह तावीज़ बँधा होगा, वह सदाचारी हो जाएगा। यह तावीज़ गले में बाँध देने से कुत्ता भी रोटी नहीं चुराता है। इस तावीज़ में से सदाचार के स्वर निकलते हैं। इन स्वरों को आत्मा की पुकार समझकर व्यक्ति सदाचार की ओर प्रेरित होता है। यही इस तावीज़ के गुण हैं।
(ङ) विशेषज्ञों ने बताया कि भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए व्यवस्था में बहुत परिवर्तन करने होंगे; जैसे— ठेके देना बन्द करना होगा, जिससे अधिकारी ठेकेदारों से घूस न ले सकें। इसके अलावा किन कारणों से आदमी घूस लेता है, इस पर भी विचार करना होगा।
(च) इस पंक्ति में निहित भाव यह है कि सदाचार के तावीज़ से निकली आवाज के अनुसार तनख्वाह मिलने से पहले रिश्वत लेने में कोई बुराई नहीं है अर्थात् सदाचार का तावीज़ भी भ्रष्ट लोगों के साथ रहकर भ्रष्टाचार में लिप्त हो गया। इस प्रकार व्यंग्यकार ने स्पष्ट कर दिया कि भ्रष्टाचार को मिटाने का कोई उपाय नहीं है।
(छ) राजा ने सदाचार के तावीज़ बनवाने के लिए साधु को ठेका दे दिया और उसे तावीज़ बनाने का कारखाना खोलने के लिए पाँच करोड़ रुपए पेशगी दे दिए।
3. (क) दरबारियों ने राजा से।
(ख) राजा ने विशेषज्ञों से।
(ग) विशेषज्ञों ने राजा से।
(घ) साधु ने राजा से।
(ङ) कर्मचारी ने राजा से।

भाषा और व्याकरण

1. क्योंकि, कि, कुछ, पुनः, बिलकुल, भी।
2. (क) विस्मयादिबोधक चिह्न, पूर्ण विराम
(ख) प्रश्नवाचक चिह्न
(ग) विवरण चिह्न, उद्धरण चिह्न, पूर्ण विराम
(घ) अल्प विराम, पूर्ण विराम, विस्मयादिबोधक चिह्न
(ङ) विस्मयादिबोधक चिह्न, पूर्ण विराम
3. भ्रष्टाचार — सदाचार विराटता — लघुता
सूक्ष्म — विशाल सर्वत्र — कहीं नहीं / एकत्र
खुश — नाखुश बेईमानी — ईमानदारी

14 – वीर शिवाजी

पाठ बोध

1. (क) (स), (ख) (ब), (ग) (अ), (घ) (द), (ङ) (अ)
2. (क) मकबरा बनवाने के संबंध में शिवाजी का विचार था कि एक बादशाह अपना मकबरा इसलिए बनवाता है कि मरने के बाद लोग उसका नाम याद रखें। लेकिन इससे बेहतर यह है कि मनुष्य ऐसा काम करे कि अपना नाम याद रखने के लिए उसे मकबरा बनवाने की जरूरत ही न पड़े।
(ख) रामसिंह ने शिवाजी को कुछ दिन के लिए मान-सम्मान की बात दिल से निकाल देने के लिए कहा।
(ग) शिवाजी का औरंगजेब के प्रति विचार था कि औरंगजेब जब अपने पिता और भाइयों को मारते समय नहीं हिचकिचाया, वह उन्हें मारते समय कभी नहीं झिझकेगा, क्योंकि वह तो खून बहाना ही पसंद करता है।
(घ) औरंगजेब ने अपने पिता और भाइयों की हत्या की। उसने युद्धों में हजारों लोगों का खून बहाया। इसलिए शिवाजी ने औरंगजेब को खूँरेज बताया।
(ङ) शिवाजी का धरती के प्रति कहना था कि बीज डालने से पहले झाड़-झंखाड़ को उखाड़कर धरती को गोड़ना होता है। दुनिया में धरती से बढ़कर कोई दानी नहीं है। आवश्यकता है तो केवल उस पर परिश्रम करने की।
(च) "क्या इसकी नींव भी संगमरमर की बनी है?" इस वाक्य के द्वारा शिवाजी रामसिंह को समझाना चाहते थे कि हजारों लोगों कि कुर्बानी दिए जाने बाद किसी राजा का विजय का सपना साकार होता है, परंतु नाम केवल राजा का होता है। उन हजारों लोगों को कोई याद नहीं करता, जो उस सपने को पूरा करने के लिए अपनी कुर्बानी देते हैं। जैसे कि ताजमहल के ऊपर लगे संगमरमर की खूबसूरती की प्रशंसा तो सब करते हैं, परंतु उसकी नींव में दबे उन हजारों मामूली पत्थरों को कोई याद नहीं करता, जिनके बल पर यह ताजमहल खड़ा है।
(छ) रामसिंह ने शिवाजी को आश्वासन दिया कि — हम आपको यकीन दिलाते हैं कि हमसे जो भी करते बनेगा, हम करेंगे और अगर कुछ भी न बन पड़ा तो आपकी खातिर जान तो दे ही सकेंगे।
3. (क) (अ), (ख) (ब), (ग) (ब), (घ) (स), (ङ) (अ)

भाषा और व्याकरण

1. विवादित, परीक्षित, स्थापित, चालित, निर्मित, अपमानित, घोषित।
2. **आभारी** = एहसानमंद — आपने जो मेरी सहायता की है उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ।
गुस्ताखी = अशिष्टता — सुहेल की गुस्ताखी को देखकर उसकी अम्मी ने उसकी पिटाई की।
ताजिंदगी = पूरे जीवन-भर — देश को आजाद कराने के लिए कुर्बानी देने वाले शहीदों को हम ताजिंदगी नहीं भूलेंगे।
नखलिस्तान = मरूद्यान — रेगिस्तान में जहाँ कहीं पानी निकल आता है, वहाँ नखलिस्तान बन जाता है।
नसीहत = सदुपदेश, सीख — समाज में नसीहत देने वाले बहुत मिलते हैं लेकिन उसका पालन करने वाला कोई-कोई होता है।
फाकाकशी = भोजन न मिलने के कारण भूखों रहना — हमारे देश में आज भी लाखों लोग फाकाकशी का जीवन गुजार रहे हैं।

15 — शांति

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (स), (ग) (द), (घ) (अ), (ङ) (स), (च) (ब)
2. (क) चील ने आखेट पर जाते समय चकुले को समझाया कि तुम अपने घोंसले से मत निकलना। मेरी बात का ध्यान रखना, भूलना नहीं।
(ख) कहानी के निम्नलिखित अंशों से संन्यासी का अपनी तपस्या पर अहंकार व्यक्त होता है—

(i) "शांति के विधान के लिए मैं अपना तप, सुख, स्वर्ग सब न्योछावर करने के लिए तैयार हूँ।"
(ii) "मेरी तपस्या की ही विजय है यह!"

(ग) संन्यासी की पल-भर की प्रसन्नता इसलिए विषाद में बदल गई क्योंकि उसकी आशा के विपरीत उसे एक आदमी, एक चील का चकुला और एक साँप का बच्चा तीनों के शव देखने को मिले जबकि वह उन्हें जीवित समझकर प्रसन्न हो रहा था।

(घ) कहानी में वर्णित प्राणियों के बच्चे अपने पारंपरिक भोज्य-पदार्थ को इसलिए छोड़ने के लिए तैयार थे क्योंकि वे किसी दूसरे की जान लेकर अपना पेट नहीं भरना चाहते थे।

(ङ) चील, भील और साँपिन ने अपने-अपने बच्चों से यह बात इसलिए कही क्योंकि वे अपनी शिकारी वृत्ति को छोड़कर एक संन्यासी की तरह अहिंसा की बात कर रहे थे।

(च) यह रूपक कथा हमें संदेश देती है कि विभिन्न प्राणियों के शिशुओं में जहाँ मन की निश्छलता, माँ के लिए अगाध प्रेम, उसके दुख की कल्पना-मात्र से ही अपने भोज्य-पदार्थों को त्यागने के लिए तत्पर हो जाना तथा संपूर्ण जीव-जगत के प्रति दया भाव है, वहीं उनके माता-पिता अपने संस्कारों के सहजात स्वभाव को न छोड़कर उसी के अनुरूप कार्य करते हैं।

3. (क) सन्यासी सूर्य को ईश्वर का प्रकाशमान स्वरूप मानकर प्रार्थना करता है कि हे भगवान! सूर्य रूप में आप इस धरती के अंधकार को दूर करते हो, परंतु इस धरती के लोगों के मन पर छाए लोभ, मोह, हिंसा आदि के अंधकार को आप कब दूर करोगे; अर्थात् इस धरती के लोगों के मन का यह अंधकार दूर होने पर ही यह संसार सुंदर बन पाएगा।

(ख) जब चील, भील और साँपिन से उनके बच्चों ने हिंसा और बदले की भावना का त्याग करने को कहा तब उन्होंने अपने बच्चों से कहा कि तुम्हें जंगल के उस संन्यासी की संतान होना चाहिए था। तुमने तो गलती से हमारे यहाँ जन्म लिया है।

(ग) यद्यपि सभी माता-पिता अपने बच्चों पर नियंत्रण रखते हैं और उन्हें स्वच्छंद होकर इधर-उधर घूमने से रोकने के लिए उपदेश देते हैं; परंतु माता-पिता के उपदेश का उल्लंघन कर आजादी से इधर-उधर घूमना बच्चे नहीं छोड़ते और यह परंपरा इस धरती के प्राणियों के जीवन में हमेशा से चलती आई है।

(घ) जब संन्यासी ने चकुले, भील और सँपोले को एक साथ पड़े देखा तो उसने सोचा कि वैर-भाव रखने वाले ये प्राणी एक साथ दिख रहे हैं तो उसे पल-भर के लिए यह भ्रम हुआ कि उसने जो सारे सजीवों में बंधुता निर्माण करने की माँग ईश्वर से की थी, वह शायद ईश्वर ने स्वीकार कर ली है। परंतु वे तीनों मृत अवस्था में एक-दूसरे के पास पड़े थे, बंधुता के भाव से एकत्र नहीं हुए थे।

भाषा और व्याकरण

1. **पुनरुक्त शब्द** — रो-रो, धीरे-धीरे, घट-घट, घर-घर, भाई-भाई।
शब्द युग्म — कूदता-फाँदता, धनुष-बाण, झाड़-झंखाड़, टेढ़े-मेढ़े, चोरी-छिपे।

2.

पागल + पन = पागलपन	संहार + क = संहारक
दुश्मन + ई = दुश्मनी	संन्यास + ई = संन्यासी
चरमर + आहट = चरमराहट	बनावट + ई = बनावटी
विशेष + ता = विशेषता	असफल + ता = असफलता

16 — ईदगाह

पाठ बोध

1. (क) (द), (ख) (अ), (ग) (द), (घ) (ब), (ङ) (स), (च) (स)

2. (क) हामिद को ईदगाह भेजते समय उसकी दादी सोच रही थी कि- हामिद को कैसे अकेले मेले में जाने दूँ, कहीं भीड़-भाड़ में वह खो गया तो क्या होगा? यह छोटा बच्चा तीन कोस चलेगा कैसे? मेरे पास पैसे भी अधिक नहीं हैं, अल्लाह ही बेड़ा पार लगाए।

(ख) ईदगाह में हामिद ने देखा कि ऊपर इमली के घने वृक्षों की छाया है। नीचे पक्का फर्श है, जिस पर जाजिम बिछी हुई है। रोजेदारों की पंक्तियाँ एक के पीछे एक दूर तक चली गई हैं।

(ग) हामिद के साथियों ने मेले में खिलौने और मिठाइयाँ खरीदीं।

(घ) हामिद ने अपने साथियों से कहा कि— चिमटे को कंधे पर रख लो तो यह बंदूक की तरह लगे। जमीन पर पटक दो तो इसका कुछ न बिगड़े। इसे हाथ में ले लो तो फकीरों का चिमटा बन जाए, और उनके सारे खिलौने मिलकर भी चिमटे का कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। इस प्रकार उसने अपने साथियों पर चिमटे का रौब जमाया।

(ङ) चिमटा देखकर अमीना को क्रोध इसलिए आया कि मेले में हामिद ने अपने लिए कुछ भी नहीं खरीदा, बल्कि अपने पास के कुल तीन पैसों का वह चिमटा ही खरीदा।

(च) हामिद की बात सुनकर अमीना इसलिए गद्‌गद हो गई क्योंकि हामिद ने अपनी सब इच्छाएँ रोककर अपनी दादी की सुविधा के लिए चिमटा खरीदा था।

(छ) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि व्यक्ति को प्रत्येक कार्य सोच-समझकर करना चाहिए। सामर्थ्य के अनुसार कार्य करने पर ही व्यक्ति प्रशंसा का पात्र बनता है।

3. (क) हामिद ने अपनी दादी से।
(ख) दुकानदार ने हामिद से।
(ग) मोहसिन ने हामिद से।
(घ) सम्मी ने हामिद से।
(ङ) महमूद ने हामिद से।

भाषा और व्याकरण

1. शानदार, देनदार, खरीदार, चौकीदार, पहरेदार, नातेदार, रिश्तेदार, हिस्सेदार।

2.

बधाई	—	बधाइयाँ	मिठाइयाँ	—	मिठाई
रेवड़ियाँ	—	रेवड़ी	पंक्ति	—	पंक्तियाँ
टोपियाँ	—	टोपी	घोड़ा	—	घोड़े
छाला	—	छाले	कंघे	—	कंघा
रोटियाँ	—	रोटी	घुड़की	—	घुड़कियाँ
चिमटा	—	चिमटे	पसलियाँ	—	पसली

3. **दिल बैठ जाना** — अपने पिता की मृत्यु का समाचार सुनकर रामकुमार का दिल बैठ गया।
छक्के टूट जाना — भारतीय सेना का शौर्य देखकर पाकिस्तानी सेना के छक्के छूट गए।
रंग जमाना — विद्‌वान व्यक्ति हर जगह अपना रंग जमा लेता है।
परलोक सिधारना — महात्मा गांधी 30 जनवरी 1948 को परलोक सिधारे थे।
माटी का चोला माटी में मिलना — मानव शरीर नश्वर है। एक दिन यह माटी का चोला माटी में मिल जाता है।
क्रोध काफूर होना — छोटे बच्चे की मधुर बातें सुनकर हर किसी का क्रोध काफूर हो जाता है।
गद्‌गद होना — रमेश का अपने प्रति प्रेम देखकर उसकी माता गद्‌गद हो उठी।

17 — नींव की ईंट

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (स), (ङ) (द)

2. (क) इमारत की मजबूती उसकी नींव पर निर्भर करती है।

(ख) समाज के कुछ व्यक्ति यह सोचकर कि एक सुंदर समाज बने, प्रसिद्‌धि के पीछे नहीं दौड़ते; बल्कि चुपचाप सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं।

(ग) 'नींव की ईंट' पाठ में लेखक ने नौजवानों को देश के निर्माण में नींव की ईंट बनने की चुनौती दी है।

(घ) 'नींव की ईंट' पाठ में इमारत, नींव, कंगूरा और कंगूरे के गीत गाने वाले क्रमश: देश, देश की उन्नति के लिए चुपचाप बलिदान देने वाले लोग, देश के लिए किए गए अपने कार्यों का बखान करके प्रसिद्‌धि पाने वाले बड़े लोग तथा बड़े लोगों के चापलूसों के प्रतीक होकर आए हैं।

(ङ) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी बहुत-से व्यक्तियों के मौन

बलिदान की आवश्यकता इसलिए बनी हुई है क्योंकि अभी हमारा देश पूर्ण विकास को प्राप्त नहीं हुआ है। अत: देश को पूर्ण रूप से उन्नत बनाने के लिए नि:स्वार्थी लोगों के चुपचाप देश की सेवा में लगे रहने और अपना मौन बलिदान देने की आवश्यकता है।

(च) नींव की ईंट पर ही किसी इमारत की मजबूती निर्भर करती है। अत: किसी इमारत के निर्माण में नींव की ईंट का सर्वाधिक महत्व होता है।

3. (क) सामान्य रूप से दुनिया के लोग किसी भी वस्तु की ऊपरी चमक-दमक और आकर्षक आवरण को ही देखते हैं, परन्तु उसे इस रूप में लाने के पीछे जिन लोगों का परिश्रम और त्याग होता है उस पर बहुत कम लोगों का ध्यान जाता है।

(ख) सभी जानते हैं कि सत्य कठोर होता है क्योंकि उसमें दृढ़ता होती है। साथ ही कठोर वस्तु में भद्दापन भी होता है। अत: जहाँ कठोरता होगी वहाँ भद्दापन भी होगा। इस प्रकार कठोरता और भद्दापन साथ-साथ जन्म लेते हैं और साथ-साथ ही जीते हैं।

(ग) जब किसी सुंदर वस्तु का निर्माण किया जाता है तो उसके लिए सदैव कठोर परिश्रम और बलिदान की आवश्यकता होती है। जैसे कि किसी सुंदर इमारत के निर्माण के लिए नींव की ईंट का और उन्नत देश के निर्माण के लिए उस देश के व्यक्तियों का बलिदान आवश्यक होता है।

(घ) लेखक के अनुसार, यह विचार मूर्खतापूर्ण है कि जिसे हम देख नहीं सकते, वह सत्य नहीं है। किसी वस्तु के विषय में निरंतर खोज में लगे रहने पर ही उस वस्तु की सत्यता का पता चलता है। उसे देखने-मात्र से उसकी सत्यता या न देख पाने से ही उसकी असत्यता सिद्ध नहीं होती है।

भाषा और व्याकरण

1. आधारशिला = आधार की शिला — तत्पुरुष
   लोकलोचन = लोक का लोचन — तत्पुरुष
   भूख-प्यास = भूख और प्यास — द्वंद्व
   नव-जवान = नया जवान — कर्मधारय
   पुण्य-प्रताप = पुण्य का प्रताप — तत्पुरुष
   त्रिकोण = तीन कोणों का समूह — द्विगु
   प्रतिदिन = दिन-दिन — अव्ययीभाव
   शरणागत = शरण में आया हुआ — तत्पुरुष
2. स्वामी जी ने यज्ञ-मंडप में पधारकर उसकी शोभा सौ गुनी कर दी।
   एक भयानक धमाके ने कई दुकानों का अस्तित्व विलीन कर दिया।
   आज भी लोग रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और साहस के गीत गाते हैं।

18 - जागरण गीत

कविता बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (ब), (घ) (स)
2. (क) कवि ने श्रम व कार्यनिष्ठा से भागने वालो को श्रम करने के लिए प्रेरित किया है।

(ख) उदयाचल से सूर्य का उदय होना तथा अस्ताचल से सूर्य का अस्त होना बताया गया है।

(ग) गहरी नींद में बेखबर सोए व्यक्तियों को कवि प्रगति के पथ पर चलने की प्रेरणा देना चाहता है। तथा उन व्यक्तियों में कवि ऊर्जा भरना चाहता है।

(घ) प्रगति पथ पर बढ़ने की बात कवि उन लोगो के संबंध में कह रहा है जो अभी तक कल्पनाओं में सोए हुए थे।

(ङ) इन शब्दों द्वारा कवि मानव को ढांढस बँधा रहा है कि जीवन के प्रगति पथ पर निराश होने की आवश्यकता नही है। तथा कवि सबकी सहायता करने के लिए तत्पर है।

19 - बैताल की कथा

पाठ बोध

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (द), (ङ) (अ), (च) (द)
2. (क) सेठ धरमचंद अपने को सच्चा ओर ईमानदार दिखाने के लिए सुबह-शाम मंदिर जाता था और वहाँ एक घंटा प्रार्थना किया करता था। ग्राहक से बात करते हुए भी वह 'ईमान' कहता जाता था।

(ख) लेखक यहाँ व्यापारी धरमचंद और सरकारी अधिकारी की बात कर रहा है।

(ग) कपड़े का दाम सुनकर साहब इसलिए परेशान हो गए क्योंकि उन्हें कपड़ा महँगा लग रहा था और उसे खरीदने की सामर्थ्य उनमें नहीं थी।

(घ) धरमचंद ने प्रतिज्ञा की कि एक महीने के भीतर साहब को उस कपड़े की कमीज पहनाकर रहूँगा।

(ङ) धरमचंद के मुकदमा जीतने पर लोगों को इसलिए आश्चर्य हुआ क्योंकि धरमचंद बिना बेईमानी किए वह मुकदमा नहीं जीत सकता था जबकि उसकी कोई बेईमानी सामने नहीं आई थी।

(च) परसाई जी एक महान व्यंग्यकार थे। कहानी के अंत में विक्रम के इस कथन के रूप में उन्होंने गहन व्यंग्य किया है। यह जानकर भी कि बेईमानी हो रही है, की जा रही है— लोग अनजान और मूक बने रहते हैं और बेईमानी में सम्मिलित होते हुए भी सब एक-दूसरे को ईमानदार बनकर दिखाते हैं। इस प्रकार ईमान किसी का नहीं जाता। अत: व्यंग्य की दृष्टि से विक्रम का यह उत्तर ठीक है।

भाषा और व्याकरण

1. परम + आत्मा = परमात्मा — पाप + आत्मा = पापात्मा
   देव + आत्मा = देवात्मा — दीन + आत्मा = दीनात्मा
   विश्व + आत्मा = विश्वात्मा — जीव + आत्मा = जीवात्मा
   प्रेत + आत्मा = प्रेतात्मा — पुण्य + आत्मा = पुण्यात्मा
2. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (ब)

Notes

MPMI

Munish PRINT Media

INTERNATIONAL

Plot No. 3, Prem Kunj, Tech Zone 7, Greater Noida (NCR) India

An ISO 9001 : 2008 Certified Company